RNI NO.DELHI/2012/48369
वर्ष 12 अंक 84
नई दिल्ली, मंगलवार, 30 जनवरी, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

एक सप्ताह के भीतर सीएए लागू होगा: शांतनु ठाकुर

राष्ट्रीय-10

सोरेन, लालू पर कसा ईडी का शिकंजा

राजेश कुमार। नई दिल्ली/रांची

अतीत की याद दिलाती हुई एक घटना जिसमें यूपीए-1 सरकार मेंकोयला मंत्री रहे शिबू सोरेन आरोपी के तौर छिपे गए थे। अब उनके बेटे झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जांच एजेंसी केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय से कथित तौर पर बचने के लिए लापता हो गये हैं। शिबू सोरेन ने एक पखवाड़े बाद सीबीआई के सामने समर्पण किया था। कथित भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में झामुमो नेता की तलाश में ईडी की टीम हेमंत के नई दिल्ली स्थित आवास पर पहुंची। दूसरी ओर, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव नौकरी के बदले जमीन घोटाले की जांच के सिलसिले में पूछताछ के लिए पटना में ईडी के सामने पेश हुए। लालू यादव से पूछताछ के विरोध में राजद के समर्थक ईडी के दफ्तर के बाहर जमा हो गये। ईडी के सूत्रों के मुताबिक दिल्ली पुलिस कर्मियों के साथ एजेंसी की एक टीम सुबह करीब 9 बजे दक्षिण दिल्ली में 5/1 शांति निकेतन भवन पहुंची और देर शाम तक वहीं थी, टीम हेमंत सोरेन की वर्तमान स्थिति का पता लगाने की कोशिश कर रही थी, लेकिन उनका पता नहीं चल सका।

नई दिल्ली में सोमवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आवास के बाहर प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी।

ईडी ने कहा कि उनके दिल्ली स्थित घर की तलाशी भूमि घोटाले में ताजा इनपुट के आधार पर की गई थी। प्रक्रिया के अनुसार, तलाशी लेते समय एक बयान दर्ज किया जाता है। चूंकि सोरेन मौजूद नहीं थे, इसलिए ईडी उनका बयान दर्ज नहीं कर सकी। बाद में ईडी के सात अधिकारियों की एक टीम सोरेन के ठिकाने की जानकारी लेने के लिए झारखंड भवन पहुंची, जब झारखंड भवन के कर्मचारियों से पूछा गया कि क्या मुख्यमंत्री वहां रुके थे तो उन्होंने 'नहीं' में जवाब दिया।

एक सूत्र ने कहा, 'हम मुख्यमंत्री से पूछताछ करने के लिए उनके आवास पर आए थे, लेकिन वह यहां नहीं हैं। ईडी की टीमें झारखंड भवन और कुछ अन्य स्थानों पर भी गईं, लेकिन मुख्यमंत्री नहीं मिले।' सूत्रों ने कहा कि ईडी की टीमें सोरेन के लौटने तक आवास पर रहेंगी, अधिकारी दिल्ली हवाई अड्डे पर भी निगरानी रख रहे हैं।

अज्ञातवास की खबरों के बीच सोरेन, जो 27 जनवरी की रात को रांची से दिल्ली के लिए रवाना हुए थे, ने ईडी को एक ईमेल भेजा है जिसमें उन्होंने 31 जनवरी को अपने रांची स्थित आवास पर लगभग 1 बजे एजेंसी के जांचकर्ताओं द्वारा नए दौर की पूछताछ के लिए सहमति व्यक्त की है। सूत्रों ने बताया कि ईडी ने कथित भूमि धोखाधड़ी मामले में 20 जनवरी को सोरेन से रांची में उनके आधिकारिक आवास पर पूछताछ की थी और उन्हें एक नया समन जारी कर 29 जनवरी या 31 जनवरी को पूछताछ के लिए उनकी उपलब्धता की पुष्टि करने के लिए कहा था। सूत्रों के मुताबिक सोरेन ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को एक पत्र भेजा था, लेकिन पूछताछ के लिए तारीख और समय की पुष्टि नहीं की थी। जबकि मुख्यमंत्री कार्यालय ने इस घटनाक्रम पर चुप्पी साध रखी है, झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि वह सीएम को ईडी के समन के मद्देनजर राज्य की स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

राज्य में राजनीतिक हालात के मद्देनजर राजभवन के समक्ष विकल्पों के बारे में पूछने पर उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 'संविधान के संरक्षक के रूप में मैं समग्र स्थिति पर नजर रख रहा हूं। यह राज्यपाल का काम है, मैं कर रहा हूं। जब समय आएगा हम पुल पार कर लेंगे।' सोरेन, जिन्होंने नौ बार ईडी के समन को नजरअंदाज किया है, ने बिना किसी स्पष्टीकरण के सोमवार के निर्धारित सरकारी कार्यक्रमों को रद्द करते हुए शनिवार रात को अचानक दिल्ली की यात्रा की, जिससे अटकलें तेज हो गईं। इससे अटकलें और तेज हो गईं क्योंकि उन्होंने अपने निर्धारित कार्यक्रमों को रद्द कर दिया, जिसमें 29 जनवरी को चाईबासा में एक कार्यक्रम, 30 जनवरी को पलामू में और 31 जनवरी को गिरिडीह में एक कार्यक्रम शामिल था। उनकी दिल्ली यात्रा ईडी द्वारा उनसे पूछे जाने की पृष्ठभूमि में हुई थी कि क्या वह 29 जनवरी या 31 जनवरी को पूछताछ के लिए उपलब्ध होंगे। झारखंड सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा, 'यह यहां एक अभूतपूर्व स्थिति है। किसी को नहीं पता कि मुख्यमंत्री कहां हैं।' रांची मे, सोमवार (शेष पेज 9)

पीएम की छात्रों को सलाह स्वयं से करें प्रतिस्पर्धा

नई दिल्ली में सोमवार को 'परीक्षा पे चर्चा 2024' के दौरान छात्रा, शिक्षकों और अभिभावकों से संवाद करते हुए।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को माता-पिता को अपने बच्चे के रिपोर्ट कार्ड को अपना विजिटिंग कार्ड न मानने की सलाह दी और सुझाव दिया कि छात्रों को खुद से प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए, दूसरों से नहीं। अपने वार्षिक 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के दौरान छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के साथ बातचीत करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बच्चों को दबावों से निपटने में मदद करने के लिए उनमें लचीलापन पैदा करना महत्वपूर्ण है और इस बात पर जोर दिया कि माता-पिता और शिक्षकों को छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियों का सामूहिक रूप से समाधान करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमारे बच्चों में लचीलापन पैदा करना और उन्हें दबावों से निपटने में मदद करना महत्वपूर्ण है... हम स्विच ऑफ नहीं कर सकते दबाव चला गया है। किसी भी प्रकार के दबाव को सहन करने में सक्षम होना चाहिए। उन्हें विश्वास होना चाहिए कि दबाव बनता रहता है और आपको खुद को तैयार करना होगा। आपको एक बच्चे की दूसरे से तुलना नहीं करनी चाहिए क्योंकि यह उनके भविष्य के लिए हानिकारक हो सकता है। कुछ माता-पिता अपने बच्चों के रिपोर्ट कार्ड को अपना विजिटिंग कार्ड मानते हैं, यह अच्छा नहीं है।'

मोदी ने माता-पिता को कुछ नियम और विनियम निर्धारित करने का सुझाव दिया, जैसे 'घर में नो गैजेट जोन' और 'डिनर के दौरान कोई गैजेट नहीं' बनाना और पारदर्शिता स्थापित करने के लिए अपने घरों में सभी मोबाइल फोन के पासकोड को प्रत्येक सदस्य के साथ साझा करना। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रौद्योगिकी को बोझ नहीं समझा जाना चाहिए बल्कि इसका उपयोग अपने लाभ के लिए कैसे किया जाए (शेष पेज 9)

बजट से पहले केंद्र ने बुलायी सर्वदलीय बैठक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बजट सत्र से पहले, केंद्र ने मंगलवार को संसद में विभिन्न दलों के फ्लोर नेताओं की बैठक बुलाई है। विभिन्न राजनीतिक दलों के सूत्रों ने कहा कि सर्वदलीय बैठक में कटुतापूर्ण दृश्य देखने को मिलने की संभावना है क्योंकि विपक्ष, जो इंडिया गठबंधन के रूप में खड़ा है, स्वयं विभाजित है। पिछले कुछ सत्रों में उन्होंने मिलकर सरकार द्वारा बुलाई गई सभी पार्टियों की बैठकों के साथ-साथ लोकसभा और राज्यसभा में भी जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। पिछले सत्र में 150 से अधिक मौजूदा सांसदों को निलंबित कर दिया गया था और यह मुद्दा मंगलवार को होने वाली बैठक में भी गूंजेगा। सत्र की शुरुआत दोनों सदनों में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संबोधन के साथ होगी और यह नई संसद में राष्ट्रपति का पहला संबोधन होगा, जिसमें पहले ही दो सत्र हो चुके हैं - सितंबर 2022 में विशेष सत्र जब नई इमारत का उद्घाटन किया गया था और शीतकालीन सत्र।

आदर्श रूप से विपक्षी दलों ने भी रणनीति बनाने के लिए एक अलग बैठक बुलाई, लेकिन इस बार बिहार और पश्चिम बंगाल में बदले हुए समीकरण के कारण कांग्रेस के सबसे बड़े सहयोगियों और सरकार के खिलाफ रणनीति में साझेदारों ने अपना रास्ता बदल लिया है। यह हर सत्र से पहले बैठक एक पारंपरिक प्रथा है क्योंकि विभिन्न दलों के नेता उन मुद्दों को उजागर करते हैं जिन्हें वे संसद में उठाना चाहते हैं, और सरकार उन्हें अपने एजेंडे की एक झलक प्रदान करती है और उनका सहयोग मांगती है। लोकसभा चुनाव से पहले यह बजट सत्र 31 जनवरी को आरंभ होकर 9 फरवरी को समाप्त होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लोकसभा चुनाव से पहले अंतरिम बजट पेश करेंगी। चुनाव के बाद नई सरकार पूर्ण बजट पेश करेगी।

नई दिल्ली में सोमवार को विजय चौक पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू की मौजूदगी में बीटिंग रिट्रीट सेरमनी का दृश्य

भारतीय नौसेना की एक और जीत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नौसेना के अधिकारियों ने सोमवार को यहां कहा कि भारतीय नौसेना के युद्धपोत की त्वरित प्रतिक्रिया से समुद्री डाकुओं द्वारा अपहृत ईरानी ध्वज वाले मछली पकड़ने वाले जहाज पर सवार सभी 17 चालक दल के सदस्यों की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित हुई। यह घटना कोच्चि से 700 समुद्री मील पश्चिम में अरब सागर में घटी। यहां विवरण देते हुए, उन्होंने कहा कि भारतीय युद्धपोत आईएनएस सुमित्रा को सोमालिया के पूर्वी तट पर तैनात किया गया था और मछली पकड़ने वाले जहाज पर कुछ समुद्री डाकुओं द्वारा सवार होने के बाद संकट कॉल पर तुरंत प्रतिक्रिया दी गई थी। नौसेना के प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल ने कहा, 'आईएनएस सुमित्रा सोमालिया के पूर्वी तट और अदन की खाड़ी में समुद्री डकैती विरोधी अभियानों पर एक ईरानी ध्वज वाले मछली पकड़ने वाले जहाज ईमान के अपहरण के संबंध में एक संकट संदेश का जवाब दिया। जहाज पर समुद्री डाकू सवार थे और चालक दल को बंधक बना ले जाया गया था।' उन्होंने बताया कि आईएनएस सुमित्रा ने जहाज को रोका और समुद्री लुटेरों को चालक दल तथा जलपोत की सुरक्षित रिहाई के लिए बाध्य करने के वास्ते स्थापित मानक चालक प्रक्रियाओं (एसओपी) के अनुरूप काम किया। मधवाल ने बताया कि जहाज पर

चालक दल के सभी 17 सदस्यों और नौका को सफलतापूर्वक मुक्त कराया गया। प्रवक्ता ने कहा, हिंद महासागर क्षेत्र में जलदस्यु रोधी और समुद्री सुरक्षा अभियानों में भारतीय नौसैनिक युद्धपोतों की तैनाती समुद्र में सभी जहाजों और नाविकों की सुरक्षा के प्रति भारतीय नौसेना के दृढ़संकल्प को दर्शाती है। लाल सागर और अरब सागर के कुछ हिस्सों में पिछले कुछ हफ्तों में व्यापारिक जहाजों पर कुछ ड्रोन और समुद्री डाकू हमले हुए हैं।भारतीय नौसेना ने भारत जाने वाले व्यापारिक जहाजों पर हाल के हमलों के मद्देनजर अशांत क्षेत्र में निगरानी काफी हद तक बढ़ा दी है और लगभग 10 युद्धपोतों वाले कार्य समूहों को तैनात किया है।

हाल ही में, 7 अक्टूबर को इजराइल-हमास संघर्ष शुरू होने के बाद ईरान समर्थित यमन का हौथी मिलिशिया लाल सागर में मिसाइलों और ड्रोन के साथ वाणिज्यिक शिपिंग को निशाना बना रहा है। हौथी विद्रोहियों ने हमास के लिए अपना समर्थन घोषित किया है। हमलों के बाद कई शिपिंग कंपनियों ने लाल सागर में अपने परिचालन को निलंबित कर दिया है, जिससे नाविकों को रास्ता बदलने और अफ्रीका के दक्षिणी सिरे के आसपास लंबे रास्ते अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। पिछले शनिवार को भारत के निर्देशित मिसाइल विध्वंसक आईएनएस विशाखापत्तनम ने एक व्यापारिक जहाज द्वारा की गई संकटपूर्ण कॉल का जवाब दिया, जिसमें अदन की खाड़ी में कथित तौर पर हौथी द्वारा किए गए मिसाइल हमले के बाद आग लग गई थी, इस घटना ने बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर प्रकाश डाला था।

मुश्किल में मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू

एजेंसी। मालदीव

मालदीव की संसद में बहुमत रखने वाला मुख्य विपक्षी दल एमडीपी राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू पर महाभियोग चलाने के लिए प्रस्ताव रखने की तैयारी कर रहा है, वहीं उनके मंत्रिमंडल में तीन सदस्यों को लाने के लिए सोमवार को संसद में हुए मत-विभाजन में उन्हें मंजूरी नहीं दी गई। खबरों में यह दावा किया गया। इससे पहले रविवार को संसद में सरकार समर्थक सांसदों और विपक्षी सांसदों के बीच चीन समर्थक राष्ट्रपति के मंत्रिमंडल के चार सदस्यों की मंजूरी पर मतभेदों को लेकर विवाद हो गया था। मुइज्जू (45) ने पिछले साल सितंबर में राष्ट्रपति चुनाव में भारत से अच्छे संबंध रखने वाले निवर्तमान राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह को हरा दिया था। सन डॉट कॉम ने एमडीपी के एक सांसद के हवाले से कहा, एमडीपी ने डेमोक्रेट के साथ साझेदारी में महाभियोग प्रस्ताव के लिए पर्याप्त संख्या में हस्ताक्षर करा लिए हैं। हालांकि, उन्होंने अभी इसे जमा नहीं किया है।

द एडिशन डॉट एमवी की खबर के अनुसार एमडीपी के संसदीय समूह की सोमवार को हुई बैठक में महाभियोग प्रस्ताव को जमा करने का फैसला सर्वसम्मति से किया गया। द सन डॉट कॉम ने लिखा, संसद के

स्थाई आदेशों के साथ संविधान में कहा गया है कि राष्ट्रपति पर 56 वोट के साथ महाभियोग चलाया जा सकता है। संसद ने हाल में अपने स्थाई आदेशों में संशोधन किया था ताकि महाभियोग प्रस्ताव पेश करने की प्रक्रिया को आसान किया जा सके। मालदीव की संसद में कुल 80 सदस्य हैं। मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के 45 सदस्य हैं और इसकी सहयोगी द डेमोक्रेट्स के 13 सदस्य हैं। पीपीएम-पीएनसी के सत्तारूढ़ गठबंधन में प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव्स के दो वहीं पीपल्स नेशनल कांग्रेस के 13 सदस्य हैं। तीन निर्दलीय सदस्य हैं, वहीं जम्हूरी पार्टी और मालदीव्स डेवलपमेंट अलायंस (एमडीए) के दो-दो सदस्य हैं। राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव के लिए हस्ताक्षर कराए जाने से पहले पीपीएम-पीएनसी गठबंधन ने स्पीकर (शेष पेज 9)

क्विक न्यूज

राज्यसभा की 56 सीटों के लिए चुनाव 27 फरवरी को

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने घोषणा की कि 56 सीटों के लिए द्विवार्षिक राज्यसभा चुनाव 27 फरवरी को होंगे। पूर्व प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित मौजूदा पदाधिकारियों का कार्यकाल अप्रैल में समाप्त हो जाएगा।

कोटा में एक और छात्रा ने की फांसी लगाकर आत्महत्या

नई दिल्ली/कोटा। राजस्थान के कोचिंग हब कहे जाने वाले कोटा में सोमवार को जेईई की तैयारी कर रही एक 18 वर्षीय छात्रा निहारिका सिंह ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्रा ने सुसाइड नोट अपने माता-पिता से माफी मांगी।

मिजोरम में सेब की सफल पैदावार के बाद सीएसआईआर नए मिशन पर

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

पूर्वोत्तर राज्यों में पहली बार मिजोरम में सेब की खेती के अपने पायलट प्रोजेक्ट की सफलता से उत्साहित होकर देश की शीर्ष शोध एजेंसी, काउंसिल ऑफ साइंटिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च (सीएसआईआर) के वैज्ञानिकों ने इस क्षेत्र में और अधिक क्षेत्र लाने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है। इसके तहत स्थानीय समुदायों की आय को बढ़ावा देने के लिए उच्च राजस्व, कम ठंडक वाली फलों की फसलों को बढ़ाना देना शामिल है। इसका मतलब यह भी है कि स्थानीय लोगों को अन्य राज्यों से फल आयात नहीं करना पड़ता है, जिससे परिवहन के माध्यम से कार्बन फुटप्रिंट कम हो जाता है। सीएसआईआर की लैब इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी (आईएचबीटी), पालमपुर के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, जिन्हें इसका काम सौंपा गया है, डॉ. राकेश कुमार ने कहा, क्षेत्र में सेब की खेती करें। डॉ. राकेश कुमार ने याद करते हुए कहा, '2022 में कम ठंडक देने वाली सेब की किस्म लगाने के हमारे प्रयोग के अच्छे परिणाम मिले हैं।'

जहां इसने उनके जैसे वैज्ञानिकों को इस तरह की और पहल करने के लिए प्रोत्साहित किया है, वहीं स्थानीय लोग भी सेब की खेती के प्रति उत्सुक दिख रहे हैं क्योंकि ये फसलें टिकाऊ

कृषि पर आधारित होने के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन के खतरों का जवाब भी हैं। प्रधान वैज्ञानिक मोहित शर्मा (केमिकल इंजीनियर)जो मिजोरम पहल के लिए टीम का हिस्सा हैं, ने कहा, 'हमने इस उत्तर-पूर्वी राज्य में खेती के लिए कुछ संभावित स्थानों की पहचान की है। इन हस्तक्षेपों/प्रौद्योगिकियों को लागू करने के लिए, सीएसआईआर-आईएचबीटी ने मिजोरम विज्ञान प्रौद्योगिकी और नवाचार परिषद (एमआईएसटीआईसी), आइजोल, मिजोरम और बागवानी कॉलेज, थेनजोल, मिजोरम (सीएयू, मणिपुर) के साथ हाथ मिलाया है।' डॉ. राकेश कुमार ने कहा, इस महीने की शुरुआत में, हमारी टीम ने सुगंधित पौधों और सेब की कम ठंडक वाली किस्मों के विकास की निगरानी के लिए मिजोरम का दौरा किया और मिजोरम और बागवानी कॉलेज में विभिन्न स्थानों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में अन्ना, डोरसेट गोल्डन, सन फूजी और अन्य जैसे कम ठंड वाले सेब के प्रकारों का उत्पादन करने की क्षमता है क्योंकि इन्हें फलने-फूलने के लिए अतिरिक्त और बहुत ठंडे तापमान से गुजरने की ज़रूरत नहीं है।

वैज्ञानिक ने बताया, 'कश्मीर में उगाए जाने वाले सेब की पारंपरिक किस्मों के विपरीत, जिन्हें लगभग एक हजार से पंद्रह सौ घंटे की ठंड की आवश्यकता होती है, लेकिन हमने उत्तर पूर्व में जो सेब पेश किया है, उसे लगभग तीन सौ से पांच सौ घंटे की ठंड की आवश्यकता होती है।' इस बीच, सीएसआईआर-आईएचबीटी, पालमपुर के निदेशक डॉ. सुदेश कुमार यादव ने कहा कि सेब की खेती उन तीन परियोजनाओं में से एक है, जिन्हें डीबीटी द्वारा जैव (शेष पेज 9)

जेवर एयरपोर्ट के लिए रूस से मंगाये रडार

यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने कहा-उपकरण लगते ही उड़ानों के ट्रायल का काम शुरू होगा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के पास बन रहे जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से फ्लाइट उड़ाने के कार्यों को तेजी प्रदान की जा रही है। फ्लाइट के सफल संचालन के लिए रूस से रडार मंगाया जा रहा है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि रूस से रडार भारत के लिए रवाना हो जाएगा।

रडार की स्थापना होते ही जेवर एयरपोर्ट से उड़ानों के ट्रायल का काम शुरू कर दिया जाएगा। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित किए जा रहे जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट है।

सीएम योगी आदित्यनाथ इस प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द शुरू कराने का प्रयस कर रहे हैं। फरवरी माह से जेवर एयरेपार्ट से उड़ान भरने का ट्रायल होगा, जबकि सितंबर 2024 से विधिवत उड़ान भरना शुरू कर देंगी। आपको बता दें कि किसी भी एयरपोर्ट से उड़ानों के सफल संचालन में एयरपोर्ट सर्विलांस रडार की अहम भूमिका होती है। इसके बिना संचालन करना आसान नहीं होता है। जेवर एयरपोर्ट पर इससे संबंधित काम सितंबर 2024 तक पूरा होता नहीं दिख रहा था। रडार के लिए रूस की जिस कंपनी को ऑर्डर दिया गया है, वह दिसंबर 2024 तक आपूर्ति करने की बात कह रही थी। लेकिन पिछले महीने हुई समीक्षा बैठक में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि फरवरी माह में उड़ानों का ट्रायल और सितंबर में प्रस्तावित उड़ान हर हाल में होना चाहिए।

सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा दिए गए आदेश के बाद जेवर एयरपोर्ट के निर्माण में लगे अधिकारियों ने केंद्र सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय संपर्क किया।

मंत्रालय के अधिकारियों से कहा गया है कि किसी भी तरह रडार की व्यवस्था की जाए। इस पर प्रयास तेज कर दिया गया। रूस की एक कंपनी सितंबर से पहले रडार भेजने को तैयार है। यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों के मुताबिक रडार रसिया से चल चुका है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का पहला चरण 1334 हेक्टेयर में बनाया जा रहा है। रनवे, एटीसी और टर्मिनल बिल्डिंग का काम तेजी से चल रहा है। समय पर काम पूरा कराने के लिए श्रमिकों की संख्या बढ़ाई जा रही है। व्यावसायिक संचालन शुरू करने से पहले ट्रायल रन शुरू किया जाना है। एयरपोर्ट बनने से आईजीआई का भार कम होगा।

नोएडा-गाजियाबाद में सड़क हादसों के चलते चार की मौत

बस की चपेट में आने से बाइक सवार ने दम तोड़ा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कासना थाना क्षेत्र में रविवार को बस की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई जबकि सड़क हादसे की अन्य घटना में एक युवक घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। कासना के थाना प्रभारी निरीक्षक विद्युत गोयल ने बताया कि इब्राहिम नामक व्यक्ति ने रविवार रात को थाने में इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई। इब्राहिम ने बताया कि उनका एक रिश्तेदार समीर (24) रविवार शाम करीब पांच बजे अपनी मोटरसाइकिल से जा रहा था तभी भाटी गोल चक्कर के पास एक अज्ञात बस ने उसे टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि हादसे में गंभीर रूप से घायल समीर को उपचार के लिए राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि आरोपी बस चालक फरार है, उसकी तलाश की जा रही है।

वहीं, रबूपुरा थाना क्षेत्र के यमुना एक्सप्रेसवे पर 25 जनवरी को हुए अन्य सड़क हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

रबूपुरा के थाना प्रभारी निरीक्षक राघवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि यशवीर सिंह ने रविवार रात को इस संबंध में थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनका भाई रितेश कुमार सेक्टर 142 स्थित पिज्जा आउटलेट में नौकरी करता था और 25 जनवरी को नौकरी के बाद जब वह बाइक से घर जा रहा था तभी रुस्तमपुर गांव के पास यमुना एक्सप्रेसवे पर एक अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि सिंह के अनुसार इस घटना में उसके भाई को गंभीर चोट आई। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मोटरसाइकिल को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

नोएडा/ गाजियाबाद। थाना रबूपुरा क्षेत्र के यमुना एक्सप्रेसवे पर तड़के हुए एक सडक हादसे में एक युवक की मौत हो गई। थाना जेवर क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक की उपचार के दौरान दिल्ली के एम्स में मौत हो गई। थाना रबूपुरा क्षेत्र के यमुना एक्सप्रेसवे पर बीती रात को संजीव कुमार गुप्ता 26 वर्ष अपने दोस्त सुनील 25 वर्ष के साथ बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। दोनों पूर्वी उत्तर प्रदेश के जनपद कुशीनगर के रहने वाले थे। उनकी मोटरसाइकिल में अज्ञात वाहन चालक ने टक्कर मार दी।

मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इस घटना में संजीव कुमार गुप्ता की मौत हो गई, जबकि सुनील गंभीर रूप से घायल हो गया है। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। वहीं गाजियाबाद में विभिन्न कारणों के चलते अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुए हादसों के दौरान जहां दो लोगों की मौत हो गई वहीं पांच लोग घायल हो गये। इन हादसों की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची संबंधित थानों की पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिये भिजवाकर घायलों को निकट के अस्पतालों में भर्ती करवा दिया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने तीन लोगों को अस्पतालों से छुट्टी दे दी जबकि दो की हालत ठीक ना होने की वजह से उन्हें उपचार हेतू भर्ती कर लिया। जानकारी के अनुसार मेरठ रोड पर हुई सड़क दुघर्टना के दौरान वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में पुरानी मोहनपुरी मेरठ निवासी आशीष शर्मा नामक युवक की मौत हो गई। इसके अलावा एक व्यक्ति भी ट्रेन की चपेट में आकर मौत के मुंह में चला गया।

एक्वा मेट्रो को स्थानीय नाम देने की कवायद हुई तेज

- नोएडा के सीईओ डॉ लोकेश एम का एनएमआरसी को लेकर बनाया प्लॉन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

अभी तक नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन की एक्वा मेट्रो का स्थानीय नामकरण नहीं हो पाया है। इसके लिए पिछले कई माह से आम जनता व संगठनों को नाम का चयन करने का आहवान कर चुका है। लेकिन अभी तक कोई माकूल नाम नहीं मिल पाया है।

बता दें कि मुंबई मेट्रो में आमची मेट्रो तथा चेन्नई में मेट्रो की तर्ज पर नोएडा.ग्रेटर नोएडा के बीच चलने वाली एक्वा मेट्रो को स्थानीय नाम देने के लिए एनएमआरसी काफी दिनों से प्रयासरत है। एनएमआरसी के प्रबंध निदेशक डा लोकश एम का कहना है कि वे एक्वा मेट्रो को एक ऐसा नाम देना चाहते हैं जिसको यहां के लोगों की भावना उस नाम से जुड़ सके। वे इसे करके ही मानेगे। इसके लिए पूरे प्रयास चल रहे हैं। उन्होंने बताया कि एनएमआरसी राजस्व बढ़ाने के लिए कई उपाय कर रहा है। इसके तहत नान फेयर बॉक्स के तहत भी कई योजनाएं शुरू की गयी है। जिसको मेट्रो कोच व स्टेशन पर फिल्मों की शूटिंग व बर्थ.डे पार्टी, क्योस्क योजना, विज्ञापन, होर्डिंग्स आदि कई कदम उठाये गए हैं। अभी भी प्राधिकरण हर वर्ष एनएमआरसी को 110 करोड़ रूपये देता है। इससे एनएमआरसी को मुक्ति दिलाना है।

इस दिशा में राजस्व वृद्धि के कई उपाय किये जा रहे हैं। इसमें लगातार सफलता भी मिल रही है। डॉ. लोकश एम ने बताया कि सेक्टर-51.52 मेट्रो स्टेशनों को जोडने के लिए बन रहा स्काईवॉक का कार्य हर हालत में अप्रैल तक पूरा कर लिया जाएगा।

पुलिस के सामने पार्किंग कर्मचारी से मारपीट

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-18 मार्केट में पार्किंग कर्मियों से मारपीट की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। नो.पार्किंग में खड़ी कार में पार्किंग कर्मियों ने लॉक लगा दिया। यह बात कार से मार्केट आए युवकों को नागवार गुजर गई।

हंगामा शुरू किया तो पुलिस आ गई। लेकिन दबंगों ने पुलिस की परवाह किए बगैर पार्किंग कर्मियों को बेरहमी से सड़क पर गिराकर पीटा। यही नहीं सड़क से जा रहे राहगीरों के साथ भी मारपीट की। करीब 30 मिनट तक यह हंगामा जारी रहा, जिसकी फोटो वायरल हो रही है। मारपीट में दो पार्किंग कर्मी चोटिल हुए, एक के मुंह से खून बहने लगा था। पुलिस को शिकायत में पार्किंग कर्मी जतिन गिरी ने मारपीट की जानकारी दी है।

कार डीएलएफचौकी एरिया में खड़ी हुई थी। नियम के मुताबिक पार्किंग कर्मियों ने कार के पहिए में लॉक लगा दिया। कुछ देर बाद तीन-चार युवक पहुंचे।

आम्रपाली सोसाइटी में बाउंसरों की गुंडागर्दी, युवक को दौड़ाकर पीटा

- मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। बड़ी खबर यह है कि ग्रेटर नोएडा की एक सोसाइट में बाउंसरों की गुंडागर्दी दिखाई और एक युवक को लात घुसों से दौड़ा दौड़ाकर पीटा।

बाउंसर द्वारा युवक की पिटाई किए जाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामला ग्रेटर नोएडा के थाना बिसरख क्षेत्र की आम्रपाली लेजर सोसायटी का बताया जाता हैं दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक बाउंसर एक युवक की लात घुसों से पिटाई करता हुआ नजर आ रहा है। इस दौरान पिटाई का वीडियो बना रहे शख्स को भी बाउसंरों ने धमकाया। इस बारे में बिसरख थाना पुलिस का कहना है कि देर रात एक डिलीवरी ब्वॉय के सोसाइटी में प्रवेश को लेकर आपस में विवाद हुआ था। जिसके संबंध में तीन सिक्योरिटी गार्डों ने युवक के साथ मारपीट की एवं सोसाइटी निवासी के साथ दुर्व्यवहार एवं मारपीट की। तीनों को गिरफ्तार कर थाने लाया गया है।

दिल्ली से नोएडा आने वाले रास्ते को किसानों ने रोका

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में सोमवार को सुबह से किसान इकट्ठा हुए। एनटीपीसी के खिलाफ किसानों ने जोरदार प्रदर्शन किया। इसके बाद सांसद डॉक्टर महेश शर्मा और विधायक पंकज सिंह का घेराव किया। हालांकि इसके दौरान पुलिस से किसानों की नोकझोंक हुई। धक्कामुक्की करके किसानों ने आगे बढ़ने का प्रयास किया, मगर पुलिस की सख्ती के आगे उनकी एक न चली। किसानों ने दिल्ली से नोएडा जाने वाले रास्ते को भी रोक दिया है। इसके बाद वो सेक्टर.14। गेट के सामने धरने पर बैठ गए। इस दौरान सांसद ने उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन वो अपनी मांग पर अड़े हैं। भारतीय किसान परिषद के अध्यक्ष सुखवीर खलीफा ने कहा, जिन मांगों को नोएडा प्राधिकरण बोर्ड में सहमति बन चुकी है। इसमें 10 प्रतिशत विकसित भूमि, आबादी निस्तारण इन पर सांसद भी आश्वासन दे चुके है। इसके बाद भी इन मांगों पर काम क्यों नहीं किया जा रहा।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री की परीक्षा पे चर्चा का लाइव प्रसारण देखते छात्र।

सलाम नमस्ते में परीक्षा पे चर्चा का आयोजन

नोएडा। आईएमएस नोएडा के सामुदायिक रेडियो सलाम नमस्ते में परीक्षा पे चर्चा का आयोजन हुआ। सेक्टर 62 स्थित संस्थान परिसर में स्कूली छात्र को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परीक्षा पे चर्चा का लाइव प्रसारण दिखाया गया। इस दौरान छात्रों ने पोस्टर मेकिंग, स्लोगन राइटिंग, गुड लक कार्ड एवं रेडियो जिंगल के माध्यम से तनाव मुक्त परीक्षा का संदेश दिया। सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड वर्षा छबारिया ने बताया कि आज के कार्यक्रम में शिक्षक एवं छात्रों ने तनाव मुक्त परीक्षा की तैयारी पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि परीक्षा पे चर्चा के दौरान न्यू नोएडा पब्लिक स्कूल एवं सेंट फ्रांसिस स्कूल के शिक्षकों एवं छात्रों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। स्कूली छात्रों ने पोस्टर एवं स्लोगन लेखन के माध्यम बोर्ड परीक्षा में सफलता के लिए फोन से दूरी हेल्दी भोजन है जरूरी का संदेश दिया।

यति नरसिंहानंद के शिष्यों का कलक्ट्रेट के सामने धरना

गाजियाबाद। यति नरसिंहानंद के लिए जेड प्लस सुरक्षा की मांग कर रहे उनके शिष्यों ने जिला मुख्यालय के सामने हापुड़ रोड पर जाम लगा दिया। आमरण अनशन पर बैठे साधुओं ने आरोप लगाया कि धरना स्थल से रात के समय पुलिस ने उनके टैंट उखाड़ दिए जबकि वह शांतिपूर्वक धरने पर बैठे हुए थे। यति रणसिहानंद गिरी ने बताया कि रविवार को वह पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत केन्द्रीय राज्यमंत्री वीके सिंह के आवास पर अनशन करने के लिए जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें जिला मुख्यालय धरना स्थल पर बैठा दिया। आरोप है कि देर शाम पुलिस अधिकारियों ने ठंड और सुरक्षा का हवाला देते हुए सुबह तक के लिए उठवा दिया। जाम की सूचना पर पुलिस ने सन्यासियों को हटाने का प्रयास किया तो उन्होंने आत्मदाह करने की चेतावनी दी। एसीपी ने फिर से टैंट लगवाने का आश्वासन दिया इसके बाद जाम खोला गया। जाम के दौरान पुलिस ने वाहनों को डायवर्ट कर निकाला, लेकिन फिर भी सैंकडों वाहन फंसे रहे।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण शाखा
उत्तराखण्ड पेयजल निगम, भीमताल (नैनीताल)
दूरभाष कार्यालयः- 05942-247895 Email eecd.btl@gmail.com

पत्रांक : 341/535/8 — अल्पकालीन निविदा सूचना — दिनांक : 29.01.2024

अध्यक्ष, उत्तराखण्ड पेयजल निगम की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा जिला योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यों हेतु मोहरबंद निविदा, दिनांक 09.02.2024 अपरान्ह् 3:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी कार्यदिवस में अपरान्ह 03:30 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में इस कार्यालय में निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी। उक्त दिनांकों में अवकाश घोषित होने की स्थिति में निविदा अगले कार्य दिवस को डाली/खोली जायेगी।

क्र0 सं0	विकासखण्ड	योजना का नाम	घरोहर धनराशि (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	भीमताल	भीमताल नगर पंचायत के अन्तर्गत वार्ड संख्या 02 चुरगुण क्षेत्र में सीवर लाईन एवं तत्संबंधी कार्य।	35000.00	1 माह	500+ जी0एस0टी0 18%

नोट :-
1. नियम एवं अन्य शर्तें किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 10.00 बजे से सांय 5.00 बजे तक कार्यालय या नोटिस बोर्ड में देखी जा सकती है।
2. ठेकेदार/ फर्म द्वारा **सीवर लाइन कार्य श्रेणी डी एवं उच्चतर श्रेणी** में पंजीकृत होना अनिवार्य है।

अधिशासी अभियन्ता

"जल संचय -जीवन संचय" "कृपया जल स्त्रोतों को प्रदूषित होने से बचाइये"
"जल स्त्रोत बताइये-पेयजल योजना पाइये" "जल स्त्रोतों को प्रदूषित करना दण्डनीय अपराध है"

PREMISES REQUIRED IN NEW DELHI & NCR

SBI Funds Management Limited (A Joint Venture between SBI & Amundi), the Asset Management Company for SBI Mutual Fund invites offers from owners/PSUs/PSU Banks/Reputed parties for furnished/unfurnished office premises on **Ground Floor or 1st Floor** with parking facility at **Dwarka & Vasant Kunj & Greater Noida, UP (Commercial space)** area admeasuring around **600 to 800 sq. ft. carpet area.**

The premises should be available for possession immediately or within one month from the date of acceptance of the offer. Interested parties are requested to download the details from our website www.sbimf.com available under 'Downloads - Tenders' and submit offers having premises in those areas only. The last date of receipt / submit of offer in the prescribed formats is **February 09, 2024 at 4 P.M.** The Company reserves the right to reject any or all the proposals without assigning any reasons thereof.

SBI FUNDS MANAGEMENT LIMITED

SBI Funds Management Limited
(A Joint Venture between SBI & AMUNDI)
(CIN: U65990MH1992PLC065289)
9th Floor, Crescenzo, C-38 & 39, G Block, Bandra-Kurla Complex, Bandra (E), Mumbai – 400 051.

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank | शाखा कार्यालयः आईसीआईसीआई बैंक लि., तीसरी मंजिल, प्लॉट नं. 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली-110005

निम्नलिखित उधारकर्ताओं ने बैंक से प्राप्त ऋण सुविधा के मूलधन और ब्याज के पुनर्भुगतान में चूक की है और ऋण को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। उन्हें उनके अंतिम ज्ञात पते पर वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित अधिनियम-2002 को लागू करने की धारा 13(2) के तहत एक नोटिस जारी किया गया था। हालांकि, इसकी तामील नहीं की गई और इसलिए उन्हें इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है।

क्र. सं.	उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/ गारंटर का नाम और पता (ऋण खाता सं.)	सुरक्षित आस्तियों/ संपत्ति का पता	नोटिस भेजने की तिथि/नोटिस की तिथि तक बकाया	एनपीए की तिथि
1.	अमित तोमर/मुन्नी तोमर (LBMRT00005833112) और I 253, शास्त्री नगर, उत्तर प्रदेश मेरठ-250004	रिहायशी एल.आई.जी., मकान नं. I-237, ब्लॉक I, स्कीम नं. 3, शास्त्री नगर, मेरठ उत्तर प्रदेश 250001 में स्थित है।	22/12/2023 रु. 29,12,569/-	07/10/2023
2.	अमित तोमर/मुन्नी तोमर (LBMRT00005866052) एवं I 253, शास्त्री नगर, उत्तर प्रदेश मेरठ-250004	रिहायशी एल.आई.जी., मकान नं. I-237, ब्लॉक I, स्कीम नं. 3, शास्त्री नगर, मेरठ उत्तर प्रदेश 250001 में स्थित है।	22/12/2023 रु. 36,452/-	07/10/2023
3.	अमित तोमर/मुन्नी तोमर (LBMRT00005847386) एवं I 253, शास्त्री नगर, उत्तर प्रदेश मेरठ-250004	रिहायशी एल.आई.जी., मकान नं. I-235, ब्लॉक I, स्कीम नं. 3, शास्त्री नगर, मेरठ उत्तर प्रदेश 250001 में स्थित है।	22/12/2023 रु. 22,765/-	07/10/2023
4.	अमित तोमर/मुन्नी तोमर (LBMRT00005833125) एवं I 253, शास्त्री नगर, उत्तर प्रदेश मेरठ-250004	रिहायशी एल.आई.जी., मकान नं. I-235, ब्लॉक I, स्कीम नं. 3, शास्त्री नगर, मेरठ उत्तर प्रदेश 250001 में स्थित है।	22/12/2023 रु. 10,93,050/-	07/10/2023
5.	विस्वा बंधु/मीना शर्मा (LBMRT00003640733) एवं 102 गगन विहार रोहटा रोड उत्तर प्रदेश मेरठ-250001	प्लॉट नं. 352 के हिस्से पर मकान, खसरा नं. 229 और 230, गगन विहार कॉलोनी, ग्राम खबोली, परगना और तहसील मेरठ, उत्तर प्रदेश में स्थित है।	21/12/2023 रु. 27,00,819/-	03/09/2023
6.	अब्दुल रहमान/रुखसाना बेगम (LBJHN00006150574) और मकान नं. 62, एच-ब्लॉक, जामिया नगर दक्षिण दिल्ली ओखला – 110025	मकान नं. 220, अवधी राजगढ़, वार्ड नं. 15, बाके मौजा बिगोली, बीरू नगर, नगर निगम, बड़ी मस्जिद के पास, झांसी, उत्तर प्रदेश, 284001 में स्थित है।	03/01/2024 रु. 1,63,717/-	28/10/2023
7.	अब्दुल रहमान/रुखसाना बेगम (LBJHN00005673350) और मकान नं. 62, एच-ब्लॉक, जामिया नगर दक्षिण दिल्ली ओखला- 110025	मकान नं. 220, अवधी राजगढ़, वार्ड नंबर 15, बाके मौजा बिगोली, बीरू नगर, नगर निगम, बड़ी मस्जिद के पास, झांसी, उत्तर प्रदेश, 284001 में स्थित है।	03/01/2024 रु. 14,88,044/-	28/10/2023
8.	ख्याति सैनी/मनोज कुमार (LBLUC00004321937) और डब्ल्यू जेड 168, तीसरी मंजिल, जी ब्लॉक, गली नं. 15 हरि नगर, नई दिल्ली, दिल्ली- 110058	मकान नं. 3, खसरा नं. 455 का हिस्सा, ग्राम मड़ियांव परगना महोना, तहसील बख्शी का तालाब, जानकीपुरम एक्सटेंशन, जिला लखनऊ, उत्तर प्रदेश 226005 में स्थित है।	05/01/2024 रु. 21,75,094/-	09/09/2023

नोटिस की प्रतिस्थापित सर्विस हेतु कदम उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त उधारकर्ताओं और/या उनके गारंटरों (लागू अनुसार) को इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों की अवधि के भीतर बकाया भुगतान करने की सलाह दी जाती है। अन्यथा वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के अनुसार आगे कदम उठाए जाएंगे।

दिनांक : जनवरी 30, 2024
स्थान: दिल्ली/एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आई सी आई सी आई बैंक लिमिटेड

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank | शाखा कार्यालयः आईसीआईसीआई बैंक लि., तीसरी मंजिल, प्लॉट नं. 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली-110005

निम्नलिखित उधारकर्ताओं ने बैंक से प्राप्त ऋण सुविधा के मूलधन और ब्याज के पुनर्भुगतान में चूक की है और ऋण को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। उन्हें उनके अंतिम ज्ञात पते पर वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित अधिनियम-2002 को लागू करने की धारा 13(2) के तहत एक नोटिस जारी किया गया था। हालांकि, इसकी तामील नहीं की गई और इसलिए उन्हें इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है।

क्र. सं.	उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/ गारंटर का नाम और पता (ऋण खाता सं.)	सुरक्षित आस्तियों/ संपत्ति का पता	नोटिस भेजने की तिथि/नोटिस की तिथि तक बकाया	एनपीए की तिथि
1.	जतिन वर्मा, अशोक कुमार, स्वर्ना देवी, मकान नं. 1225, गली नं. 10, वार्ड नं. 9, गुरु अर्जुन देव नगर, ताजपुर रोड, पेट्रोल पंप के सामने, लुधियाना, पंजाब- 141008, खाता सं. LBLUD00004728915	खसरा नं.734- 735 में शामिल मकान, खाता नं. 39/42-57/60, जमाबंदी वर्ष 1982-1983, गांव तरफ सईदां, तहसील और जिला लुधियाना, पंजाब-141001 में स्थित	02/01/2024 रु. 18,52,083/-	03/10/2023

नोटिस की प्रतिस्थापित सर्विस हेतु कदम उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त उधारकर्ताओं और/या उनके गारंटरों (लागू अनुसार) को इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों की अवधि के भीतर बकाया भुगतान करने की सलाह दी जाती है। अन्यथा वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के अनुसार आगे कदम उठाए जाएंगे।

दिनांक : जनवरी 30, 2024
स्थान: नोएडा

प्राधिकृत अधिकारी
आई सी आई सी आई बैंक लिमिटेड

ई-नीलामी सूचना

विनिर्माण डिफेक्टिड चार पहिया मोटर वाहन पार्ट्स, एचपीडीसी प्रक्रिया के माध्यम से उत्पादित ब्रैकेट ट्रांस ज्वाइंट, मैटेरियल ग्रेड एडीसी -12 (एल्यूमीनियम डाई कास्ट घटक)

[illegible]

ई-नीलामी 07-02-24 को आयोजित की जाएगी!

[illegible] 9702985122 [illegible]

नीलामीकर्ता: सील ट डील, [illegible] 148, [illegible] दिल्ली-110085

फॉर्म और ईएमडी डिमांड ड्राफ्ट जमा करने की अंतिम तिथि 06-02-24 है।

SAVE सेव फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय- एस. ओ. द्वितीय तल, सेव टावर, ऑप. खुशी रेस्टूरेंट आशा सिंह मोड़ के पास, ए.पी. कॉलोनी, गया, बिहार 823001

सार्वजनिक सूचना

दिनांक 30 जनवरी, 2024

आप उधारकर्ता नाम रामानंद निवासी 35 फुट रोड टावर वाली गली, धौरी कलां 113 भारत कॉलोनी सैक्टर फरीदाबाद हरियाणा – 121002 ने रु. 6,00,000 की राशि हेतु ऋण सं. LOANAFAR000133 के साथ सुरक्षित वित्त सुविधा (संपत्ति ऋण) का लाभ उठाया था और संपत्ति [illegible]

[illegible]

[illegible] पुष्टि नं. 782, 7वीं मंजिल, [illegible] दिल्ली 110075

PUBLIC NOTICE

My Client Smt. Bimlesh Devi W/o Sh. Bhopal Singh is the owner of Property measuring 55 Sq. Yds., out of Khasra no.403, situated in the extended Lal Dora/abadi of Village Burari Delhi Vide Registered Sale Deed Doc.no. 5232, Dated 08.08.2005 SR-I New Delhi, executed by Sh. Mahesh Chand Tyag. S/o Sh. Yogeshwar Dayal Tyagi. This Above-mentioned property is going to be mortgaged with **Fed Bank Financial Services Limited.** If any person/bank/ financial Institution having any claim/right, lien, Any objection whatsoever in regard to above property, should notified to the undersigned/Adv. Vishal Mehan. E-713, Karkardooma Court. Delh.-110092 along with documentary evidence under address through registered a/d within 07 days from the date of publication of this notice failing which any claim, lien or objection shall be deemed to have been waived.

Adv. Vishal Mehan, E-713, Karkardooma Court, Delhi-110092; Mobile no. 9811215181

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client that Mr. Gaurav Bansal is owner of Flat bearing No A-504 on 5th Floor, admeasuring 103.95 Sq. Yds, built on Plot No.4, Situated at Kesarwani Co-Operative Group Housing Society Limited, Dwarka. Sector-5, Delhi, "the said property". by virtue of Relinquishment Deed dated 01.07.2021. having Registration No.5383, executed by Mrs.Sneh Lala Bansal & Mrs. Bhawna Singhal. All persons are hereby informed that above mentioned owner want to take a loan from our client against the said property, if anybody has any objection/s upon the title of Mr Gaurav Bansal of the said property, its sale and mortgage, and ownership / any Litigation kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 10 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 legal@knalegal.com

Public Notice

This is to inform the general public that **Mr. Ajay Arora** is the sole owner of Plot bearing no. 925, area 538.65 sq. yds., situated at Bahadurgarh, MIG Phase 1, under Municipal Corporation Bahadurgarh, Tehsil Bahadurgarh, Distt. Jhajjar. This ownership was legally acquired through a sale deed dated 09.09.2013 vide doc. No. 4733, executed by Mrs. Mona Arora as GPA of Mr. Sunil Kumar Bhatia prop. of M/s Sudarshan Industries in favour of Mr. Ajay Arora.

Mr. Ajay Arora is now the process of mortgaging the aforementioned plot with **HDFC Bank Ltd.** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-days period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.

If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-day period by contacting **Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline(s):+910120-3101683 / 4562809; e-mail: accounts@lvnorth.in**

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि संस्था का नाम सिल्वर टावर व्यापारी वेलफेयर एसोसिएशन तथा आवेदन संख्या 10098514 रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है। संस्था कार्यालय एफ04/08ए. डी-6 ब्लॉक, सिल्वर टावर नोएडा सेक्टर-18ए गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश-201301 में स्थित है।

यदि किसी को रजिस्ट्रीकरण में कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति इसके कारणों सहित दूरभाष नं0 9871431255 पर बता सकते हैं।

सोलर पैनल लगवाने पर बिजली होगी मुफ्त : केजरीवाल

मुख्यमंत्री ने राजधानी में लागू की सौर ऊर्जा नीति 2024, छतों पर पैनल लगाने वालों को मिलेगी प्रोत्साहन राशि

- नीति से कमर्शियल और औद्योगिक उपभोक्ताओं के बिजली बिल हो जाएंगे आधे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि दिल्ली सरकार ने नई सोलर पॉलिसी 2024 लागू कर दी है। इससे सोलर पैनल लगवाने वाले घरेलू उपभोक्ताओं का बिजली बिल जीरो (शून्य)हो जाएगा।

इसके साथ ही इससे पैसे कमाने का मौका भी मिलेगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को एक प्रेसवार्ता में कहा कि दिल्ली सौर नीति 2024 के तहत अपने घर की छत पर सौर पैनल लगाने वाले लोगों को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन राशि मिलेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे ग्राहकों को सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए भुगतान किया जाएगा।

प्रेस वार्ता में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व मंत्री आतिशी। फोटो: रंजन डिमरी

इसमें कई जनहितकारी प्रावधान हैं इसके साथ ही कमर्शियल और औद्योगिक उपभोक्ताओं के बिजली बिल आधे हो जाएंगे।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रेस वार्ता में कहा कि राजधानी दिल्ली में जिनके भी घरों में सोलर पैनल लगे हुए हैं, उनके बिजली के बिल जीरो आएंगे। ऐसे में चाहे वह कितनी भी बिजली खर्च करें। इसके साथ ही सोलर पैनल लगवाने वाले लोगों को इससे पैसे कमाने का मौका भी मिलेगा।

सीएम केजरीवाल ने आगे कहा कि 2015 में दिल्ली में हमारी सरकार बनने के अगले साल यानी 2016 में हमने एक सोलर पॉलिसी जारी की थी। जिसका नाम सोलर पॉलिसी 2016 रखा गया था। इसके बाद से अब तक यह पॉलिसी देश की सबसे प्रोग्रेसिव सोलर पॉलिसी मानी गई है। उन्होंने कहा कि एक तरह से दिल्ली में इसने सोलर पावर की बुनियाद रखी। दिल्ली सरकार की 2016 की नीति के तहत शहर में छतों पर 250 मेगावाट के सौर संयंत्रों तथा करीब 1250 मेगावाट के बड़े सौर संयंत्रों की स्थापना हुई।

इस तरह शहर में 1500 मेगावाट क्षमता वाले सौर संयंत्र स्थापित हुए। इससे दिल्ली की वार्षिक बिजली मांग के 7.2 प्रतिशत हिस्से की पूर्ति हो जाती है।

योजना के खास पहलू

केजरीवाल ने नई सोलर पॉलिसी 2024 की घोषणा करते हुए कहा कि हम 200 यूनिट बिजली मुफ्त देते हैं और 201 से 400 यूनिट तक बिजली खर्च होने पर बिल आधा आता है। इसके अलावा 400 से अधिक यूनिट बिजली खर्च होने पर पूरा बिल आता है। ऐसे में इस नई सोलर पॉलिसी के तहत जो भी अपने घर पर पैनल लगवाएंगे उनका बिल जीरो हो जाएगा। इसके अलावा पैनल लगवाने वाले को हर महीने 700 से 900 रुपये कमाने का भी मौका मिलेगा।

500 वर्ग मीटर के सरकारी इमारतों पर पैनल लगाना अनिवार्य

केजरीवाल ने कहा कि इस नीति के तहत 500 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाली सरकारी इमारतों को अपनी छतों पर अगले तीन वर्षों में अनिवार्य रूप से सौर पैनल लगाना होगा। दिल्ली की बिजली मंत्री आतिशी ने कहा कि दो दिन पहले दिल्ली सौर नीति को मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी तथा 10 दिन के भीतर इसे अधिसूचित किए जाने की संभावना है।

अंगीठी के धुएं से दम घुटने से महिला और बेटे की मौत

- पति और दो अन्य बच्चे अस्तपाल में भर्ती

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में एक महिला और उसके दो साल के बेटे की कमरे में जल रही कोयले की अंगीठी के धुएं के कारण दम घुटने से मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। महिला के पति और दो अन्य बच्चों का इलाज सफदरजंग अस्पताल में हो रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि रविवार सुबह छह बजकर 16 मिनट पर पुलिस को उनकी हालत के बारे में सूचित किया गया और उन्हें दक्षिण दिल्ली के मैदान गढ़ी इलाके से अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि इलाज के दौरान अंजलि (23) और उसके बेटे शंभू की मौत हो गई। दिनेश, दिव्यांश (छह) और देवांशी (चार) अस्पताल में भर्ती हैं।

पुलिस ने कहा कि संदेह है कि शनिवार-रविवार की रात अंगीठी का धुंआ कमरे में भर गया जो बिल्कुल हवादार नहीं था।

सर्दियों में ठंड से बचने के लिए लोग आमतौर पर खुद को गर्म रखने के लिए अंगीठी जलाते हैं। एक अधिकारी ने कहा कि किसी भी तरह की गड़बड़ी का संदेह नहीं है और दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 174 के तहत जांच की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस ने कहा कि परिवार असोला में पिछले दो साल से किराए के मकान में रहता था। उन्होंने कहा कि दिनेश मैदान गढ़ी इलाके में एक फार्महाउस में माली के रूप में काम करता है।

एमसीडी सदन में स्थायी समिति गठन को लेकर विपक्ष का हंगामा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) सदन में विपक्ष द्वारा स्थाई समिति के गठन की मांग किए जाने पर सोमवार को कार्यवाही के दौरान हंगामा हुआ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई पार्षद अपनी सीट पर बैनर लेकर खड़े हो गए, जिन पर लिखा था- स्थाई समिति का गठन करो और उन्होंने नारेबाजी भी की।

एमसीडी सदन की सोमवार को कार्यवाही शुरू होने के 10 मिनट के भीतर ही हंगामा शुरू हो गया। भाजपा ने आरोप लगाया था कि आम आदमी पार्टी (आप) जानती है कि वह एमसीडी की स्थाई समिति के चुनाव में बहुमत हासिल करने की स्थिति में नहीं है क्योंकि उसके कई पार्षद पार्टी को वोट नहीं देंगे। इससे पहले, दिल्ली की महापौर शैली ओबेरॉय ने समिति गठित होने तक स्थाई समिति के कार्यों का संचालन एमसीडी द्वारा किए जाने की अनुमति लेने के लिए उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। एमसीडी के एक विशेष सत्र के दौरान ओबेरॉय ने स्थाई समिति की शक्तियों को सदन को सौंपने का प्रस्ताव रखा था, जबकि भाजपा सदस्यों ने इस कदम का विरोध करते हुए हंगामा किया था। भाजपा ने आरोप लगाया था कि यह कदम अवैध और असंवैधानिक है। याचिका में उपराज्यपाल कार्यालय को प्रतिवादी बनाया गया है और इसमें नगर निकाय के सुचारु कामकाज के लिए निर्देश देने की मांग की है। राजा इकबाल ने बताया कि आम आदमी पार्टी की मेयर ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल करके स्टैंडिग कमेटी की पावर हाउस को देने का एक नया ढों ग रचा है। मेयर स्टैंडिग कमेटी चुनाव करवाना ही नहीं चाहती हैं। इन लो गों को यह डर है इनके पार्षद क्रॉस वोट कर सकते हैं। इस कारण इन लोगों को अध्यक्ष के पद से हाथ धोना पड़ सकताहै और इसी डर के कारण मेयर चुनाव करवा नहीं चाहती है।

- भाजपा पार्षद ने सीटों पर खड़े होकर की नारेबाजी

ज्ञात हो कि दिल्ली की मेयर शैली ओबेरॉय ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। शैली ओबेरॉय ने सर्वोच्च न्यायालय का रुख कर पैनल के गठन तक स्थायी समिति के कार्यों को एमसीडी को सुपुर्द करने का निर्देश देने की मांग की है। वहीं विपक्षी भाजपा सदस्यों ने इस कदम का विरोध किया है।

मालखाने में आग लगने से 450 वाहन जलकर खाक

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के वजीराबाद स्थित मालखाना (यार्ड) में सोमवार तड़के आग लगने से कम से कम 450 वाहन जलकर खाक हो गए। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मालखाना वह स्थान है जहां जब्त किए गए वाहन रखे जाते हैं।

अधिकारी ने बताया कि आग तड़के चार बजे लगी। पांच दमकल गाड़ियों को आग बुझाने के काम में लगाया गया है। ऑपरेशन दो घंटे तक चला और सुबह छह बजे तक आग पर काबू पा लिया गया।एक अन्य अधिकारी ने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन मालखाने में खड़े 200 चार पहिया वाहन और 250 दोपहिया वाहन पूरी तरह से जलकर खाक हो गए।

कैंसर से पीड़ित बेटे की देखभाल करती थी टीना

कालकाजी मंदिर हादसा

- मृतका के पति ने बताया, बेटे की सलामती के लिए हर दिन भोर में मंदिर जाती थी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिण दिल्ली के प्रसिद्ध कालकाजी मंदिर में एक मंच गिरने से जान गंवाने वाली टीना के पति वेद प्रकाश ने कहा कि उनकी पत्नी रक्त कैंसर से पीड़ित उनके 21 वर्षीय बेटे की एकमात्र देखभाल करने वाली थीं। वेद अब यह सोचकर बेहद परेशान हैं कि टीना के बिना वह बेटे की अकेले कैसे अच्छी तरह देखभाल कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि टीना (49) अपने बीमार बेटे के बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करने के लिए रोजाना सुबह चार बजे मंदिर जाती थीं।

फाइल फोटो

कालकाजी मंदिर में जागरण के लिए बनाए गए मंच के ढह जाने से तुगलकाबाद एक्सटेंशन निवासी टीना की मौत हो गई और 17 लोग घायल हुए हैं। वेद ने बताया कि शनिवार की रात उनकी पत्नी जागरण में भाग लेने के लिए मंदिर गई थी और रात करीब 12:30 बजे कार्यक्रम स्थल पर एक मंच गिर गया, जिससे टीना की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, घटना के वक्त टीना मंच के करीब थीं।

वेद ने कहा, जब मैं अपने काम में व्यस्त रहता था, तो पत्नी टीना हमारे बेटे की देखभाल करती थीं, जो ब्लड कैंसर से पीड़ति है। दंपति के तीन बेटे - वरुण (21), विकास (24) और बलराज (29) हैं।

वेद प्रकाश ने बताया, वरुण ब्लड कैंसर से पीड़ित है और मेरी पत्नी ही उसकी देखभाल कर रही थी। बेटे की दवाएं, भोजन... सब कुछ टीना ही संभालती थी। घटना को याद करते हुए उन्होंने कहा, रात करीब 12 बजे थे जब मैं घर लौटा और पता चला कि टीना हमारे इलाके की कुछ महिलाओं के साथ जागरण में शामिल होने के लिए कालकाजी मंदिर गई थीं। वेद ने कहा, बलराज ने अपनी मां को लगभग आधी रात को फोन किया और टीना ने उन्हें बताया कि वह 12:30 बजे तक वापस आ जाएंगी, लेकिन बाद में हमें पुलिस से फोन आया और हमें उनकी मौत के बारे में बताया गया।

आप विधायकों को तोड़ने के आरोप पर केस करेगी भाजपा

वीरेंद्र सचदेवा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सचदेवा ने कहा- मंगलवार को पुलिस आयुक्त से मिलकर करेंगे जांच की मांग

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों को तोड़ने का प्रयास करने का आरोप लगाने के लिए विपक्षी दल दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराएगा। भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने सोमवार को यह जानकारी दी। सचदेवा ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष रामवीर बिधूड़ी के नेतृत्व में भाजपा विधायकों का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को दिल्ली पुलिस आयुक्त से मुलाकात करके आरोपों की निष्पक्ष जांच करने का अनुरोध करेगा। सचदेवा ने कहा, आप और केजरीवाल को भाजपा द्वारा उनके विधायकों को तोड़ने के प्रयासों के बारे में एक हलफनामा देकर हमारी मदद करनी चाहिए। केजरीवाल और आप के कई नेताओं ने पिछले हफ्ते दावा किया था कि भाजपा पैसे और चुनाव टिकट की पेशकश करके पार्टी के विधायकों को तोड़ने की कोशिश कर रही है। केजरीवाल ने आरोप लगाया था कि आप के सात विधायकों से संपर्क करके प्रत्येक को दलबदल करने के लिए 25 करोड़ रुपए की पेशकश की गई।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकन यूनिवर्सिटी यूएसए एयूजीपी ने ग्राफिस एड्स लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश गुप्ता को मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया। एडवरटाइजिंग और इवेंट्स में उनके अनुभव और इस क्षेत्र में बड़ी उपलब्धियों को ध्यान में रखकर यह सम्मान इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में दिया गया। इस अवसर पर सांसद रमेश बिधूरी भी उपस्थित थे। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की एंटरटेनमेंट कमिटी के भी वो चेयरमैन हैं।

एलएनजेपी तकनीशियनों ने वेतन को लेकर दिया धरना

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार द्वारा संचालित लोक नायक जयप्रकाश नारायण (एलएनजेपी) अस्पताल में ऑपरेशन थिएटर के तकनीशियन के रूप में कार्यरत संविदा कर्मचारियों का एक समूह सोमवार को कथित तौर पर बकाया वेतन को लेकर हड़ताल पर चला गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा सुविधा वाला यह अस्पताल दिल्ली सरकार के अधीन आता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वे लंबित वेतन के मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। अधिकारी ने जानकारी दी कि विरोध प्रदर्शन के कारण मरीजों की सर्जरी नहीं रोकी गई है।

एसयूवी ने खड़े टेम्पो को मारी टक्कर, दो घायल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के अलीपुर इलाके के निकट घने कोहरे की वजह से एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) ने सड़क किनारे खड़े दो टेम्पो को टक्कर मार दी, जिससे दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस उपायुक्त (बाहरी उत्तर) रवि कुमार सिंह ने बताया, अलीपुर थाने को पुलिस पीसीआर से जानकारी प्राप्त हुई कि घने कोहरे के कारण करनाल राजमार्ग पर एक वाहन ने दो अलग-अलग वाहनों को टक्कर मार दी, जिसके बाद एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटना में तीन वाहनों को क्षतिग्रस्त पाया। अधिकारी ने बताया कि एक टेम्पो टायर की समस्या के कारण खराब होने के बाद सड़क किनारे खड़ा था। उन्होंने बताया कि टेम्पो के चालक ने अपने एक दोस्त से मदद मांगी, जिसने अपना टेम्पो लाकर पहले वाले वाहन के ठीक पीछे खड़ा कर दिया। अधिकारी ने बताया कि कुछ देर बाद दिल्ली आ रही एक स्कॉर्पियो ने इलाके में घने कोहरे के कारण सड़क किनारे खड़े टेम्पो को टक्कर मार दी।

यौन उत्पीड़न में बरी करने के खिलाफ अपील खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दो बच्चियों के यौन उत्पीड़न के आरोपों से स्कूल वैन के चालक को बरी किए जाने के खिलाफ दायर सरकार की याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ ने तीन और चार वर्ष की पीड़ितों की गवाही पर गौर किया। अदालत ने कहा कि गवाही से किसी भी प्रकार के गंभीर यौन उत्पीड़न का संकेत नहीं मिला है। पीठ ने कहा, दोनों पीड़ितों की गवाही को ध्यान में रखते हुए, हमारा मानना है कि सरकार ऐसा कोई मामला नहीं बना पाई, जो हमें अपील की अनुमति देने के लिए बाध्य करे। अदालत ने राज्य को अपील करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया और याचिका खारिज कर दी।

सेवा बहाली को लेकर किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। बड़ी संख्या में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों ने पिछले साल राजधानी सरकार द्वारा उनकी सेवाएं समाप्त करने को लेकर सोमवार को दिल्ली में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी सेवाओं की बहाली की मांग को लेकर राजघाट बिजलीघर पर धरना दिया। दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने पिछले साल अक्टूबर में एक नवंबर, 2023 से सभी नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों की सेवाएं समाप्त करने के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी।नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक परमजीत ने कहा, हम अपनी बर्खास्तगी के खिलाफ विरोध करने के लिए एकत्र हुए हैं। पिछले साल से हम विरोध कर रहे हैं लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। हम चाहते हैं कि हमें बहाल किया जाए।

एयरोसिटी-तुगलकाबाद कॉरिडोर का कलर कोड हुआ गोल्डन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- बेहतर दृश्यता और सुविधा के लिए चौथे चरण में लिया निर्णय

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने दिल्ली एयरोसिटी-तुगलकाबाद कॉरिडोर के चौथे चरण के बन रहे मेट्रो लाइन के लिए कलर कोड 'सिल्वर' से बदलकर 'गोल्डन' करने का फैसला किया है। अधिकारियों ने बताया कि यह बदलाव यात्रियों की दृश्यता और सुविधा के लिए किया गया है।

दिल्ली मेट्रो ने यात्रियों की आसान पहचान के लिए अपने सभी परिचालन गलियारों को रंग-कोडित किया है। अधिकारी ने कहा, डीएमआरसी ने यात्रियों की बेहतर दृश्यता और सुविधा के लिए आगामी दिल्ली एयरोसिटी-तुगलकाबाद मेट्रो कॉरिडोर का रंग कोड सिल्वर से बदलकर गोल्डन करने का फैसला किया है। यह निर्णय ट्रेनों में चांदी के रंग के बजाय सुनहरे रंग को अधिक प्रमुखता और स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होने के लिए किया गया। मेट्रो ट्रेनों के स्टेनलेस स्टील बॉडी में सिल्वर कलर मिश्रित हो जाता है। इसलिए, इसे गोल्डन करने का फैसला लिया।

प्रधानमंत्री के सुझाव सभी के लिए उपयोगी : एलजी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा परीक्षा पे चर्चा-2024 के दौरान दिए गए सुझाव न केवल छात्रों बल्कि शिक्षकों, अभिभावकों और हर आम आदमी के लिए उपयोगी हैं।

सक्सेना ने छात्रों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों के साथ सरोजिनी नगर के नवयुग स्कूल में परीक्षा पे चर्चा-2024 का सीधा प्रसारण देखा। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि उसने इस कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को कहा कि दबाव से निपटने में मदद करने के लिए बच्चों में लचीलापन पैदा करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने जोर देते हुए कहा अभिभावकों और शिक्षकों को सामूहिक रूप से छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करना चाहिए। मोदी ने अपने वार्षिक परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के दौरान छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के साथ बातचीत करते हुए माता-पिता को अपने बच्चे के रिपोर्ट कार्ड को अपना विजिटिंग कार्ड न मानने की सलाह दी और सुझाव दिया कि छात्रों को दूसरों से नहीं बल्कि खुद से प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए।

- परीक्षा पे चर्चा : सरोजनी नगर के नवयुग विद्यालय में उपराज्यपाल ने छात्रों के साथ देखा सीधा प्रसारण

उपराज्यपाल ने कहा, पढ़ाई केवल स्कूल-कॉलेजों के गलियारों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि जीवन का हर पल हमें कुछ सिखाता है। उपराज्यपाल ने कहा, प्रधानमंत्री ने परीक्षा और शिक्षा के मुद्दे पर छात्रों के साथ बातचीत की, हम उसके लिए आभारी हैं। वह पहले प्रधानमंत्री हैं जो छात्रों के साथ बातचीत करते हैं।

सक्सेना ने कहा, उन्होंने प्रत्येक छात्र और उनके माता-पिता को तनाव दूर करने के लिए सुझाव दिए और छात्रों को परीक्षा के दौरान संगीत, खेल और अपने शौक पूरे करने की भी सलाह दी। उपराज्यपाल ने कहा कि ये सुझाव न केवल छात्रों बल्कि शिक्षकों, अभिभावकों और हर आम आदमी के लिए उपयोगी हैं। इस अवसर पर, पालिका परिषद अध्यक्ष अमित यादव, उपाध्यक्ष - सतीश उपाध्याय, परिषद सदस्य कुलजीत सिंह चहल, पालिका परिषद सचिव कृष्ण मोहन उप्पू और एनडीएमसी के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। परीक्षा पे चर्चा के लाइव प्रसारण के बाद, एलजी सक्सेना ने नवयुग स्कूल, सरोजिनी नगर, नई दिल्ली में पालिका टिंकरिंग लैब का भी दौरा किया।

बीटिंग रिट्रीट : अग्रणी भारत से टाइगर हिल तक की धुनों ने मन मोहा

- भव्य कार्यक्रम के साथ गणतंत्र दिवस समारोह का विजय चौक पर हुआ समापन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को बीटिंग रिट्रीट समारोह के दौरान रायसीना हिल्स पर सामूहिक बैंड के शंखनाद से लेकर नौसेना के मधुर मिशन चंद्रयान की धुनें गूंजती रहीं। विजय चौक पर आयोजित यह भव्य कार्यक्रम गणतंत्र दिवस समारोह के समापन का प्रतीक है।

इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति और सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अन्य केंद्रीय मंत्री शामिल हुए। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान, तीनों

रायसीना हिल्स पर मधुर धुनों के साथ सीआईपीएफ का महिला बैंड।

सेनाओं के प्रमुख जनरल मनोज पांडे, एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी और एडमिरल आर. हरि कुमार - भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और वरिष्ठ अधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस शानदार समारोह को देखने आम जनता भी पहुंची। समारोह शाम करीब सवा पांच बजे शुरू हुआ। राष्ट्रपति मुर्मू पारंपरिक बग्गी में सवार होकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचीं। इससे समारोह का पुराने दौर का आकर्षण लौट आया, जिसकी शुरुआत 1950 के दशक में हुई थी।

इस शानदार समारोह की शुरुआत सामूहिक बैंड के शंखनाद से हुई, जिसने दर्शकों का मन मोह लिया। रायसीना हिल्स सैन्य और अर्धसैनिक बैंड द्वारा बजाई गई मनमोहक और थिरकाने वाली भारतीय धुनों की ध्वनि से गूंज उठा। इसके बाद पाइप एंड ड्रम बैंड द्वारा वीर भारत , केसरिया बाना और देशों का सरताज भारत जैसे धुनें बजाई गईं। उन्होंने चक्रव्यूह और वसुधैव कुटुम्बकम से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सीएपीएफ बैंड ने अन्य धुनों के बीच भारत के जवान और विजय भारत भी बजाया। युवा और बुजुर्गों समेत तमाम दर्शकों ने बैंड के प्रस्तुति पर खुशी मनाई और समारोह के अंत में कई लोगों ने भारत माता की जय के नारे भी लगाए।

इसके बाद भारतीय वायु सेना के बैंड ने स्वदेशी, रेजॉइस इन रायसीना और टाइगर हिल जैसी धुनों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कुछ सदस्यों ने रोशनी से सजे वाद्य उपकरण ले रखे थे जो कभी-कभी तिरंगे की थीम में चमकते थे। रघुपति राघव राजा राम की धुन ने दर्शकों को प्रभावित किया।

दिल्ली पुलिस की महिला टुकड़ी को सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग पुरस्कार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने गणतंत्र दिवस परेड, 2024 में सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग टुकड़ी का पुरस्कार जीता है। रक्षा मंत्रालय के एक आधिकारिक दस्तावेज में सोमवार को बताया कि दिल्ली पुलिस ने जूरी की पसंद श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ महिला टुकड़ी की ट्रॉफी जीती, जबकि सीआरपीएफ ने लोकप्रिय पसंद श्रेणी में ट्रॉफी जीती। दिल्ली पुलिस के जनसंपर्क अधिकारी और पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सुमन नलवा ने खुशी जताते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अत्यंत गौरव का क्षण...दिल्ली पुलिस की मार्चिंग टुकड़ी को गणतंत्र दिवस परेड में जूरी की पसंद की श्रेणी में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल और अन्य सहायक बलों के बीच उत्कृष्ट मार्चिंग टुकड़ी घोषित किया गया है।

गुरुग्राम में निकाली गई भगवान श्रीराम की समर्पित भव्य और दिव्य शोभायात्रा

पंजाबी बिरादरी महासंगठन की ओर से निकाली गई यह शोभायात्रा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पंजाबी बिरादरी महासंगठन की ओर से भगवान श्रीराम जी की समर्पित शोभा यात्रा निकाली गई। इस शोभा यात्रा से पूरा गुरुग्राम अयोध्या नजर आया। शहर भगवामय हो गया। जिस-जिस राह से यात्रा गुजरी, पुष्प वर्षा से यात्रा का लोगों ने स्वागत किया। अनेक झांकियां इस यात्रा में शामिल की गई। इस यात्रा में 36 बिरादरी का सहयोग और समर्थन रहा। शोभा यात्रा में संत समाज, नारी शक्ति, युवाओं को किशोर वर्ग की काफी भागीदारी रही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सांसद डॉ. सुधा यादव ने की। विधायक सुधीर सिंगला, विधायक संजय सिंह बीजेपी जिला अध्यक्ष कमल यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही। कैनविन फाउंडेशन के संस्थापक डा. डीपी गोयल विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पंजाबी बिरादरी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी की अगुवाह में यह भव्य, दिव्य और विलक्षण शोभा यात्रा निकाली गई। इस शोभा यात्रा का शुभारंभ ढोल, नगाड़ों और गाजे-बाजे के साथ हुआ। पूरे अनुशासन के साथ यह शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा में सड़कों पर बनी रंगोली और भगवा रंग की वेशभूषा में साधु-संतों की टोली ने इसकी सुंदरता को भव्य रूप प्रदान किया। जैसे-जैसे यात्रा आगे बढ़ती गई, लोगों का हुजूम बढ़ता गया। शायद ही पहले ऐसा नजारा शहर में नजर आया हो। बोध राज सीकरी ने इसका पूरा श्रेय प्रभु राम को दिया। जनता जनार्दन का आभार जताया।

गुरुग्राम में भगवान राम जी की शोभायात्रा से पूर्व सभा को संबोधित करते बोधराज सीकरी।

बोधराज सीकरी ने कंठस्थ सुनाई चौपाइयां: 3 अपने संबोधन में बोधराज सीकरी ने कंठस्थ कई चौपाइयां सुनाई। स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने बोधराज सीकरी के इस प्रयास की प्रशंसा की। उन्हें पगड़ी पहनाकर व अंग वस्त्र पहनाकर आशीर्वाद दिया। स्वामी उमानंद महाराज ने बोधराज सीकरी को दशरथ कहकर संबोधित किया। शोभायात्रा में आनंदमूर्ति गुरु मां, महामंडलेश्वर स्वामी दिव्यानंद जी महाराज और महामंडलेश्वर स्वामी धर्म देव जी महाराज का ऑनलाइन आशीर्वचन रहा। ओमप्रकाश कथूरिया वरिष्ठ उपप्रधान, राम लाल ग्रोवर महामंत्री, अश्विनी वर्मा कोषाध्यक्ष ने अपना मार्गदर्शन दिया। कोर टीम में प्रमोद सलूजा उप प्रधान, धर्मेन्द्र बजाज सह संयोजक, रवि मनोचा सह संयोजक, मनीष खुल्लर मंच संचालन का विशेष सहयोग रहा। शोभा यात्रा के समन्वय कर्ता डॉक्टर परमेश्वर अरोड़ा और रमेश कालरा थे। गढ़ी हरसरू मां वैष्णो मंदिर की संयोजिका पूनम माताजी और गोपी नाथ मंदिर अर्जुन नगर से गोसाईं जी महाराज रथ पर शोभायमान थे। समापन समारोह में गुरुग्राम जिला के उपायुक्त निशांत यादव ने ऑनलाइन उपस्थित होकर संबोधन दिया।

विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं झांकियां 3 शोभायात्रा में बंटी पाहुजा और किशोरी लाल डूडेजा की राम लीला की मंडली, श्री सनातन धर्म सभा भीम नगर से दो झांकी, कमल सलूजा की दुर्गा राम लीला की मंडली की दो झांकी, ऋषि मुनियों की झांकी, गंगाधर खत्री की अर्जुन नगर की आदर्श राम लीला क्लब की झांकी विशेष रूप से आकर्षण का केंद्र रही। 100 साधु समाज वृंदावन से, 50 विप्र वर शंख नाद के साथ, 500 से अधिक महिलायें, 1500 से अधिक स्कूली बच्चे, बैंस तरह की झांकी, 10 तरह की संगीत की मंडली और ड्रोन से पुष्प वर्षा विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

सरपंच सुंदर लाल यादव ने राठीवास स्कूल में परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में की शिरकत

बच्चों, अभिभावकों, शिक्षकों के लिए इस कार्यक्रम को महत्वपूर्ण बताया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सोमवार को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर के बच्चों के साथ परीक्षा पर चर्चा का कार्यक्रम किया। इस कार्यक्रम में भाजपा गुरुग्राम पंचायती राज प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सरपंच सुंदर लाल यादव गांव राठीवास के लक्ष्मी सीनियर सेकेंड्री स्कूल में बच्चों के साथ शामिल हुए। इस अवसर पर स्कूल के संचालक लक्ष्मी नारायण, मानेसर मण्डल के युवा मोर्चा के अध्यक्ष परवीन यादव, नये गुरुग्राम के प्रमुख समाजसेवी संजय यादव, धर्मबीर यादव सहित स्कूल के सभी अध्यापक और बच्चे उपस्थित रहे।

सरपंच सुंदर लाल यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकप्रिय कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा पर विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान तनाव मुक्त रहने के टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा जीवन का एक सहज हिस्सा है, जीवन का एक पड़ाव है। भारत मंडपम से इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा कि विद्यार्थी सर्वप्रथम परीक्षा के दबाव को झेलने के लिए सामर्थ्यवान बनाएं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने माता-पिता व अभिभावकों से बच्चों की तुलना अन्य बच्चों से न करने की अपील की। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों के साथ लगातार संपर्क व संवाद जारी रखने का आह्वान भी किया। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि कैसे परीक्षा के दौरान त्योहार का वातावरण इसके तनाव से बचें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम को विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके माता-पिता व अभिभावकों के लिए बहुत उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए टिप्स विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान तनावमुक्त रखने व निराशा को दूर करने में अवश्य ही मददगार साबित होंगे।

गुरुग्राम के गांव राठीवास के लक्ष्मी सीनियर सेकेंड्री स्कूल में परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में बच्चों को संबोधित करते सरपंच सुंदर लाल यादव।

प्रधानमंत्री द्वारा परीक्षा के दौरान तनाव, ऑनलाइन शिक्षा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति आदि विषयों पर दिए गए टिप्स विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार करेंगे। सरपंच सुंदर लाल यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश, दुनिया में कितने भी महत्वपूर्ण कार्यों पर हों, वे हर वर्ग के लिए समय निकालकर कार्यक्रम प्रस्तुत करते हैं। उनकी कार्यप्रणाली हम सबकी सोच से बहुत आगे है। देश के बच्चे उनके मुरीद हैं।

देव लेबटेक वेंचर्स लि. रु102 करोड़ की लागत से लैब ग्रोन डायमंड की उत्पादन क्षमता बढ़ाएगी

50 से अधिक लोगों को रोजगार मिल सकेगा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बीएसई - एसएमई लिस्टेड कंपनी - देव लेब टेक वेंचर्स रु 102 करोड़ की लागत से पर्यावरण प्रेमी लेब ग्रोन डायमंड की उत्पादन क्षमता का विस्तार करने वाली है। इससे 50 से अधिक लोगों को रोजगार मिल सकेगा। ऐसा करने वाली लेबग्रोन डायमंड क्षेत्र की एकमात्र कंपनी है।

गांधीनगर में जनवरी 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में हुए गुजरात वाइब्रेंट समिट 2024 में कंपनी ने सरकार के साथ करार किया था। लेब ग्रोन डायमंड उद्योग के मेक इन इंडिया मिशन के तहत इसे सरकार द्वारा काफी प्रोत्साहन दिया गया है। साथ ही बजट में भी सरकार द्वारा आरएंडडी ग्रांट के माफत तथा सिक्स पर आयात शुल्क में कमी के माफत पर्यावरण प्रेमी लेब ग्रोन डायमंड उद्योग को प्रोत्साहन देना चालू रखे जाने की संभावना है।

कंपनी लेब ग्रोन डायमंड के लिए प्लाज्मा टेक्नोलॉजी के साथ एमपीसीवीडी - फुली ऑटोमेटिक मशीन स्थापित कर उत्पादन क्षमता का विस्तार करेगी।कंपनी निर्यात पर ध्यान बढ़ाने वाली है और विकसित बाजारों की मांग पूरी करेगी।

लेब ग्रोन डायमंड के काफी उपयोग हैं। उसका सेमीकंडक्टर प्लेट्स (इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, थर्मल और ऑप्टिकल) में,कटिंग टूल्स ब्लेड्स में और लेजर मशीनों में उपयोग होता है।

सोसायटी में घुसे नकाबपोश बदमाशों ने सुरक्षा कर्मियों पर किया जानलेवा हमला, सात घायल

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

खंड के गांव धुनेला के पास गोदरेज सोसायटी में नकाबपोश 40 से 45 लोगों ने घुसकर सुरक्षा गार्डों पर जान लेवा हमला किया। बदमाशों पर 10 से 12 राउंड हवा में फायरिंग भी की। मौके पर पहुंची भोंडसी थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सोमवार की दोपहर पहले भोंडसी थाना क्षेत्र में 40 से 45 नकाबपोश बदमाश घुंस गए। जिन्होंने सोसायटी के मुख्य द्वार पर तैनात सुरक्षा कर्मियों को पर लाठी, डंडा, सरिया, लोहे की रॉड से हमला करके मारना पीटना शुरू कर दिया। जो भी सुरक्षा कर्मी सामने आता गया। उसे ही पिटते हुए सोसायटी के अंदर तक घुंसते हुए चले गए। बदमाशों का यह तांडव 20 से 30 घंटा तक रहा। सुरक्षा कर्मियों पर हमला होते ही सोसायटी में भगदड़ मच गई। सुरक्षा कर्मी बदमाशों से अपने आपको बचाने के लिए इधर से उधर छिपने के लिए भागते रहे। लेकिन हमलवारों ने एक-एक सुरक्षा कर्मियों को ढूंढ़-ढूंढकर बाहर निकाला और उन पर हमला करते रहे। जिससे 7 से 8 सुरक्षा कर्मी घायल हो गए। जिनमें से एक सुरक्षा कर्मी को नागरिक अस्पताल सोहना में दाखिल कराया गया। जिसकी पहचान सूरजीत सिंह मूल निवासी मैनपुरी उत्तर प्रदेश व हाल निवासी सोहना ढाणी के रुप में हुआ है। सूरजीत सिह ने बताया कि सभी बदमाश पैंदल आए और वह सोसायटी के मुख्य द्वार पर खड़ा था। **10 से 12 राउंड हवा में फायरिंग :** जानकारी के अनुसार सोसायटी में घुसे बदमाशों ने 10 से 12 राउंड फायरिंग की। बदमाश हाथों में लिए हथियारों को लहराते हुए सोसायटी में घूमते हुए निकल गए। जिसका एक 315 बोर की गोली का खोल जमीन पर पड़ा मिला है।

मारपीट से घायल सुरक्षा कर्मी सोहना के नागरिक अस्पताल में दाखिल।

फायरिंग के बाद जमीन पर पड़ा मिला गोली का खाली खोल।

झगड़े की सूचना मिलने पर घटना स्थल पर पहुंची भोंडसी थाना पुलिस।

रंजीश की आशंका : जानकार सूत्रों के अनुसार गोदरेज सोसायटी के सुरक्षा कर्मियों पर हुआ जान लेवा हमला पुरानी रंजिश का मामला जा रहा है। जिसमें दो साल पहले सुरक्षा एजेंसी को लेकर विवाद हुआ था। उक्त मामले को लेकर आज सुरक्षा कर्मियों पर ही हमला हुआ है। हालाकी भोंडसी थाना पुलिस अभी इस मामले में कुछ भी जानकारी देने से बच रही है। सूचना मिलने पर मौके पर भोंडसी थाना पुलिस और अपराध शाखा पांच पुलिस की टीम पहुंचने के बाद जांच में जुटी हुई है।

प्रेम-प्रसंग में दोस्तों ने युवक की चाकू से गोदकर की हत्या

घायलावस्था में चिल्लाता रहा भाई मुझे बचा लो...

युवक को घर से बुलाकर ले गए थे हत्या के आरोपी

पुलिस ने देर शाम तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

मृतक आकाश। फाइल फोटो।

गुरुग्राम। प्रेम-प्रसंग के चलते यहां दिल्ली-जयपुर एक्सप्रेस-वे के अंडरपास में एक युवक की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी गई। वह अपने भाई का नाम लेकर बचने के लिए चिल्लाता रहा। घायलावस्था में युवक काफी देर तक तड़पता रहा, लेकिन भीड़ उसकी वीडियो बनाती रही। तड़पते हुए घायल युवक ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटना के बारे में जानकारी जुटाई। इसके बाद आकाश के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेजा। पुलिस ने इस हत्याकांड में तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। जिनमें कृष्णा निवासी सैनिक कॉलोनी फरीदाबाद हाल निवासी सरस्वती एनक्लेव गुरुग्राम, सचिन उर्फ कालू निवासी गांव उडिया खुर्द रेवाड़ी व सचिन गांव उस्मापुर जिला रेवाड़ी को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि मृतक युवक और हत्यारोपी युवक का किसी युवती को लेकर विवाद था।

जानकारी के अनुसार रविवार की रात को दिल्ली-जयपुर एक्सप्रेस-वे पर हरिनगर सब-वे के सामने करीब आधा दर्जन युवक आए और 21 वर्षीय आकाश नाम के युवक को पकड़कर मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान उन्होंने आकाश पर चाकुओं से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल करने के बाद वे आकाश को तड़पता छोड़कर फरार हो गए। इसके बाद वहां पर भीड़ जुटनी शुरू हो गई। किसी ने भी आकाश को उठाकर अस्पताल पहुंचाने की हिम्मत नहीं दिखाई। तमाशबीन बनकर लोग उसकी वीडियो जरूर बनाते रहे। आकाश घायलावस्था में अपने भाई का नाम लेकर बचाने की गुहार लगाता रहा। कुछ देर में ही उसकी मौत हो गई। मृतक आकाश मूल रूप से बिहार के बेगूसराय का रहने वाला था। पिछले 10-12 सालों से वह गुरुग्राम के नाहरपुर रूपा गांव में रह रहा था। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटना के बारे में जानकारी जुटाई। इसके बाद आकाश के शव को उठाकर पोस्टमार्टम हाउस पहुंचाया। उसके परिजनों को सूचना दी गई। शुरुआती जांच में सामने आया है कि किसी युवती से प्रेम-प्रसंग के विवाद के चलते आकाश की हत्या की गई है।

आकाश के भाई सूरज का कहना है कि आकाश के दोस्त गौरव और प्रथम की कृष्णा नाम के युवक से लड़ाई थी। सूरज, आकाश, गौरव, प्रथम व कृष्णा एक साथ मैरी गोल्ड स्कूल नाहरपुर गांव में पढ़ते थे। कृष्णा ने आठवीं कक्षा के बाद स्कूल छोड़ दिया था। रविवार शाम कृष्णा ने प्रथम को फोन किया। फिर प्रथम ने आकाश को फोन कर घर से बुलाया। ये सभी एकत्रित होकर बात करते हुए दिल्ली-जयपुर हाईवे पर हरी नगर के सामने बने सब-वे के पास जा पहुंचे। सूरज को पहले से ही पता था कि कुछ गड़बड़ है। वह पांच मिनट बाद ही आकाश को देखने निकल गया।

गिफ्ट वार्म्थ : रिन्यू द्वारा सर्दियों में दो लाख कम्बल बांटे गये

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अग्रणी डीकार्बनाइजेशन समाधान प्रदान करने वाली कंपनी, रिन्यू एनर्जी ग्लोबल पीएलसी (Nasdaq: RNW, RNWWW) ने 'गिफ्ट वार्म्थ' का एवां संस्करण शुरू करने की घोषणा की है। यह कड़ाके की ठंड में समाज के वंचित वर्गों की सहायता करने की एक पहल है।

इस साल, रिन्यू ने दिल्ली एनसीआर, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, ओडिशा और उत्तराखंड सहित विभिन्न राज्यों में 2,00,000 से अधिक कम्बल, स्थानीय प्रशासन के सहयोग से बाँट चुकी है। यह कम्बल वितरण अभियान जनवरी तक चलेगा, ताकि सबसे अधिक ठंड पड़ने के दौरान इसका अधिकतम फायदा मिल सके। इस वर्ष रिन्यू ने दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में 30,000 कंबल वितरित किये।

हाल के वर्षों में उत्तर भारत के राज्यों में जलवायु परिवर्तन के कारण चिलचिलाती ठंड पड़ती है, जिससे बेघर लोगों पर शीत लहर की भीषण मार पड़ती है। सरकारी आँकड़ों के अनुसार सर्दियों के दौरान लोगों को बेहद मुश्किलों का सामना करना पड़ता है और इसके कारण मौत तक हो जाती है। रिन्यू के कर्मचारी सरकारी अधिकारियों के सहयोग से निर्दिष्ट जिलों में शीत लहर से प्रभावित सबसे अधिक जरूरतमंद लोगों को चिन्हित करके उनके जीवन में राहत पहुंचाने के लिए कम्बलों का वितरण करेंगे।

यह वितरण अभियान जिला स्तर पर आरम्भ किया जाएगा, और आगे तहसील से ग्राम स्तर तक पहुंचेगा। इसके अलावा, कंपनी के कर्मचारी कम्बल वितरण के लिए रात्रिकालीन अभियान चलाएंगे तथा दान के माध्यम से आश्रय स्थलों में योगदान करेंगे। इन कम्बलों को छोटे पैमाने के कारोबारियों से प्राप्त किया गया है जिसका उद्देश्य स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना है। सस्टेनेबिलिटी की को-फाउंडर और चेयरपर्सन, वैशाली निगम सिन्हा ने कहा कि, हाल के वर्षों में जलवायु संकट के कारण शीत लहर की तीव्रता बढ़ी है। मौसम में होने वाले उतार-चढ़ाव के कारण लाखों लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। रिन्यू में हम हमेशा समुदायों को लौटाने में यकीन करते आए हैं और गिफ्ट वार्म्थ कड़ाके की ठंड के महीनों में वंचित वर्गों के साथ खड़े होने की दिशा में हमारा एक छोटा कदम है।

लंबे बालों का प्रत्यारोपण : दिल्ली-एनसीआर में संभ्रांत लोगों के बीच एक चलन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सौंदर्यशास्त्र और आत्म-देखभाल की गतिशील दुनिया में, लंबे बालों का प्रत्यारोपण उन व्यक्तियों के लिए एक अभूतपूर्व समाधान के रूप में उभरा है जो बिना बाल शेव किये सीधे लम्बे और घने बालों का हेयर ट्रांसप्लांट (DHI) चाहते हैं। इस विशेष हेयर ट्रांसप्लांट प्रक्रिया ने मशहूर हस्तियों, खेल खिलाड़ियों, कॉरपोरेट्स और व्यावसायिक हस्तियों के बीच विशेष रूप से दिल्ली, गुड़गांव और नोएडा जैसे महानगरीय क्षेत्रों में महत्वपूर्ण लोकप्रियता हासिल की है। चूंकि इस नवीन उपचार की मांग बढ़ रही है, प्रसिद्ध हेयर ट्रांसप्लांट सर्जन, डॉ. अमरेंद्र कुमार, निदेशक, डर्माक्लिनिक्स, एमबीबीएस और एमडी (एम्स दिल्ली) ने इस प्रवृत्ति के बारे में अपनी राय साझा की। लंबे बाल या बिना शेव FUE (फॉलिक्यूलर यूनिट एक्सट्रैक्शन) **लाभ गोपनीयता :** ऐसे व्यक्तियों के लिए जो अपने बाल प्रत्यारोपण को गोपनीय रखना पसंद करते हैं, विशेष रूप से मशहूर हस्तियों और उन लोगों के लिए जो गोपनीयता को महत्व देते हैं। ऐसे लोगों के लिए के लिए बिना बाल शेव किये सीधे लम्बे और घने बालों का हेयर ट्रांसप्लांट (DHI) एक वरदान की तरह है। एक रेगुलर हेयर ट्रांसप्लांट में इच्छुक व्यक्ति को पहले पूरे बालों को शेव करवाना पड़ता है और फिर छोटे छोटे बालों का ट्रांसप्लांटेशन किया जाता है जबकि इस प्रक्रिया में ऐसा नहीं होता है और बैना बाल शेव किये सीधे बड़े बाल ट्रांसप्लांट कर दिए जाते हैं जिससे उनकी गोपनीयता बनी रहती है।

हेयर रूट रिवाइवल ट्रीटमेंट के साथ तत्काल विकास : हेयर रूट रिवाइवल ट्रीटमेंट के साथ लंबे बालों का प्रत्यारोपण, लगभग 30 से 50% बालों की तत्काल वृद्धि प्रदान करता है। यह त्वरित परिवर्तन चाहने वाले व्यक्तियों के लिए तत्काल परिणाम प्रदान करता है।

महिलाओं के लिए उपयुक्तता : बिना बाल शेव किये सीधे लम्बे और घने बालों का हेयर ट्रांसप्लांट (DHI) महिलाओं के बाल एक वरदान की तरह है, लंबे बालों का प्रत्यारोपण महिलाओं के बाल प्रत्यारोपण के लिए सबसे उपयुक्त तकनीकों में से एक माना जाता है, जो प्राकृतिक दिखने वाले और घने परिणाम प्रदान करता है।

अभिजात वर्ग के बीच बढ़ती प्रवृत्ति : ए-लिस्ट अभिनेता, संगीतकार और प्रभावशाली लोग फैशन और स्टाइल स्थापित करने के लिए जाने जाते हैं। लंबे बाल कई मशहूर हस्तियों के लिए एक सिग्नेचर लुक बन गए हैं, जो उनके प्रशंसकों को भी इसे अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। मशहूर हस्तियां अक्सर अपनी आकर्षक उपस्थिति बनाए रखने के लिए बिना बाल शेव किये सीधे लम्बे और घने बालों का हेयर ट्रांसप्लांट प्रक्रियाओं का विकल्प चुनती हैं।

स्टॉक मार्केट एजुकेशन को देश में हर व्यक्ति तक पहुंचा रहा जीटीएफ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जयपुर के 2 युवा इंजीनियर अरुण सिंह तंवर और सूरज सिंह गुर्जर ने अपने स्टॉक मार्केट के पैशन को प्रोफेशन में बदल दिया। स्टॉक मार्केट में निवेश कर के अच्छा लाभ कमाने के लिए रिसर्च और नॉलेज सबसे जरूरी होता है, और इन दोनों युवाओं ने सफल ट्रेडर बनने के प्रयास में इतनी रिसर्च करी और नॉलेज जमा किया कि आज यह दोनों ट्रेडर से ज्यादा स्टॉक मार्केट गुरु के नाम से जाने जाते हैं।

अपनी इंजीनियरिंग के दौरान स्टॉक मार्केट के बारे में पता चला और उसमे इंस्ट्रस्ट आने लगा। जिसकी वजह से दोनों मित्रों ने स्टॉक मार्केट में निवेश शुरू किया और ट्रेडिंग पर बारीकी से रिसर्च शुरू की। इससे उन्हें अच्छा लाभ हुआ और इसी लाभ को देश के हर व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए वर्ष 2019 में इन्होंने जीटीएफ याने गेट दुगेदर फाइनेस इंस्टिट्यूट की शुरुआत की। इस इंस्टिट्यूट का उद्देश्य लोगों को ट्रेडिंग का थियोरिटिकल और प्रैक्टिकल नॉलेज प्रदान कर के उन्हें फाइनेंसियल इंडिपेंडेंट बनाना है।

जीटीएफ ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से क्लासेज प्रदान करता है और आज तक 20,000 से अधिक स्टूडेंट्स पैड कोर्स और 2,50,000 से अधिक स्टूडेंट्स वेबसाइट के द्वारा और 12 लाख लोग यूट्यूब के द्वारा फ्री कोर्स का लाभ उठा चुके हैं। जीटीएफ इण्डियन स्टॉक मार्केट के लिए टेक्निकल एनालिसिस कोर्स की ट्रेनिंग देते है, जिससे की आप अपनी ट्रेडिंग स्टाइल के अकॉर्डीग स्विंग ट्रेडिंग , इंट्राडे ट्रेडिंग और इन्वेस्टमेंट कर सकते है। इनकी सबसे खास बात यह है कि अपने हर स्टूडेंट को लाइफटाइम फ्री मेंटरशिप प्रदान करते है। याने किसी ने एक बार कोर्स पूरा कर भी लिया, तब भी उनको कभी भी कोई दिक्कत या सवाल आये तो उसका उनको फ्री में लाइफ टाइम सोल्यूशन मिलेगा।

इतने कम समय में देश के सबसे सफल स्टॉक मार्केट इंस्ट्रस्ट्यूट में से बनने में जीटीएफ ने सिर्फ कुछ ही सालों का समय लिया और इसका श्रेय जाता है जीटीएफ के फाउंडर अरुण सिंह तंवर और सूरज सिंह गुर्जर को, जिन्होंने टेक्निकल ट्रेडिंग टेक्नीक्स को बहुत आसान तरीके से स्टूडेंट्स को पढ़ा कर उन्हें मार्केट से प्रॉफिट बनाने में मदद की।

सेक्टर-9 कालेज में विशेष व्याख्यान में बताया समाचार-पत्र का महत्व

राजकीय महाविद्यालय सेक्टर-9 के जनसंचार विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बोलतीं सह-प्रोफेसर डॉ. मीनाक्षी श्योराण।

गुरुग्राम। राजकीय महाविद्यालय सेक्टर-9 के जनसंचार विभाग द्वारा भारतीय समाचार-पत्र दिवस के उपलक्ष्य में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें गुरुग्राम विश्वविद्यालय गुरुग्राम के मीडिया अध्ययन विभाग की सह-प्रोफेसर डॉ. मीनाक्षी श्योराण ने विद्यार्थियों को समाचार पत्र के महत्व के बारे में अवगत कराया। महाविद्यालय की प्राचार्या मधु अरोड़ा ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज के दौर में जहां अनेक प्रकार के मीडिया साधन उपलब्ध हैं, वहीं समाचार-पत्रों का अपना महत्व है। देश की आजादी के आंदोलन से लेकर देश के सर्वांगीण विकास में समाचार-पत्रों का बहुत अधिक योगदान रहा है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को प्रतिदिन समाचार-पत्र पढ़ने एवं निरंतर लेखन के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. मीनाक्षी श्योराण ने बताया कि 29 जनवरी 1780 को भारत में पहला समाचार-पत्र प्रकाशित हुआ। जिसके बाद इस दिन को भारतीय समाचार-पत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि समाचार-पत्र एक सशक्त माध्यम है तथा समाचार-पत्रों के क्षेत्र में उज्ज्वल भविष्य का निर्माण किया जा सकता है।

गौड़ीय मिशन श्रील प्रभुपाद के 150वीं जन्म जयंती पर विश्व वैष्णव सम्मेलन का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

गौड़ीय मिशन द्वारा श्री चैतन्य महाप्रभु के उपदेशों को समाज में फैलाने और मानव कल्याण पर समर्पित एक दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ है, श्रील प्रभुपाद के 150वीं जन्मोत्सव पर यह एक ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम, प्रगति मैदान में आगामी 8 फरवरी को विश्व वैष्णव सम्मेलन 2024 का आयोजन होगा। यह विशाल सभा एवं कार्यक्रम 6 फरवरी से 8 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा।

सम्मेलन, विश्व भर के वैष्णव भक्तों का एक वार्षिक संग्रह, आध्यात्मिक विचारों और गहरे उपदेशों का एक जीवंत उत्सव का वादा करता है। उत्सव अधिवास महोत्सव के साथ शुरू होगा, तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में नगर कीर्तन का भी आयोजन होगा जिसमें भक्तिपूर्ण जप के माध्यम से सार्वभौमिक भाईचारे का संदेश फैलाया जायेगा।

इस विश्ववैष्णव सम्मेलन का मुख्य आकर्षण, आध्यात्मिक विचार-मंथन, श्रील प्रभुपाद पर सिक्का और डाक टिकट का विमोचन, एक आध्यात्मिक धरोहर का प्रदर्शन, गौड़ीय नृत्य प्रस्तुतियों को शामिल करता है, और आत्मा को छूने वाला श्री हरि नाम संकीर्तन भी शामिल होगा, एवं इस विश्व वैष्णव सम्मेलन की शोभा बढ़ाने और भाई चारे के इस सन्देश को जन जन तक पहुंचाने के लिए देश विदेश से कई मेहमान भी शामिल होंगे। भक्ति सुंदर सन्यासी महाराज, गौड़ीया मिशन के अध्यक्ष ने कहा विश्ववैष्णव सम्मेलन का हृदय श्रील भक्ति सिद्धांत सरस्वती गोस्वामी प्रभुपाद की गहन विरासत में है, जिनका जीवन और उपदेश दुनियाभर में लाखों लोगों को प्रेरित करता हैं। यह सभी हमारे उनके सार्वभौमिक प्रेम, आध्यात्मिक ज्ञान, और आत्म-साक्षात्कार के सन्देश को फैलाने के लिए हमारे प्रतिबद्धता का साक्षी है। हम खुशी महसूस कर रहे हैं कि हम विश्व भर से भक्तों और अनुयायियों को एकत्र करके श्रील भक्ति सिद्धांत सरस्वती गोस्वामी प्रभुपाद के शाश्वत उपदेशों का उत्सव मना रहे हैं और जन जन को प्रोत्साहित भी कर रहे हैं। यह सम्मेलन आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देने और सार्वभौमिक भाईचारे की भावना में एकत्र होने के रूप में कार्य करता है।

स्कूल भवन की राशि नहीं आने से निर्माण कार्य लटका

छात्र खुले में पढ़ने को मजबूर होंगे

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

बंचारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय को बहुमंजिला बनाने की राशि नहीं आने से इस साल स्कूल का निर्माण कार्य नहीं हो पायेगा। जिससे इस स्कूल में पढ़ने वाले सैकड़ों बच्चों को और कुछ और साल तक स्कूल के भवन बनने का इंतजार करना पड़ेगा। जिससे सर्दी, गर्मी व बरसात में खुले में पढ़ने से उनके स्वास्थ्य प्रभावित होगा।

विश्व प्रसिद्ध बंचारी गांव के स्कूल बच्चों की जरूरत के हिसाब से बहुमंजिला बनाने का बजट सर्व शिक्षा अभियान विभाग की तरफ से बनाकर उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों को भेजा था। इसके लिए एसएसए ने छह करोड़ का बजट बनाकर भेजा था। जिसका प्रपोजल भी उच्च अधिकारियों ने पास कर दिया था। यह राशि उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने दिसंबर 2023 तक नहीं भेजी है। स्कूल को बनाने की राशि उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों की गलतियों की वजह से लैप्स हो गई है। छह करोड़ से स्कूल में 18 कमरे बनने थे। इसके अलावा जीव विज्ञान की लैब, भौतिक विज्ञान की लैब, रसायन विज्ञान की लैब, बायो लैब, कंप्यूटर लैब भी बननी थी। जिससे स्कूल में पढ़ने वाले छात्र व छात्राओं को निजी स्कूलों की तर्ज पर बेहतर रोजगार दिलाने वाली शिक्षा मिल सके। परंतु अब बजट की राशि नहीं भेजने से स्कूल के निर्माण कार्य में रुकावट खड़ी हो गई है। स्कूल में सैकड़ों छात्र व छात्राएं बंचारी, सौंध, डकौरा, बहीन, नंगल जाट, मानपुर आदि गांवों से पढ़ते हैं, परंतु अब स्कूल का भवन देरी से बनने से इनकी बेहतर शिक्षा लेने का सपना प्रभावित होगा।

> “ राशि नहीं आने से स्कूल का भवन का कार्य लटक गया है। स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को और कुछ साल खुले में पढ़ने को मजबूर होना पड़ेगा। जिससे उनकी पढाई व स्वास्थ्य पर असर पड़ेगा।
>
> **-देवी सिंह,** ग्रामीण

> “ बंचारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के बजट की राशि नहीं आने से यह इस साल के लिए लैप्स हो गई है। इससे अब इस साल स्कूल का बहुमंजिला भवन नहीं बन पाएगा। नए साल के बजट में दोबारा इसका प्रपोजल बनाकर भेजना पड़ेगा।
>
> **-विनीत सैनी,** उपमंडल अभियंता, एसएसए विभाग

प्रॉपर्टी डीलर हत्याकांड में सीपी ऑफिस पहुंचे परिजन

फरीदाबाद। 14 जनवरी की शाम को थाना भूपानी क्षेत्र के अंतर्गत नचौली गांव के पास एक प्रॉपर्टी डीलर की हत्या कर दी गई। जिसको लेकर सोमवार को राम सेवक के परिजन सीपी कार्यालय कमिश्नर से मुलाकात करने पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि आज 15 दिन हो गए हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। केवल तीन आरोपी गिरफ्तार किए गए है। जिसमें कपिल, मोमैन का नाम शामिल है। बाकी 10 आरोपी अभी फरार चल रहे है। परिजनों का कहना है कि उनके मन में डर बना हुआ है कि कहीं उनके ऊपर कोई हमला ना कर दें। इसलिए वे लोग सीपी कार्यालय पहुंचे।

ये केवल प्रदर्शनी नहीं, समस्याओं के समाधान का रोडमैप है: डॉ. कुमार

कार्बन नियंत्रण व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए बेहतर मॉडल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

राजकीय महिला महाविद्यालय सेक्टर-16ए फरीदाबाद में सोमवार से दो दिवसीय अंतर जिला विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। जिसमें फरीदाबाद, पलवल एवं नूंह जिला से 14 महाविद्यालयों द्वारा 45 मॉडल प्रस्तुत किए गए। प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए सिमेंट विंग के ज्वाइंट डायरेक्टर सचिव एवं हैड डॉ. एसके चतुर्वेदी ने कहा कि ये मॉडल नहीं विद्यार्थियों के मन की अभिलाषा है, जो मॉडल के रूप में हमारे सामने आयी है। उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में टैलेंट को उभारने के लिए प्लेटफार्म की कमी नहीं है। जिन विद्यार्थियों ने इतनी मेहनत से ये मॉडल प्रस्तुत किए हैं, वे इन अभिलाषाओं को केवल प्रदर्शनी तक सीमित न रखें।

प्राचार्य डॉ. नरेंद्र कुमार ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया तथा विभिन्न महाविद्यालयों से मॉडल लेकर पहुंचे विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह विज्ञान प्रदर्शनी केवल प्रदर्शनी नहीं है, यह समस्याओं के समाधान का रोडमैप है। प्रदर्शनी में विभिन्न महाविद्यालयों के केमिस्ट्री, फिजिक्स, जियोलॉजी, मनोविज्ञान, कंप्यूटर साइंस, भूगोल एवं बॉटनी विभाग से 45 मॉडल प्रस्तुत किए गए। केमिस्ट्री विभाग की छात्राओं ने माइक्रो एलगी से भविष्य के बायो ईंधन एवं बायो प्लास्टिक निर्माण का मॉडल प्रस्तुत किया। वहीं भूगोल विभाग की छात्राओं ने विभिन्न जलाशयों एवं इकोसिस्टम की समस्याओं एंव उनके समाधान पर मॉडल प्रस्तुत किए।

मनोविज्ञान की छात्राओं ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं स्वास्थ्य देखभाल पर बेहतर मॉडल प्रस्तुत किया। छात्राओं द्वारा माइक्रो केमिस्ट्री एवं क्वांटम टेक्निक के भविष्य में फूड सेफ्टी, सोलर एनर्जी, एलईडी एवं नेचुरल लाइट विषय क्षेत्र पर बेहतर मॉडल प्रस्तुत किए गए, जो भविष्य में इन समस्याओं के समाधान के लिए बेहतर विकल्प होंगे। प्रदर्शनी में छात्राओं को मुख्य फोकस वेस्ट मैनेजमेंट एवं पर्यावरण संरक्षण तथा बायो फ्यूल विषय पर रहा। प्रदर्शनी का समापन समारोह मंगलवार को होगा, जिसमें विजेताओं के नाम घोषित किए जाएंगे। समारोह की मुख्य अतिथि डॉ. रंजना अग्रवाल निदेशक सीएसआईआर होंगी। निर्णायक मंडल की भूमिका में सभी विषयों के जाने माने विशेषज्ञों, सेवानिवृत्त एचसीएस डॉ. पुष्पेंद्र सिंह चौहान, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. हुकुम सिंह, डॉ. जयवीर, डॉ. तरुण आदि मौजूद थे।

जरूरतमंद बच्चों के लिए उमेश भाटी ने दिया चेक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

तिगांव विधानसभा में जेजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधानसभा प्रत्याशी व जननायक जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता उमेश भाटी के अशोका एंक्लेव कार्यालय पर शिव कॉलोनी आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों ने मुलाकात की। इस मौके पर उमेश भाटी ने शिव कॉलोनी के बारे में पदाधिकारियों से हालचाल जाना।

जिस पर स्थानीय लोगों ने समाजसेवा कार्यों को लेकर कुछ जरूरतमंद बच्चों की मदद का मुद्दा उठाया। जिस पर तुरंत उमेश भाटी ने आर्थिक सहायता के तौर पर चेक भेंट किया। इस पर सभी आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों ने उनका धन्यवाद किया। मौके पर उमेश भाटी ने स्थानीय लोगों से कॉलोनी की समस्याओं को भी जाना, जिस पर आरडब्ल्यूए ने कुछ मूलभूत सुविधाओं को लेकर समस्याओं को रखा। जिसे सुनने के बाद उमेश भाटी ने कहा कि आपके द्वारा चुने गए विधायक आजकल अपने विधानसभा में कम लोकसभा में ज्यादा घूम रहे हैं। आने वाले दिनों में आप इसका जवाब जरूर दें और एक ऐसा विधायक चुनें जो आप के बीच रहे, न कि लोकसभा में।

उमेश भाटी ने कहा कि आप ऐसा प्रतिनिधि चुनें, जो आपके बीच रहकर आपकी बात सुने, आपकी समस्याओं के लिए लड़े। उमेश भाटी ने कहा कि तिगांव विधानसभा उनका अपना परिवार है। यहां की समस्या उनकी अपने घर की समस्या है। इस मौके पर गोपाल चौहान, निजाम अहमद, रिपु ठाकुर, मुन्ना मियां, अशीम हलदर, इस्ताक, हिम्मत सिंह, गोलू प्रजापति, नित्या हलदर आदि मौजूद थे।

दिनेश बने कार्यकारी अध्यक्ष सोनू, रवि उपाध्यक्ष नियुक्त

ऑटो चालक संगठन का हुआ गठन

फरीदाबाद। भारतीय मजदूर संघ से संबंधित फरीदाबाद ऑटो चालक संगठन का महाराजा नाहर सिंह की प्रतिमा के नीचे दशहरा मैदान बल्लभगढ़ में गठन किया गया। इसमें आकाश सिंह को जिला प्रधान, पुराने वरिष्ठ साथी गुलाब सिंह राणा महामंत्री, हरेंद्र सिंह कैशियर और दो साथी गोपाल शर्मा और नरेश कुमार प्रदेश कार्यकारिणी में शामिल किए गए। ग्यारह सदस्यीय टीम की घोषणा शैलेश कुमार कार्यकारी अध्यक्ष ने की और प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार ने सबको आशीर्वाद देते हुए संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की कामना की।

इससे पूर्व मंच संचालन करते हुए भारतीय मजदूर संघ फरीदाबाद जिला मंत्री नीरज त्यागी ने संगठन की उपलब्धियों को सबके समक्ष रखा। जिसमें असंगठित क्षेत्र के कामगारों का डाटा तैयार करवाना, एक्स ग्रेशिया लागू करवाना, स्ट्रीट वेंडर पॉलिसी, सफाई आयोग का गठन, घुमंतू जाति-जनजाति आयोग, कैशलेस इलाज की मंजूरी आदि। कार्यक्रम को नवीन शर्मा, महिपाल, गुलाब सिंह राणा, शैलेश कुमार और राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष पब्लिक प्राइवेट ट्रांसपोर्ट संघ ने विस्तार से इस क्षेत्र की उपलब्धियों को उपस्थित ऑटो चालकों के समक्ष रखा। बहुत ही शांतिपूर्वक और सर्वसम्मति से कार्यक्रम पूर्ण हुआ। फरीदाबाद ऑटो चालक संगठन दिनेश चौहान कार्यकारी अध्यक्ष, सोनू उपाध्यक्ष, रवि राजौरा उपाध्यक्ष, सोनू फौजी मीडिया प्रभारी और अर्जुन भाटी, जीतू, कल्लू, सुखा को कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया गया। भारतीय मजदूर संघ हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार ने अपने उद्बोधन में नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनायें दीं।

नशा तस्करी के खिलाफ पुलिस ने चलाया अभियान

फरीदाबाद। नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने तथा सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य द्वारा महत्वपूर्ण स्थान, मॉल, होटल बैंक इत्यादि को चेक करने के दिशा-निर्देश दिए। सोमवार को सराय थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अर्जुन देव की टीम ने डॉग स्क्वॉड के साथ मिलकर बदरपुर बॉर्डर पर नाका लगाकर संदिग्ध लोगों और वाहनों को चेक किया है।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त अपराधियों की धर पकड़ करके नशा तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहे हैं और चेकिंग अभियान चलाकर संदिग्ध व्यक्तियों पर निगरानी रखी जा रही है। इसी के तहत पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य के दिशा निर्देश पर सराय थाना की टीम ने डॉग स्क्वायड के साथ मिलकर बदरपुर बॉर्डर पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया। जिसमें संदिग्ध प्रकार के व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग की गई। जैसा कि आपको ज्ञात है कि कुत्तों में सूंघने की विशेष क्षमता होती है, जिससे कि वह दुर्गंध का पता लगाकर किसी की पहचान कर सकते हैं। डॉग स्क्वायड को समय-समय पर इसकी ट्रेनिंग दी जाती है। इनकी मदद से मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाया जा सकता है। आमजन से नशे के खिलाफ जागरूक रहने का अनुरोध है।

हरियाणा के घर-घर में जींद की बदलाव जनसभा के चर्चा : रावत

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

आम आदमी पार्टी की जींद में आयोजित बदलाव जनसभा की चर्चा हरियाणा के घर घर में है। जनसभा में उमड़े जनसैलाब ने दिखा दिया कि प्रदेश की जनता खटटर सरकार से त्रस्त है और बदलाव चाहती है। ये बात आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष अधिवक्ता चंद्रशेखर रावत ने कही।

उन्होंने कहा कि हरियाणा के घर घर में जींद की बदलाव जनसभा की चर्चा है। जींद में उमड़े जन सैलाब ने दिखा दिया कि हरियाणा के लाल केजरीवाल की गारंटी के साथ हरियाणा की जनता खड़ी है और 2024 में दिल्ली और पंजाब के बाद हरियाणा में भी आम आदमी पार्टी की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि बदलाव जनसभा में केजरीवाल एक लाख जीरो बिजली के बिल लेकर पहुंचे, इसकी पूरे हरियाणा में चर्चा है। दिल्ली में जनता को फ्री बिजली मिल रही है। पंजाब में 90 प्रतिशत ने ज्यादा लोगों को फ्री बिजली मिल रही है। इस बार हरियाणा की जनता भी आम आदमी पार्टी की सरकार लाकर अपने बिजली के बिल को जीरो करवाएगी। जींद जनसभा में अरविंद केजरीवाल ने दिखा दिया कि वे ईडी और सीबीआई से नहीं डरते हैं, उनमें हरियाणवी खून है। जो जनता की भलाई के लिए जेल जाने से भी पीछे नहीं हटेंगे। आम आदमी पार्टी के एक एक कार्यकर्ता उनके सच्चे सिपाही हैं। हरियाणा के हरेक घर तक अरविंद केजरीवाल की नीतियों को पहुंचाने का काम करेंगे। पंजाब के जीरो बिजली के बिलों को हरियाणा के हरेक गांव में जनता के बीच लेकर जायेंगे। इस बार हरियाणा की जनता भी पार्टी की सरकार बनाएगी।

एनएसयूआई ने नीरज के समर्थन में सीएम का पुतला फूंका

फरीदाबाद। एनएसयूआई फरीदाबाद के कार्यकर्ताओं ने पंडित जवाहरलाल नेहरू कॉलेज के गेट पर एनआईटी फरीदाबाद से कांग्रेस विधायक नीरज शर्मा के पक्ष में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल का पुतला फूंका। यह पुतला एनएसयूआई हरियाणा के पूर्व प्रदेश महासचिव कृष्ण अत्री के नेतृत्व में फूंका गया। कृष्ण अत्री ने कहा कि एक तरफ तो मुख्यमंत्री कहते हैं सबका साथ, सबका विकास और वहीं दूसरी तरफ विपक्ष के विधायकों को विकास कार्य कराने के लिए फंड तक नहीं देते हैं। यह पहली ऐसी सरकार है, जो हरियाणा के महान सदन में भी वायदा करके मुकर जाती है। उन्होंने कहा कि विपक्षी विधायकों के साथ भेदभाव करना मुख्यमंत्री मनोहरलाल की ओछी मानसिकता को दर्शाता है।

संक्षिप्त समाचार

वेदांता स्कूल में लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

पलवल। वेदांता पब्लिक स्कूल में सेवा भारती पलवल व नेशनल मेडिकोज ऑर्गनाइजेशन के तत्वावधान में एक निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 50 से ज्यादा लोगों ने स्वास्थ्य जांच शिविर का लाभ प्राप्त किया। राम नगर स्वास्थ्य जांच शिविर कोऑर्डिनेटर जितेंद्र सिंह ने बताया कि कैंप के आयोजन के लिए पांच सदस्य टीम बनाई गई थी, जिसमें मनोज सैनी को आयोजन समिति राम नगर प्रमुख बनाया गया था। जिसमें प्रवर प्रसार का कार्य राम नगर शिव मंदिर के पुजारी बांके पंडित को सौंपा गया था, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को निशुल्क जांच के साथ निशुल्क दवाइयों का लाभ दिलाया जा सके। जांच के लिए डॉक्टर्स की टीम का नेतृत्व सीनियर डॉक्टर चंद्रमणि ने किया। जिसमें फरीदाबाद ईएसआई से डॉक्टर दीपक गोला, डॉक्टर हितेश शामिल रहे।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में पहुंचे 4200 लाभार्थी

फरीदाबाद। फरीदाबाद में पहली बार नेशनल मेडिकोज ऑर्गनाइजेशन एवं सेवा भारती द्वारा तिलप्रस्थ बाबा सूरदास स्वास्थ्य सेवा यात्रा के माध्यम से 51 सेवा बस्तियों में निशुल्क स्वास्थ्य निरीक्षण शिविर के आयोजन किए गए हैं। जिसमें निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, बीपी शुगर की जांच एवं दवा वितरण किया गया। प्रत्येक शिविर में चिकित्सकों के अतिरिक्त नर्सिंग स्टाफ व मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों ने भाग लिया। ईएसआई मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. असीम दास इस सेवा यात्रा के संरक्षक थे। एनएमओ फरीदाबाद डॉ. पंकज तुली की अध्यक्षता में सभी शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुए। प्रत्येक केंद्र में दीप प्रज्ज्वलित कर नमो मंत्र के उपरांत रोगियों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान की गई। उपलब्ध दवाइयों के साथ महत्वपूर्ण जानकारी देकर रोगियों को रोग से राहत देने की कोशिश की गई। अंत में उनको स्वास्थ्य के प्रति, आम बीमारियों के प्रति जागरूक किया गया। प्रतिभागियों के हौसले एवं रोगियों के संतोषपूर्ण चेहरों के साथ इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

केसीएम ओम स्कूल के विद्यार्थियों ने सुनी परीक्षा पे चर्चा

पलवल। रसूलपुर रोड पर स्थित केसीएम ओम इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा छह से आठ तक के सभी विद्यार्थियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आयोजित परीक्षा पर चर्चा का लाइव टेलीकास्ट दिखाया गया। वीडियो को दिखाने का मुख्य उद्देश्य परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन से लेकर बेहतर नागरिक बनने का था। प्रधानमंत्री ने बेहद सरल और मजेदार अंदाज में बच्चों के हर एक सवाल का जबाव दिया। कैसे परीक्षा की तैयारी की जाए, टाइम मैनेजमेंट कैसे हो, मोबाइल के दुष्प्रभाव से कैसे बचा जाए? इन सभी सवालों का जवाब पीएम ने दिया। उन्होंने ये भी बताया कि वो कैसे इतने पॉजिटिव रहते हैं और प्रधानमंत्री के रूप में आने वाली चुनौतियों का सामना कैसे करते हैं। विद्यालय में परीक्षा और सिलेबस के प्रेशर को कैसे हैंडल करें। विद्यालय की प्रधानाचार्या नम्रता कुंडू ने विद्यार्थियों से कहा कि हमें किसी भी प्रेशर को झेलने के लिए खुद को सामर्थ्यवान बनाना चाहिए। दबाव को हमें अपने मन की स्थिति से जीतना जरूरी है। किसी भी प्रकार की बात हो, हमें परिवार में भी चर्चा करनी चाहिए। प्रत्येक कार्य को शांतिपूर्वक सोचकर करना चाहिए। वार्षिक परीक्षा की तैयारी के लिए कभी भी दबाव में आकर तैयारी नहीं करनी चाहिए, बल्कि हमें अपने मन से परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए, तभी हम सफलता की सीमा को छू सकेंगे।

रक्तदान करना वास्तव में ही महादान है : मंत्री गुर्जर

पलवल। समाजसेवी पवन कुमार भूटानी ने अपने स्वर्गीय पिता कृष्ण कुमार भूटानी, दादी यशोदाबाई एवं माता ईश्वर देवी की स्मृति में पलवल डोनर्स क्लब ज्योतिपुंज एवं ईश फाउंडेशन के सहयोग से पलवल के न्यू कॉलोनी कैंप चौक पर स्थित पंजाबी सभा धर्मशाला में एक निशुल्क नेत्र जांच शिविर और स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर की अध्यक्षता विधायक दीपक मंगला के पुत्र दिव्यांक मंगला ने की और शिविर का संयोजन पलवल डोनर्स क्लब के संयोजक विकास मित्तल और अल्पना मित्तल ने की। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर, भाजपा के युवा मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव गौरव गौतम, पूर्व मंत्री सुभाष कत्थाल, पूर्व विधायक सुभाष चौधरी, पंजाबी एकता मंच हरियाणा के संरक्षक नरेश गांधी, भाजपा नेता राजीव कत्थाल, पंजाबी सभा पलवल के पूर्व प्रधान एलडी वर्मा, प्रकाश वीर, जिला रेडक्रॉस सोसाइटी फरीदाबाद के सचिव बिजेंद्र सौरोत, समाजसेवी लाजपत राय भूटानी, पवन भूटानी, नेहा भूटानी, कीर्ति मेहरा, संगीता, रश्मि, भावना, कोमल, द्रौपदी तनेजा, पुष्पलता, प्रेमलता, विवेक, साहिबा, एमएल कथूरिया ने दीप प्रज्ज्वलित कर आर्य कृष्ण कुमार भूटानी की स्मृति में लाजपतराय भूटानी द्वारा संपादित स्मारिका का विमोचन कर किया। कृष्णपाल गुर्जर ने संस्थाओं द्वारा मानव सेवा व समाज कल्याण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि रक्तदान वास्तव में ही महादान है।

एडवोकेट पर हमले में 15 के खिलाफ केस

पलवल। प्रॉपर्टी डीलिंग की रंजिश के चलते प्रॉपर्टी डीलर व एडवोकेट ने गांव के ही दूसरे प्रॉपर्टी डीलर पर उसे जान से मरवाने की सुपारी देकर हमला करवाने का आरोप लगाया है। चांदहट थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी प्रॉपर्टी डीलर सहित तीन नामजद व अन्य के के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चांदहट थाना प्रभारी दलबीर सिंह के अनुसार, कितवाड़ी गांव निवासी एडवोकेट दिनेश दलाल ने दी शिकायत में कहा है कि वह एडवोकेट है और प्रॉपर्टी डीलर का काम करता है। पीड़ित का कहना है कि उसकी गांव के ही निवासी अनिल दलाल प्रॉपर्टी डीलर से प्लाटिंग के काम को लेकर आपस में दुश्मनी चल रही है। पीड़ित को पता चला कि उसे मरवाने के लिए अनिल दलाल ने दस लाख रुपये की सुपारी दी है, इसका पता चलने पर पीड़ित अपने घर पहुंचा और अनिल दलाल को फोन कर पूछा कि तुमने मुझे मरवाने के लिए किसी गैंग को सुपारी दी है। इस बात को सुनकर अनिल दलाल सफाई देने लगा और कहा कि उसने कोई सुपारी नहीं दी है। पीड़ित जब अपने भाई के साथ कार में पलवल शहर जा रहा था तो रास्ते में अनिल दलाल ने आवाज लगाकर उन्हें रोका और धमकी देते हुए कहा कि तेरे मरवाने का बंदोबस्त कर दिया है। पीड़ित अपनी कार से अपने होटल हार्डीवुड पर जा रहा था। रास्ते में गाड़ी में आवाज आने पर उसने गाड़ी को रोक कर चेक किया, इसी दौरान वहां चार लड़के आए और आते ही उस पर हमला बोल दिया और उसे धमकी देकर मौके से फरार हो गए।

डीएलएफ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने काउंसिल को गति प्रदान की : भूटानी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

डीएलएफ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रधान तथा हरियाणा स्टेट प्रोडक्टिविटी काउंसिल के संरक्षक जेपी मल्होत्रा को वर्ष 2023 के लिए हरियाणा स्टेट प्रोडक्टिविटी काउंसिल द्वारा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। श्री मल्होत्रा को यह सम्मान उनके द्वारा उत्पादकता एवं कौशल विकास के क्षेत्र में निरंतर योगदान के लिए प्रदान किया गया।

इस अवसर पर अवार्ड प्रदान करते हुए एचएसआईआईडीसी के स्वतंत्र निदेशक बीआर भाटिया तथा प्रसिद्ध उद्योगपति शम्मी कपूर ने मल्होत्रा के स्वस्थ जीवन और उनके द्वारा उत्पादकता और कौशल विकास के लिए निरंतर प्रयासों को जारी रखने की कामना व्यक्त की। इस मौके पर काउंसिल के प्रधान एचएल भूटानी ने श्री मल्होत्रा द्वारा काउंसिल को तीन वर्ष प्रधान तथा दो वर्ष संरक्षक के रूप में काउंसिल को दी गई सेवा, सहयोग और योगदान देने के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

श्री भूटानी ने श्री मल्होत्रा द्वारा किए गए प्रयासों की प्रशंसा करते कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में काउंसिल को जो दिशा और गति दी है वह निश्चित रूप से सराहनीय है। उन्होंने बताया कि काउंसिल के संरक्षक एवं पूर्व प्रधान जी सी नारंग ने अपने कार्यकाल वर्ष 2013-2015 में काउंसिल की पुन: स्थापना की। जिसे श्री मल्होत्रा ने अपने कार्यकाल 2015 से 2019 में दिशा और गति दी, जिसका परिणाम काउंसिल का वर्तमान स्वरूप है। श्री भूटानी ने बताया कि उन्होंने अपने कार्यकाल में श्री मल्होत्रा द्वारा उत्पादकता, गुणवत्ता और सुरक्षा से जुड़े विषय के कार्यक्रम आयोजित किए, उसका लाभ एमएसएमई क्षेत्र के साथ साथ अन्य औद्योगिक इकाइयों को प्राप्त हुआ।

इस सम्मान समारोह में एचएसआईआईडीसी के स्वतंत्र निदेशक बीआर भाटिया ने श्री मल्होत्रा द्वारा जारी उत्पादकता, सुरक्षा और गुणवत्ता के साथ कौशल विकास के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते कहा कि जिस ऊर्जा से श्री मल्होत्रा सेवाएं प्रदान कर रहें हैं, उसका लाभ निश्चित रूप से युवा पीढ़ी को प्राप्त होगा। इस मौके पर अवार्ड प्राप्त करते हुए डीएलएफ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रधान जेपी मल्होत्रा ने काउंसिल के सदस्यों का आभार प्रकट करते हुए आश्वस्त किया कि वह काउंसिल द्वारा जारी प्रोजेक्टों में अपना योगदान जारी रखेंगे। श्री मल्होत्रा ने उपस्थित सदस्यों से सरकार द्वारा जारी स्टाइव प्रोजेक्ट और नेप्स स्कीम के अंतर्गत अप्रेंटिस को अपने संस्थान में रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस योजना से जहां औद्योगिक इकाइयों को श्रम शक्ति मिलेगी, वहीं युवाओं को रोजगार के साथ कार्य कुशलता प्राप्त होगी, जो अन्य लोगों के लिए रोजगार उपलब्ध करवाने में सक्षम सिद्ध होगी। श्री मल्होत्रा ने सम्मान के लिए एचएल भूटानी एवं काउंसिल के सदस्यों का आभार व्यक्त करते भविष्य में टीम भावना के अनुरूप कौशल विकास के क्षेत्र में अपना समर्पण और प्रतिबद्धता जारी रखने का आह्वान किया। श्री मल्होत्रा को फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के उपप्रधान शम्मी कपूर, फरीदाबाद आईएमटी इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रधान वीर भान शर्मा के साथ साथ एमएल शर्मा, एएन शर्मा, संजय वधावन, तरुण गुप्ता, सत्यवान समरीवाल, दीपक प्रसाद, बेचू गिरी आदि ने अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं प्रकट कीं।

स्त्री शक्ति

उल्लेखनीय परिघटना

भारत के विभिन्न क्षेत्रों में स्त्री शक्ति का उभार स्त्रियों व स्त्रीत्व का सम्मान प्रकट करता है। हाल के वर्षों में भारत में यह उल्लेखनीय व प्रेरणादायक परिघटना उभरी है कि सभी क्षेत्रों में स्त्रियों ने असाधारण प्रगति की है। बिजनेस से लेकर चिकित्सा, राजनीति, शिक्षा, विज्ञान एवं तकनीक आदि में भारतीय स्त्रियां सीमायें तोड़ रही हैं, पूर्वाग्रह नष्ट कर रही हैं तथा परंपरागत पुरुष प्रभुत्व वाले क्षेत्रों में लंबी छलांग लगा रही हैं। इस सशक्तीकरण को उचित ही 'स्त्री शक्ति' के रूप में परिभाषित किया गया है जिसमें राष्ट्र की महिलाओं की शक्ति, दृढ़ता और क्षमता रेखांकित होती है। हाल के समय में नेतृत्वकारी भूमिकाओं और उद्यमिता में स्त्रियों की बढ़ती भूमिका सर्वाधिक उल्लेखनीय है। महिलाओं के नेतृत्व वाले बिजनेस फल-फूल रहे हैं। वे न केवल राष्ट्र की आर्थिक प्रगति में योगदान कर रहे हैं, बल्कि परंपरागत जेंडर भूमिकाओं को भी चुनौती दे रहे हैं। टेक स्टार्टअप से लेकर परंपरागत उद्यमों तक में महिला उद्यमियों ने अपने लिए विशिष्ट स्थान बना कर सिद्ध किया है कि जेंडर सफलता की राह में बाधा नहीं है। विज्ञान और तकनीक में महिलायें असाधारण योगदान कर खोज का परिदृश्य पुन: परिभाषित कर रही हैं। भारत में महिला वैज्ञानिकों, इंजीनियरों व खोजियों की संख्या बढ़ी है जो सक्रिय रूप से अद्यतन शोध और तकनीकी प्रगति में अपना योगदान कर रही हैं। महिलाओं की उपलब्धियों से न केवल इन क्षेत्रों में भारत की प्रगति को गति मिलती है, बल्कि वे महिलाओं की अगली पीढ़ी को विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग व गणित-स्टेम क्षेत्रों में कॅरियर बनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

यह वास्तव में गर्व का विषय है कि अनेक स्त्रियों ने सफल चंद्रयान-3 में अपना योगदान किया जिससे उनकी प्रतिबद्धता का पता चलता है। इसके साथ ही भारत में स्वास्थ्यरक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव आ रहा है जिसका कारण चिकित्सा क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती संख्या है। महिला डाक्टर, शोधकर्ता तथा स्वास्थ्यरक्षा पेशेवर चिकित्सा विज्ञान में महत्वपूर्ण खोजों और प्रगति में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उनका योगदान परंपरागत स्वास्थ्यरक्षा भूमिकाओं से आगे जा रहा है, स्वास्थ्यरक्षा नीतियों को प्रभावित कर रहा है तथा शोध एवं समाज की बेहतरी में समग्र योगदान कर रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं ने शिक्षकों, प्रशासकों व शोधकर्ताओं के रूप में शानदार भूमिका निभाई है। महिला विद्वान अध्ययन के अनेक क्षेत्रों में अपना योगदान करते हुए नए दृष्टिकोण तथा अकादमिक अंतर्दृष्टि विकसित कर रही हैं। 'स्त्री शक्ति' के उभार का उत्सव मनाने के साथ ही महिलाओं के समक्ष मौजूद चुनौतियों का उल्लेख करना भी जरूरी है जिनका सामना उनको पेशेवर प्रगति के मार्ग में करना पड़ता है। हालांकि, जेंडर पूर्वाग्रह, पूर्वाग्रह तथा व्यवस्थागत बाधायें अभी बनी हुई हैं, लेकिन भारत में महिलाओं ने अपनी दृढ़ता एवं प्रतिबद्धता से इन बाधाओं को तोड़ा है। सार्वजनिक और निजी संगठन जेंडर विविधता का महत्व स्वीकार करते हुए सक्रिय रूप से ज्यादा समावेशी कार्यस्थितियां बनाने का प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' आह्वान निश्चित रूप से एक प्रशंसनीय कदम है, पर लोगों की सोच में परिवर्तन असली चुनौती है। भारत में 'स्त्री शक्ति' के विकास का संबंध केवल वर्तमान उपलब्धियों से न होकर महिलाओं की भावी पीढ़ियों के लिए रास्ता खोलने से भी है। इस प्रकार वास्तव में 'स्त्री शक्ति' का उत्सव विविधता, समानता तथा प्रगति के पथ पर महिलाओं की सामूहिक शक्ति का उत्सव है।

हिन्दू-मुस्लिम एकता का मार्ग

अयोध्या में भव्य राम मंदिर में ऐतिहासिक प्राण प्रतिष्ठा आयोजन न केवल महत्वपूर्ण क्षण है, बल्कि यह सुलह-समझौते का आह्वान भी है।

प्रफुल्ल गोराडिया
(लेखक, पूर्व राज्यसभा सदस्य हैं)

अयोध्या में भव्य राम मंदिर में ऐतिहासिक प्राण प्रतिष्ठा आयोजन न केवल महत्वपूर्ण क्षण है, बल्कि यह सुलह-समझौते का आह्वान भी है। राम मंदिर ने हिंदू-मुस्लिम एकता का मार्ग भी प्रशस्त किया है। इसे लेकर अतीत में लंबे समय से विवाद और संघर्ष रहा है। लेकिन हर संघर्ष और हर विवाद का अंत होना चाहिए। इस तथ्य से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि हत्याओं को आसानी से भुलाया जा सकता है, पर इमारतों का विध्वंस आसानी से नहीं भूलता है। जब किसी ईश्वरीय धर्मस्थल को नष्ट किया गया हो तो इसे भुलाया नहीं जा सकता है। किसी भी हिंदू के लिए मंदिर ईश्वर का निवासस्थान होता है।

इसका कारण यह है कि मानव आत्मा अपने विकास से ईश्वर से मिलती है या उसमें ईश्वरीय प्रकृति के दर्शन होते हैं। स्वामी रामकृष्ण परमहंस में इसी प्रकार ईश्वरीय आत्मा के दर्शन होते थे। हिंदू मंदिर अपनी प्रकृति से साइनागोग, चर्च या मस्जिद से अलग होते हैं क्योंकि ये सभी केवल प्रार्थना स्थल होते हैं। यहूदी, ईसाई या मुसलमान अपने पूजास्थलों या प्रार्थनास्थलों को ईश्वर का निवासस्थान नहीं मानते हैं। 22 जनवरी, 2024 को अयोध्या के भव्य राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो चुकी है। यह एक ऐतिहासिक घटना है। हिंदुओं ने बहुत लंबे संघर्ष के बाद इसे संभव बनाया है तथा हजारों लोगों ने इसके लिए बलिदान दिया व मंदिर निर्माण में सहयोग दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा श्री रामलला की अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा एक प्रकार से भगवान राम की इस धरती पर 500 साल बाद वापसी है। इसके लिए लंबे समय तक प्रतीक्षा करनी पड़ी, असंख्य युद्ध हुए तथा लाखों लोगों ने बलिदान दिए।

हमलावर मुगल बादशाह बाबर के सेनापति मीर बाकी ने 1528 ईस्वी में अयोध्या में जन्मस्थान पर बना मूल मंदिर नष्ट कर दिया था। इसके बाद से हिंदुओं ने कभी जन्मस्थान पर अपना दावा नहीं छोड़ा और इसके लिए बार-बार युद्ध किए। जन्मस्थान पर राम मंदिर के लिए रामभक्त हिंदुओं के युद्धों का इतिहास बहुत लंबा है। आखिरकार 6 दिसंबर, 1992 का दिन आया जब बाबरी मस्जिद कहे जाने वाले ढांचे को मिट्टी में मिला दिया गया। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है अब सुलह-समझौते का समय आ गया है।

गुजरात में वेरावल के निकट प्रभासपटन में स्थित सोमनाथ मंदिर को तुर्क हमलावर महमूद गजनी ने 1026 ईस्वी में नष्ट कर दिया था। लेकिन एक हजार साल बाद भी हिंदुओं की स्मृति में यह उपज्य अपराध धुंधला नहीं हुआ था। इस घटना के बाद भारत में विदेशी मुस्लिम हमलावरों द्वारा हजारों मंदिर नष्ट कर दिए गए या उनको अपवित्र किया गया। यूरोपीय परंपराओं और उनके द्वारा की जाने वाली राजनीति के आधार पर इन नष्ट या अपवित्र किए मंदिरों का विवाद निपटाया जा सकता था। यह विवाद उसी समय निपटाया जा सकता था जब भारत 1947 के पहले देश-विभाजन और पाकिस्तान बनाने पर सहमति जताई थी। इस नुकसान की भरपाई पाकिस्तान को आबंटित परिसंपत्तियों से की जा सकती थी। लेकिन विडंबना है कि ऐसा कुछ नहीं किया गया, बल्कि इसके उलट इस्लामी चरमपंथियों ने भारत के शासन वाली कश्मीर घाटी में अनेकानेक मंदिरों को नष्ट कर दिया। अब भारत की स्वतंत्रता के बाद एक शताब्दी का तीन चौथाई हिस्सा बीत चुका है। निश्चित रूप से बहुत लंबा समय बीत गया है और इस बीच सुलह-समझौते की प्रक्रिया पूरी हो जानी चाहिए थी। यदि दोनों समुदाय एक ही देश में परस्पर सौहार्द से एकसाथ रहना चाहते तो यह प्रक्रिया पूर्ण हो जानी चाहिए थी। ऐसे में सवाल उठता है कि सुलह-समझौते के लिए आवश्यक संकेत क्या होना चाहिए?

मोटेतौर से कहा जाए तो नष्ट किए मंदिरों को दो श्रेणियों में बांटा जा सकता है। 1451 में शुरू लोदी सुल्तानों के कार्यकाल में उनका शासन उत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों तक फैला था, उस समय देश पर हमला करने वाले इस्लामी आक्रमणकारी अपने साथ भवन-निर्माता नहीं लाते थे और न बाद में उनको लाने का प्रयास होता था। इसलिए लोदी-पूर्व मुस्लिम सुल्तानों ने मंदिरों को मस्जिद में बदलने के लिए पवित्र गर्भगृह में स्थित मूर्तियां तोड़ी तथा मंदिर के ढांचे को तोड़ कर उनके स्थान पर महराबें बना दीं। यह मस्जिद का अनिवार्य अंग होता है जो 'किब्ला' या काबा या मक्का की ओर संकेत करता है। इसके साथ ही सीढ़ियों वाला एक मीनार या मिनबार या मिंबर होता है जहां हर शुक्रवार को इमाम खड़ा होकर खुतबा या इस्लामी उपदेश देता है। अनेक मंदिरों को इस प्रकार तोड़ कर मस्जिदों में बदल दिया गया। इस परिवर्तन का एक प्रमुख उदाहरण 'ढाई दिन का झोंपड़ा' है जो लोकप्रिय अजमेर शरीफ दरगाह से लगभग एक फर्लांग दूर है। इस विचित्र नाम से ही इसके परिवर्तन का संकेत मिलता है। इससे मूल हिंदू मंदिर को अपवित्र कर 60 घंटे में मस्जिद बनाने का प्रमाण मिलता है क्योंकि शहाबुद्दीन गोरी अजमेर से लौटते समय वहां नमाज पढ़ने की जल्दी में था। उसके गुलाम कुतुबुद्दीन एबक ने अपने मालिक का हुक्म मान कर ढाई दिन में बादशाह के नमाज पढ़ने का स्थान बना दिया था। वहां प्राचीन मंदिर वातव में तीन मंदिरों का समुच्चय था जिसे जल्दी से मिला कर मस्जिद जैसी संरचना में बदला गया था। इसलिए यह आज भी ऐसी स्थिति में है कि इसे इतनी ही जल्दी पुन: मंदिर में बदला जा सकता है।

ऐसे लगभग 200 से 300 हिंदू मंदिर हैं जिनको मस्जिदों में बदला गया है। सुलह-समझौते के दृष्टिकोण से इनको हिंदू संस्थानों को वापस किया जा सकता है, जबकि हजारों अन्य अधिक परिवर्तित मंदिरों को फिलहाल भविष्य के लिए छोड़ा जा सकता है। ऐसे अनेक मंदिर हैं जिनको लगभग नीव तक तोड़ा गया और उनके मलबे का प्रयोग उसी स्थान पर मस्जिद बनाने में किया गया। मस्जिद बनाने में मंदिरों के मलबे का प्रयोग इस्लामी शैली में किया गया। देश में ऐसे हजारों मंदिर हैं जिनको मस्जिदों में बदला गया। इनको सूचीबद्ध किया गया है तथा उनकी पहचान दस्तावेजी प्रमाणों या अभिलेखों के आधार पर की गई है। इन ढांचों को भविष्य के लिए यथास्थिति में इस शर्त और माफी के साथ छोड़ा जा सकता है कि मंदिरों को नष्ट करने या उनको अपवित्र करने की घटनायें भविष्य में नहीं होंगी। यह वादा भी किया जाना चाहिए कि हिंदू संस्थानों और संगठनों को वापस किए गए ऐसे बहाल मंदिरों को स्थाई रूप से दिया जाएगा तथा भविष्य में इनके बारे में कोई दावे नहीं किए जाएंगे।

हालांकि, सुलह-समझौते की इस प्रक्रिया में अन्य मुद्दे भी अपरिहार्य रूप से सामने आएंगे। सुलह-समझौते की प्रक्रिया में समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दे भी शामिल हैं जो भारतीय संविधान का हिस्सा हैं, लेकिन इनको मूलाधिकार के बजाय संविधान के नीति निर्देशक सिद्धान्तों में रखा गया है। इसके साथ ही पुराना और मृतप्राय वक्फ कानून है जिससे हिंदू व अन्य धर्मावलंबियों की तुलना में मुसलमानों को असाधारण रूप से बहुत अधिकार मिल जाते हैं। पूर्व चांसलर ए.ए.ए. फैजी ने इसे 'डेड हैंड' कहा था। मुस्लिम वक्फ कानून अंग्रेज शासनकाल से लागू है जो हिंदू 'दानदाता संस्थाओं' से एकदम उलट है। जहां हिंदू दानदाता संस्थाओं के लाभार्थियों में आम लोगों को शामिल होना जरूरी है, वहीं मुस्लिम वक्फ कोई केवल अपनी संतानों या रिश्तेदारों के लाभ के लिए बना सकता है।

मुस्लिम वक्फ कानून के कारण जहां स्वतंत्रता के बाद हिंदू जमींदारियों का जमींदारी उन्मूलन कानून से समापन कर दिया गया था, वहीं प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से मुस्लिम जमींदारियां बनी रहीं। यदि भारत में वर्तमान समय में हिंदू व मुस्लिम समुदायों के बीच सुलह-समझौते की प्रक्रिया शुरू की जाती है तो इस बात का ध्यान रखना होगा कि दोनों समुदायों के बीच कोई मुद्दा लंबित न रहने पाए। इस प्रकार के सुलह-समझौते से ही दोनों समुदायों के बीच शांति और सद्भावना स्थापित होगी।

पद्म पुरस्कारों के गुमनाम विजेता

> हम अक्सर उन हजारों वास्तविक वैज्ञानिकों को भूल जाते हैं जो अपने पूर्वजों से सदियों से एकत्र किए गए ज्ञान का उपयोग करके क्षेत्र में काम करते हैं।

बीजू धर्मपालन
(लेखक, एक स्तम्भकार हैं)

भारत में प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान, पद्म पुरस्कारों की घोषणा हर साल गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की जाती है। इन पुरस्कारों का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियों को स्वीकार करना है जहां सार्वजनिक सेवा का एक घटक स्पष्ट है। पद्म पुरस्कारों का इतिहास 1954 से मिलता है जब भारत सरकार ने दो नागरिक पुरस्कारों-भारत रत्न और पद्म विभूषण की स्थापना की थी। उत्तरार्द्ध में शुरू में तीन वर्ग थे: पहला वर्ग, दूसरा वर्ग, और तीसरा वर्ग। बाद में 8 जनवरी, 1955 को जारी एक राष्ट्रपति अधिसूचना के माध्यम से इनका नाम बदलकर पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री कर दिया गया।

हालांकि पद्म पुरस्कार 1954 से विभिन्न प्रतिष्ठित लोगों को दिया जाता रहा है, लेकिन 2014 के बाद से ही इसने आम आदमी पर ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया। उस समय तक, किसी सामान्य व्यक्ति के लिए पुरस्कार प्राप्त करना एक दूर का सपना था। यहां तक कि जब हम प्रयोगशाला में काम करने वाले किसी वैज्ञानिक को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए पहचानते हैं, तब भी हम अक्सर उन हजारों वास्तविक वैज्ञानिकों को भूल जाते हैं जो अपने पूर्वजों से सदियों से एकत्र किए गए ज्ञान का उपयोग करके क्षेत्र में काम करते हैं। ऐसे महान किसान हैं जो नई पौधों की किस्में और खेती पैकेज विकसित कर रहे हैं। ऐसे महान आदिवासी चिकित्सक हैं जो आधुनिक विज्ञान के मामूली ज्ञान के बिना भी बीमारियों का इलाज कर सकते हैं। ऐसे महान संरक्षण जीवविज्ञानी हैं जो पारिस्थितिकी की समझ के बिना प्रकृति का संरक्षण करना जानते हैं। ऐसे उत्कृष्ट जलवायु विज्ञानी हैं जो प्रकृति में होने वाले परिवर्तनों को देखकर ही मौसम की भविष्यवाणी कर सकते हैं। खगोल विज्ञान, धातु विज्ञान, इंजीनियरिंग और अन्य क्षेत्रों में अनुकरणीय लोग काम कर रहे हैं। ये लोग समाज के हित के लिए निस्वार्थ भाव से काम

करते हैं, बिना यह समझे कि समाज के लिए उनके काम का क्या महत्व है। प्रत्येक वास्तुशिल्प चमत्कार या कलात्मक कार्य के पीछे, हमारी कुशल श्रम शक्ति की शिल्प कौशल है। दुर्भाग्य से, लोग केवल तैयार उत्पाद को पहचानते हैं, उस हाथ को नहीं जिसने इसे घटित किया।

ऐसे हजारों लोग हैं जो बिना किसी का ध्यान आकर्षित किए हमारे बीच रहते हैं। हो सकता है कि उनके पास पीएचडी डिग्री या पेशेवर डिग्री न हो, लेकिन उनका ज्ञान और वैज्ञानिक कौशल एक प्रशिक्षित वैज्ञानिक से कहीं अधिक है। 110 पद्म श्री पुरस्कार विजेताओं की हालिया सूची में, यह घोषणा की गई थी कि 34 ऐसे सामान्य लोग थे, जिनमें से एक तिहाई से अधिक आदिवासी हैं या जिन्होंने आदिवासी कल्याण के लिए काम किया है। प्रमुख गुमनाम नायकों में असम के गोलपाराहाट की एक महिला हाथी प्रशिक्षक पारबती बरुआ शामिल हैं, जिन्हें प्यार से हाथी की परी के नाम से जाना जाता है। गहरी जड़ें जमा चुकी रूढ़िवादिता को खारिज करते हुए, बरुआ ने मानव-हाथी संघर्ष को संबोधित करने के लिए चार दशक समर्पित किए हैं। उनकी वैज्ञानिक कार्यप्रणाली ने पारंपरिक मानदंडों को चुनौती देने की प्रभावशीलता को दर्शाते हुए, परेशान करने वाले दांतों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने और पकड़ने में तीन राज्य सरकारों का समर्थन किया है।

कृषक समुदाय राष्ट्र और मानवता के लिए महान सेवा कर रहा है। यह प्रशंसनीय है कि कई किसानों को इस वर्ष की पद्म सूची में जगह मिली। कासरगोड के चावल किसान सत्यनारायण बेलेरी अपने खेत में बिना किसी परिष्कृत बुनियादी ढांचे के 650 पारंपरिक चावल किस्मों का संरक्षण करते हैं, जो आईसीएआर संस्थान भी नहीं करते हैं। जिन अन्य किसानों को मान्यता दी गई उनमें चिरांग, असम के आदिवासी किसान सरवेश्वर बसुमतारी; के चेल्लम्मल, अंडमान के एक जैविक किसान; अरुणाचल प्रदेश के यानुंग जमोह लेगो और गोवा के संजय अनंत पाटिल। प्रकृति संरक्षण, लोक कला और शिल्प कौशल में काम करने वाले कई लोगों को भी मान्यता दी गई है।

इन असाधारण लोगों ने जो ज्ञान अर्जित किया वह पीढ़ी दर पीढ़ी मौखिक रूप से पारित होता रहा और इसे ठीक से प्रलेखित नहीं किया गया है। ज्ञान केवल करीबी परिवार के सदस्यों के बीच ही साझा किया जाता है। ज्यादातर मामलों में, दूसरी पीढ़ी पारंपरिक कार्यबल से हटकर अधिक आकर्षक शहरी नौकरियों की ओर बढ़ रही है। लंबे समय में, यदि इस पारंपरिक ज्ञान को लेने वाले कोई नहीं होंगे, तो यह विलुप्त हो जाएगा, जैसा कि भारतीय ज्ञान प्रणाली के साथ हुआ। ऐसे लोगों को पहचानने की मोदी सरकार की पहल अभी भी प्रचलित भारतीय ज्ञान के अवशेषों को संरक्षित करने की एक भविष्यवादी दृष्टि है। इससे उनके समुदाय में उनके पूर्वजों द्वारा किए जा रहे महान कार्यों को आगे बढ़ाने में रुचि जागृत होगी। पद्मश्री जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार से मान्यता मिलने से उन्हें समाज के अन्य सदस्यों से भी सम्मान मिलेगा। सरकार ने पद्म पुरस्कार को आम आदमी के लिए सुलभ बनाकर आत्मविश्वास और अपने काम के प्रति प्रशंसा की भावना को बढ़ावा दिया है।

आप की बात

नीतीश का फैसला

लोकसभा चुनाव से पहले नीतीश कुमार द्वारा बिहार में भाजपा के साथ सरकार बनाने के फैसले से राजद व कांग्रेस को बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। वर्तमान स्थितियों को देखते हुए कांग्रेस को गठबंधन पर नए सिरे से विचार करना चाहिए। ममता बनर्जी और पंजाब में आम आदमी पार्टी-आप अकेले चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस को सबसे बड़ा झटका बिहार में नीतीश कुमार ने दिया है। विडंबना है कि नीतीश कुमार ने ही सबसे पहले विपक्षी एकता के प्रयास शुरू किए थे और विपक्षी गठबंधन इंडिया की पहली बैठक पटना में हुई थी। नीतीश के इस फैसले के निहितार्थों पर गौर करना होगा। एक ओर तो कांग्रेस उनको इंडिया का समन्वयक या प्रधानमंत्री पद का चेहरा नहीं बनाना चाहती थी, वहीं दूसरी ओर लालू यादव शायद अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाने और नीतीश को राष्ट्रीय राजनीति में धकेलने का दबाव डाल रहे थे। ऐसे में नीतीश के सामने एक ओर कुंआ और दूसरी ओर खांई वाली स्थिति थी। बिहार में संभवत: राजद के कारण कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति से नीतीश की सुशासन बाबू वाली छवि खराब हो रही थी। इन सभी चीजों को देखते हुए उन्होंने भाजपा के साथ जाने में ही अपनी भलाई समझी। अब देखना होगा कि बिहार सरकार लोकसभा चुनाव के पहले कैसा प्रदर्शन करती है।

– वीरेंद्र कुमार जाटव, दिल्ली

जन-नायक को भारत रत्न

जननायक कर्पूरी ठाकुर ने समाजवादी और समाज-सुधारक नेता के रूप में अमिट छाप छोड़ी है। उनको भारत रत्न सम्मान देना स्वयं इस सम्मान का भी सम्मान है। 1952 से 1985 तक विधायक रहे ठाकुर दिसंबर 1970 में बिहार के मुख्यमंत्री बने। जून 1977 में उन्होंने जनता पार्टी के मुख्यमंत्री की भूमिका निभाई। कर्पूरी ठाकुर ने हिंदी को बढ़ावा देने, उर्दू को दूसरी आधिकारिक भाषा घोषित करने, स्कूली फीस माफ करने और पंचायती राज प्रणाली को मजबूत करने जैसी व्यापक नीतियां लागू कीं। उनका सबसे महत्वपूर्ण योगदान 1978 की आरक्षण प्रणाली थी। उन्होंने मुंगेरीलाल आयोग रिपोर्ट लागू की जिसमें जिसमें 26 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान था। उनकी सादगी और ईमानदारी के लिए उन्हें समाज का हर तबका याद करता है। लोगों की नजर में जननायक के रूप में उनकी छवि बनी हुई है। कर्पूरी ठाकुर को ऐसे समय भारत रत्न से सम्मानित किया गया है, जब देश की राजनीति एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कर्पूरी ठाकुर के योगदान पर एक विशेष लेख लिखा जिसे मीडिया ने महत्वपूर्ण स्थान दिया। कर्पूरी ठाकुर का जीवन आज के अनेक नेताओं के लिए सबक है जो केवल अपने वंश-परिवार के कल्याण की ही चिन्ता करते हैं।

– तारामुनी देवी, वैशाली

मोदी-फोबिया के शिकार

देश के प्रधानमंत्री के किसी भी धार्मिक समारोह में शामिल होने पर किसी प्रकार की कोई संवैधानिक रोक नहीं है। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के समय देश भर में मने जश्न और प्रतिदिन बड़ी संख्या में अयोध्या जाने वाले श्रद्धालुओं को देख कर अधिकांश विपक्षी नेताओं को-मोदी फोबिया हो गया है। वे मोदी के वहां जाने पर आपत्ति उठाने लगे हैं। कभी मंदिर के पूरा निर्माण नहीं होने तो कभी शंकराचार्यों के न जाने, आदि को लेकर मोदी पर हमला बोला जा रहा है। मगर उनकी यही कटुता जनता को मोदी के पक्ष में और मजबूती से ला रही है। विपक्षी भले ही प्राण प्रतिष्ठा के राजनीतीकरण का दावा करें, पर आम जनता अच्छी तरह जानती है कि यदि मोदी प्रधानमंत्री न होते तो अयोध्या में राम मंदिर बनना शायद संभव ही नहीं होता। विपक्षियों द्वारा जितनी हल्की भाषा मोदी और हिंदू धर्म के बारे में प्रयोग की जा रही है उतना ही हिंदू मोदी और भाजपा के पक्ष में एकजुट होता जा रहा है। अब मोदी सरकार के एक बार फिर आने पर कोई संदेह नहीं है और अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के बाद राम मंदिर देखने के लिए उमड़ते श्रद्धालुओं की भीड़ निश्चित रूप से भाजपा को 400 से अधिक ले जाने में अपना योगदान कर रही है।

– विभूति बुपक्या, खाचरोद

बिहार में बदलाव

बिहार में नीतीश कुमार ने फिर पाला बदल कर एनडीए के साथ सरकार बना लीं। पहले रामविलास पासवान को राजनीतिक मौसम विज्ञानी कहा जाता था, अब नीतीश ने उनका स्थान ले लिया है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद हवाओं का रुख देखते हुए नीतीश ने अपना भविष्य सुरक्षित रखने के लिए बीजेपी से हाथ मिलाना पसंद किया है। बीजेपी ने भी बिहार में अधिकतम लोकसभा सीट पाने के लिए नीतीश से गठबंधन को सर्वाधिक अनुकूल माना है। इस पूरे घटनाक्रम ने विपक्षी इंडिया गठबंधन के ताबूत मे अन्तिम खील ठोंक दी है। बिहार में बदलाव का सर्वाधिक खामियाजा कांग्रेस को ही उठाना पड़ेगा। नीतीश, ममता और मायावती द्वारा झटका देने के बाद अब अखिलेश ने भी यूपी में मात्र 11 सीटें देने का ऐलान करके कांग्रेस की रही सही साख को भी मिट्टी में मिला दिया है। हालांकि, कांग्रेस के प्रति अखिलेश का रुख अब भी दूसरे नेताओं की तुलना में नरम लगता है क्योंकि 2019 में कांग्रेस को प्रदेश की 80 सीटों में से केवल एक ही मिली थी। देखना होगा कि बिहार में बदलाव की हवा चुनाव तक क्या रंग दिखाती है।

–सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

त्वरित व संतुष्टिपरक हो लोगों की समस्याओं का समाधान: मुख्यमंत्री

● जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन सोमवार को लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया कि लोगों की समस्याओं का निस्तारण उनकी सरकार की प्राथमिकता है, इसलिए पीड़ितों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेते हुए उनका समाधान त्वरित और संतुष्टिपरक तरीके से कराना सुनिश्चित कराएं।

सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद गए और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। सबको आश्वस्त किया कि किसी को भी चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, सबकी समस्या का समाधान हर हाल में किया जाएगा। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं जमीन से जुड़े विवादों में प्रार्थना पत्र लेकर पहुंची थीं। कुछ की शिकायत थी कि दबंग उनकी जमीनों पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं।

इन शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जमीन कब्जाने में पेशेवर प्रवृत्ति वालों को भू माफिया के रूप में चिन्हित कर सख्ती की जाए। किसी भी गरीब की जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई करें जो नजीर बने। जमीनी विवादों का समाधान तत्परतापूर्वक इस तरह होना चाहिए जिससे पीड़ित व्यक्ति संतुष्ट दिखे। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरितए गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए।

जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को सीएम योगी ने आश्वस्त किया कि पैसे की तंगी से किसी का भी इलाज नहीं रुकने दिया जाएगा। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया कि संबंधित मरीज के इलाज संबंधी इस्टीमेट की प्रक्रिया को पूर्ण कर इसे जल्द से जल्द शासन को उपलब्ध कराया जाए। इस्टीमेट मिलते ही इलाज के लिए धन अवमुक्त हो जाएगा। जनता दर्शन के दौरान कुछ महिलाओं संग पहुंचे उनके बच्चों को मुख्यमंत्री ने प्यार-दुलार और आशीर्वाद देते हुए चॉकलेट दिया।

पुलिस भर्ती बोर्ड ने ऑनलाइन आवेदन की तिथि कल रात 12 बजे तक बढ़ाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने पुलिस सब इंस्पेक्टर (गोपनीय), पुलिस सहायक सब इंस्पेक्टर (लिपिक) और पुलिस सहायक सब इंस्पेक्टर (लेखा) के 921 पदों पर सीधी भर्ती के लिए आनलाइन आवेदन की तिथि 31 जनवरी को रात्रि 12 बजे तक के लिए बढ़ा दिया है। प्रोग्रामर ग्रेड-टू और कंप्यूटर आपरेटर ग्रेड-ए के 55 पदों पर भर्ती के लिए आनलाइन आवेदन की तिथि भी 31 जनवरी को रात्रि 12 बजे तक के लिए बढ़ा दी गई है। प्रोग्रामर ग्रेड-टू और कंप्यूटर आपरेटर ग्रेड-ए के 55 पदों पर भर्ती के लिए आनलाइन आवेदन की तिथि भी 31 जनवरी को रात्रि 12 बजे तक के लिए बढ़ा दी गई है। यूपीपीबीपीबी की इस भर्ती में आवेदन करने की इच्छुक अभ्यर्थी यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर 31 जनवरी 2024 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। तीनों पदों पर भर्ती के लिए आनलाइन आवेदन और शुल्क जमा होने की अंतिम तिथि पहले 28 जनवरी थी जबकि शुल्क समायोजन एवं आवेदन में संशोधन की अंतिम तिथि 30 जनवरी थी। भर्ती बोर्ड ने तीनों के लिए आवेदन की तिथि बढ़ाने के साथ ही शुल्क समायोजन एवं आवेदन में संशोधन की अंतिम तिथि को भी 2 फरवरी 2024 को रात्रि 12 बजे तक बढ़ा दिया है। यह फैसला 25 से 28 जनवरी तक सार्वजनिक अवकाश होने से अभ्यर्थियों को आ रही दिक्कतों के कारण लिया गया है।

मुख्यमंत्री ने किया रुद्राभिषेक, देवाधिदेव से की लोकमंगल की प्रार्थना

● वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन के साथ पूर्ण हुआ अनुष्ठान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/गोरखपुर

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह रुद्राभिषेक एवं अनुष्ठान पूर्ण कर देवाधिदेव भगवान भोलेनाथ से लोकमंगल एवं जगत के कल्याण की प्रार्थना की। ऐसी मान्यता है कि कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को रुद्राभिषेक करने से भगवान शिवशंकर अत्यंत प्रसन्न होते हैं। और ऐसा करने वालों की सभी मनोकामना पूरी करते हैं, 'भोलेनाथ'। मठ के प्रथम तल पर स्थित शक्ति मंदिर में सीएम योगी ने देवाधिदेव महादेव को विल्व पत्र, कमल पुष्प आदि अर्पित करने कर बाद रुद्राभिषेक किया। मठ के विद्वत पुरोहितगण ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कराया।

रुद्राभिषेक के बाद उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन व आरती की। विधि विधान से पूर्ण हुए अनुष्ठान के उपरांत उन्होंने प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की। रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर की गौशाला में गोसेवा की। उन्होंने गोवंश का हाल जाना और उन्हें अपने हाथों से गुड़-रोटी खिलाया। गोशाला का भ्रमण कर सीएम योगी ने श्यामा, गौरी, गंगा, भोला आदि नामों से गोवंश को पुकारा। सीएम योगी की जानी पहचानी आवाज सुनते ही गोवंश दौड़ते-मचलते उनके पास आ गए। सीएम योगी ने गोवंश के माथे पर हाथ फेरा, उन्हें खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़-रोटी खिलाया। मुख्यमंत्री ने गोशाला के कार्यकर्ताओं से सभी गोवंश के स्वास्थ्य व पोषण की जानकारी ली और अत्यंत सर्दी के इस मौसम में विशेष देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए।

गुरुओं को शीश नवा अयोध्या पहुंचे योगी, रामलला और हनुमानगढ़ी के किए दर्शन

● एक महीने में पांचवीं बार मुख्यमंत्री ने किया श्रीरामलला का दर्शन पूजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ अयोध्या

मुख्यमंत्री योगी सोमवार को अयोध्या पहुंचे। यहां उन्होंने सबसे पहले हनुमानगढ़ी के दर्शन-पूजन किए। संकट मोचन हनुमान के दर्शन कर सीएम योगी आदित्यनाथ ने सुखी-स्वस्थ उत्तर प्रदेश की कामना की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने श्रीरामलला के दर्शन किए। मुख्यमंत्री ने इस दौरान यहां पर श्रद्धालुओं के लिए की गई सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सीएम योगी गोरखपुर में अपने गुरुओं को शीश नवाकर दोपहर में अयोध्या पहुंचे। सोमवार को रामनगरी पहुंचने पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों ने सीएम योगी आदित्यनाथ का स्वागत किया। जनवरी माह में सीएम योगी का रामनगरी का यह छठवां दौरा है। इससे पहले मुख्यमंत्री 9 जनवरी, 14 जनवरी, 19 जनवरी, 21-22 जनवरी और 23 जनवरी को अयोध्या पहुंचे थे। सोमवार को मुख्यमंत्री ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों से मंदिर परिसर में व्यवस्थाओं के संदर्भ में ना केवल जानकारी ली बल्कि खुद जमीनी स्तर पर व्यवस्थाओं को परखा और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। सीएम योगी ने इस दौरान दर्शनार्थियों से भी बातचीत करके फीडबैक लिया। हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन के उपरांत मुख्यमंत्री योगी ने रामलला के दर्शन-पूजन किए। वहीं मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं से व्यवस्था की जानकारी ली। सीएम योगी ने रामलला के मंदिर में भी प्रभु श्रीराम से प्रदेशवासियों के सुख और समृद्धि की कामना की।

हर रामभक्त की सुरक्षा, सुविधा और सुगम दर्शन के लिए सेवारत है सरकार

अयोध्या। सीएम योगी आदित्यनाथ ने श्रीरामलला के दर्शन-पूजन के लिए देशभर से अयोध्या आ रहे श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुगम दर्शन के लिए राज्य सरकार को सेवारत बताया है। सोमवार को अयोध्या पहुंचे मुख्यमंत्री ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर स्थित कंट्रोल रूम में प्रदेशए जोन और जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि अब चूंकि मौसम खुलने लगा है और ठंड में भी कमी देखने को मिल रही है, लिहाजा अयोध्या आने वाले पर्यटकों और रामभक्तों की संख्या में बढ़ोतरी होगी। ऐसे में सभी श्रद्धालुओं को सुगमता पूर्वक भगवान रामलला के दर्शन हों, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देशित करते हुए कहा कि श्रद्धालुओं की भीड़ को हर स्तर पर नियंत्रित रखा जाए।

यूपी के धान किसानों को 10145 करोड़ से अधिक का भुगतान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में किसानों से धान खरीद जारी है। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर निरंतर यह खरीद जारी है। विगत दिनों सीएम ने निर्देश दिया था कि जब तक एक भी किसान का धान शेष रहेगा, क्रय प्रक्रिया जारी रहेगी। क्रय केंद्रों पर उन्हें परेशानी न हो, मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप इस पर भी विशेष नजर है। साथ ही किसानों को समय से भुगतान भी किया जा रहा है। अब तक सात लाख 37 हजार से अधिक किसानों से धान की खरीद हो चुकी है और इन्हें 10145 करोड़ से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। सामान्य धान का समर्थन मूल्य 2183 रुपए व ग्रेड ए का समर्थन मूल्य 2203 रुपए प्रति कुंतल निर्धारित किया गया है। अब तक 5160 से अधिक क्रय केंद्रों से धान की खरीद की गई है। सोमवार तक 4962313.13 मीट्रिक टन से अधिक की धान खरीद हो चुकी है। इसमें 690480.74 मीट्रिक टन हाइब्रिड धान और कॉमन धान 4271832.38 मीट्रिक टन की खरीद हुई। यूपी के 737629 किसान लाभान्वित हो चुके हैं। लक्ष्य के सापेक्ष 70.89 से अधिक धान क्रय किया जा चुका है। इस मद में किसानों को 10145.76 करोड़ रुपए का भुगतान हो गया है।

भाजपा को लोकसभा चुनाव में जनता सबक सिखाएगी: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को कहा कि देश में महंगाई, बेरोजगारी, चरम पर है। भाजपा सरकार महंगाई रोकने में पूरी तरह विफल रही। भाजपा सरकार में बढ़ती महंगाई बेरोजगारी ने जनता की कमर तोड़ दी है। जनता 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को सबक सिखाएगी। भाजपा लोकसभा चुनाव हारेगी। अखिलेश ने कहा कि पिछले दस साल में महंगाई कई गुना बढ़ गयी है। डीजल, पेट्रोल, गैस सिलेण्डर, खेती किसानी के सामान, खाद बीज, दवाई, पढ़ाई, सब कुछ महंगा हो गया है।

अखिलेश ने कहा कि महंगाई से आम जनता त्रस्त है। महंगे सिलेण्डर के कारण परिवारों के लिए खाना-पीना बनाना दूभर हो गया है। भाजपा सरकार में महंगाई इस कदर बढ़ गई है कि गरीब परिवार रसाई गैस, सिलेण्डर, रिफिल नहीं करवा पा रहे हैं। मातांए, बहनें लकड़ियां तोड़कर चूल्हा जलाने पर मजबूर है। लोगों के लिए जीवनयापन का संकट है। एक तरफ बढ़ती महंगाई का कहर है दूसरी तरफसरकार लोगों को नौकरी रोजगार नहीं दे रही है।

बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। गांवो में 90 फीसदी नौजवान बेरोजगार है। अखिलेश ने कहा कि हालात यह है कि रोजी रोटी की तलाश में युवा युद्धग्रस्त देश जाने पर मजबूर है। भाजपा की केन्द्र और प्रदेश की सरकार आम जनता से झूठे वादे करती रही लेकिन वादो को पूरा नहीं किया।

कोविड 19 कर्मचारी संघ प्रतिनिधिमण्डल ने सपा मुखिया से की मुलाकात

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से सोमवार को कोविड 19 कर्मचारी संघ उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधिमण्डल ने मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमण्डल ने कोविड-19 महामारी के दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत प्रदेश में नियुक्त किए गए कर्मचारियों को एनएचएम में समायोजित करने की मांग की। प्रतिनिधिमण्डल ने ज्ञापन में बताया कि मध्य प्रदेश और हरियाणा की सरकार ने कोविड-19 के दौरान नियुक्त कर्मचारियों को समायोजित किया है। प्रतिनिधिमण्डल में शामिल कर्मचारियों में डॉ. स्वप्निल, शाहिद, अखिलेश, प्रदीप वर्मा और संदीप यादव ने बताया कि श्री अखिलेश यादव की सरकार में उन्हें लैपटॉप प्राप्त हुआ था। कोविड-19 महामारी के दौरान कोविड कर्मचारियों डाटा एंट्री ऑपरेटर, चिकित्सक, स्टाफनर्स, लैब टेक्नीशियन, वेन्टीलेटर ऑपरेटर, ऑक्सीजन प्लांट टेक्नीशियन, एनएमएस, ओटी, टेक्निशियन, वार्ड ब्वाय और स्वीपर की नियुक्ति कोविड महामारी के दौरान 2020 में अपर मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में नियुक्त किये गये थे। सभी कर्मचारियों ने कोविड महामारी के दौरान अपनी और अपने परिवार की परवाह न करते हुए कोविड संक्रमित मरीजों की देखभाल और उपचार अपनी जान की परवाह किये बगैर न्यूनतम मानदेय पर उत्तर प्रदेश दिसम्बर 2020 से कोविड में अपनी सेवा देते रहे। वर्तमान में अन्य कार्यक्रम में कार्य निक्षय जैसे आरोग्य मेला, आयुष्मान कार्ड, यूडीएसपी, डेंगू एवं अन्य कार्यक्रम में प्रत्येक गांव व शहर में घर जा जाकर अपना कार्य निष्ठा पूर्वक कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार से कोविड महामारी के दौरान सभी कोविड कर्मचारियों को उत्तर प्रदेश सरकार से एनएचएम में समायोजन करने की मांग की है।

सपा वंचित तबके के विकास के लिए संघर्ष कर रहीं: जूही

लखनऊ। पीडीए जनपंचायत का आयोजन समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता अनुराग भदौरिया ने किया। कार्यक्रम में सपा महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह बतौर अतिथि उपस्थित रहीं। इस मौके पर जूही सिंह ने कहा कि समाजवादी पार्टी वंचित तबके के विकास के लिए संघर्ष कर रही है। समाजवादी पार्टी दलित, पिछड़ा, अल्पसंख्यक समाज के उत्थान की लड़ाई लड़ रही है। बीजेपी सरकार में पीडीए वर्ग का आरक्षण सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा जनता के बीच अखिलेश यादव की छवि बेदाग है और कार्य करने वाले मुख्यमंत्री के रूप में रही है। हम जन जन तक अखिलेश के संदेश को लेकर जा रहे हैं। अनुराग भदौरिया ने कहा कि समाजवादी पार्टी सिर्फनारे नहीं बल्कि वादे पूरे करती है। लखनऊ के सारे विकास कार्य समाजवादी सरकार के है। बीजेपी सरकार ने केवल फीता काटने का काम किया है। आज पीडीए के हक अधिकारों को संकल्पित करने का काम समाजवादी पार्टी और श्री अखिलेश यादव जी कर रहे है। हम सभी उनके संदेश और कामों को आपके बीच लाए हैं।

भाजपा राज में सनातन ध्वज वाहक शंकराचार्य भी सुरक्षित नहीं: अजय राय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि ज्योतिष पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सोमवार को दोपहर तीन बजे मूल विश्वनाथ मंदिर की परिक्रमा एवं ज्ञानवापी जाना चाहते थे। प्रशासन ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी को वहां जाने से मना किया और धारा 144 लागू होने का हवाला दिया। पुलिस ने उनके ही मठ में उन्हें चारों तरफ से घेर लिय। स्वामी जी इस पर स्वामी जी अकेले ही जाने को तैयार थे किन्तु प्रशासन ने हठधर्मिता और निरंकुशता का परिचय देते हुए सोनारपुरा स्थित विद्यामठ में उन्हें नजरबंद कर दिया।

राय ने कहा कि भाजपा सरकार सनातन धर्म विरोधी है। शंकराचार्य सनातन धर्म के ध्वजवाहक हैं, हमारे पूज्य हैं, उनके साथ इस तरह का आचरण निहायत ही शर्मनाक और हर सनातनी को विचलित करने वाला है। धर्म की सियासत करने वाली यह मोदी सरकार सिर्फ धार्मिक उन्माद पैदा कर सत्ता में बने रहना चाहती है।

राय ने कहा कि जिस देश और प्रदेश में शंकराचार्य को मॉदर दर्शन और परिक्रमा करने से रोका जा रहा है वह निश्चित ही हर सनातनी का अपमान है। मोदी और योगी सरकार अपने अहंकार में इस कदर चूर है कि वह सनातन में सबसे श्रेष्ठ शंकराचार्य के भी मान और सम्मान के साथ खिलवाड़ कर रही है।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघावल ने वर्चुअली किया आईटीएटी के कार्यालय का उद्घाटन

● टैक्स से संबंधित विवादों के निपटारे में आएगी तेजी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केंद्रीय विधि और न्याय, संसदीय कार्य एवं संस्कृति राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोमवार को लखनऊ में आयकर अपीलीय अधिकरण (आईटीएटी) के कार्यालय भवन का वर्चुअली उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आईटीएटी सभी ट्रिब्यूनल की मदर ट्रिब्यूनल है। जिस तरह से अधिकरण लोगों के विवादों का निस्तारण करता है यह इज ऑफ लिविंग का सबसे बड़ा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि विवाद से विश्वास स्कीम 2020 के अंतर्गत करदाताओं के विवादित करों की राशि का भुगतान से संबंधित मामलों का आईटीएटी ने अच्छे से निपटारा किया।

मेघवाल ने कहा कि कोविड के दौरान आईटीएटी ने ई-हिअरिंग, फेसलेस असेसमेंट से लोगों के जीवन को आसान बनाया। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जापान और जर्मनी को पीछे करके भारत शीघ्र तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। आयकर अपीलीय अधिकरण के अध्यक्ष जस्टिस सीवी भडंग ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जयपुर, बैंगलोर और कटक के बाद आयकर अपीलीय अधिकरण को चौथा भवन लखनऊ में मिला है। उन्होंने कहा कि आईटीएटी में लंबित मामलों की संख्या कम और निस्तारित किए गए केसों की संख्या बढ़ती जा रही है। जीएस. पन्नू उपाध्यक्ष, आयकर अपीलीय अधिकरण, (दिल्ली और अहमदाबाद क्षेत्र) और शक्तिजीत डे उपाध्यक्ष, आयकर अपीलीय अधिकरण, (लखनऊ और पुणे क्षेत्र) भी समारोह में उपस्थित रहे।

सनातन पढ़ायेगा लविवि, होगी हिंदू अध्ययन केंद्र की स्थापना

● सनातन धर्म और हिंदू परंपरा पर शोध करने के लिए विश्वविद्यालय होगी शोधपीठ की स्थापना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारत वर्ष में श्री राम युग की शुरूआत हो चुकी है। भारत वेद शास्त्र आधारित देश है। वेदों को प्रमाणित करने का प्रयास किया जाता था किन्तु आज भारत वेदों को सिद्ध कर प्रमाणित कर चुका है। वेदों की प्रमाणिकता क्या है इसे कम समय में नहीं परिभाषित किया जा सकता है। परंतु इसका भावार्थ प्रस्तुत करने का प्रयास हम अपने माध्यम से कर सकते हैं। इसी को समझाने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय अपने यहां पर हिंदू अध्ययन केंद्र की स्थापना करने जा रहा है। जहां पर हिंदू रीति-रिवाज, सनातन परंपरा और उससे जुड़े हुए सभी वेदों ग्रंथ आदि को एक सरल भाषा में पढ़ने और समझने का माध्यम छात्रों को प्रदान किया जाएगा। सोमवार को यह जानकारी लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने एक पत्रकार वार्ता में दी।

प्रोफेसर राय ने कहा कि इस विषय पर एक व्यापक विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया है कि नए अकादमिक सत्र से स्नातक और परा स्नातक स्तर में इसको पढ़ाया जायेगा। जिससे इसकी जानकारी समाज तक पहुँच सके। कुलपति ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय 100 वर्ष से अधिक पुराना है और इसकी एकेडमिक गुणवत्ता पूरे देश में काफी प्रसिद्ध है। जिसको देखते हुए एक व्यापक इंपैक्ट सोसाइटी में कर पाने की स्थिति में हम हैं। उसी कड़ी में एक हिंदू अध्ययन केंद्र की स्थापना की जायेगी। इस हिंदू अध्ययन केंद्र में कई चीज होगी जिसमें एक एमए इन हिंदू स्टडीज का कोर्स शुरू करने जा रहे हैं।

कुलपति ने बताया कि एक पेपर सनातन वैदिक संस्कृति के नाम से पढ़ाया जायेगा। जैसा कि नई शिक्षा नीति के अन्तर्गत आगामी वर्ष में एक वर्ष का पीजी की शुरूआत होने वाला है। इसी प्रकार 2 वर्ष के पीजी को पुन: रिस्ट्रक्चर किया जा रहा है। इसका लाभ लाइब्रेरी व अन्य संस्थानों में भी किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अभी हाल ही में हिंदू स्टडीज में नेट की परीक्षा भी शुरू कर दी है, ऐसे में हम अपने यहां पर शुरू करना चाहते हैं। उसी के तहत हम राज्य सरकार को एक हिन्दू शोध पीठ स्थापित करने के लिए प्रस्ताव भेजेंगे। इस शोध पीठ में जो भी रिसर्च एक्टिविटी होगी।

राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह का किया शुभारम्भ

● विभिन्न संकायों में स्वर्ण, रजत और कांस्य छात्र/छात्राओं को पदक प्रदान किये

बांदा। आनन्दी बेन पटेल राज्यपाल उप्र/कुलाधिपति महोदया, कृषि एवं प्रौद्योगिक विवि, बाँदा ने आज कृषि एवं प्रौद्योगिक विवि के नवम् दीक्षांत समारोह का शुभारम्भ किया तथा दीक्षांत समारोह में विभिन्न संकायों में स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक छात्र/छात्राओं को पदक प्रदान किये। इससे पूर्व उन्होंने ग्रामीण महिला कौशल एवं उद्यमिता विकास केन्द्र का उद्घाटन फीता काटकर किया तथा महिला छात्रावास का शिलान्यास किया। इस छात्रावास का निर्माण कार्य एक वर्ष में पूर्ण किया जायेगा।

दीक्षान्त समारोह कार्यक्रम में संबोधित करते हुए राज्यपाल/कुलाधिपति ने कहा कि कृषि एवं प्रौद्योगिक विवि, बाँदा में ऋषि बामदेव की पावन धरती में आयोजित नवम् दीक्षान्त समारोह में उपस्थित होने पर अपार प्रशन्नता हो रही है। आज जिन छात्र/छात्राओं को मेडल प्राप्त हुआ हैए उनको एवं उनके माता.पिता को बधाई देते हुए कहा कि माता.पिता का बच्चों को आगे बढाने में बहुत बडा योगदान रहता हैए इसलिए बच्चे माता.पिता को कभी न भूले और हमेशा उनकी सेवा करें। जिन छात्रध्छात्राओं को आज मेडल नही मिला है वह सभी अपने जीवन के लिए इतना अच्छा कार्य करें किए उन्हें यह कार्य ही मेडल के रूप में प्राप्त हो और उनका नाम रोशन हो सके। किसानों को वैज्ञानिक ढंग से उन्नतशील खेती करना सिखायें और किसान बेहतर किश्म के बीजों तथा जैविक खाद का उपयोग करें। किसानों को उत्पादकता को बेहतर मूल्य मिले, इस क्षेत्र में कार्य करने की आवश्यकता है। लोग पपीता, गुलाब, नीम, एलोवेरा उगायें तथा कम लागत से अन्य चीजें जैसे साबुन आदि प्रोडक्ट स्वयं तैयार करें तथा आत्मनिर्भर बनें। उन्होंने कहा कि बच्चों, वृद्ध एवं गर्भवती महिलाओं के लिए लाभदायक एवं पौष्टिक आहार देंए जिससे छोटे बच्चे कुपोषण का शिकार न हो और गम्भीर बीमारियां न हो सकें। आंगनबाडी केन्द्रों को विवि से जोडकर उन्हें बेहतर बनाने का कार्य किया जा रहा हैए जिससे कि गरीब परिवारों के बच्चों का आंगबाडी केन्द्रों के माध्यम से शिक्षा एवं स्वास्थ्य में सुधार हो सके। किसानों के बीच में बैठकर कृषि के विषय में वैज्ञानिक जानकारी दें ताकि किसान कृषि कार्य वैज्ञानिक एवं उन्नतिशील तरीके से करके अपना उत्पादन बढा सकें। किसानों में परिवर्तन लाने में विद्यालय के बच्चों का बहुत बडा योगदान हो सकता है। उन्होंने पीएचडी कर रहे छात्र/छात्राओं से कहा कि वह सामाजिक समस्याओं के विषयों में शोध करें। यह विवि प्रगति कर रहा है, इसी तरह निरन्तर प्रगतिशील रखने हेतु विवि द्वारा शोध सहित अन्य कृषि सम्बन्धी उन्नतशील बीजों को तैयार करने का कार्य किया जाए।

डीएम ने की जिला उद्योग बन्धु की बैठक, उद्यमियों की समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के दिये निर्देश

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता में जिला उद्योग बन्धु की बैठक मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में संपन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम उद्यमियों द्वारा नबीपुर में अंडरपास बनाए जाने की मांग की गयी, जिस पर एनएचएआई के पदाधिकारी ने बताया कि अंडरपास बनाए जाने हेतु स्वीकृति शासन स्तर से प्राप्त हो गयी हैए ई टेंडरिंग की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कर निर्माण कार्य कराया जाएगा। उद्यमियों द्वारा आद्योगिक क्षेत्र रनियां में सर्विस रोड के बीच में विद्युत पोल हटाने की मांग की गईए जिसके संबंध में जिलाधिकारी ने एनएचएआई व विद्युत विभाग को आपस में समन्वय बनाकर विद्युत पोलों को हटाए जाने की कार्यवाही जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिये। रनियां में फायर स्टेशन बनाने के संबंध में जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि फायर स्टेशन के लिए जमीन चिन्हित हो चुकी हैएशासन स्तर से अनुमति प्राप्त होते ही आगे की कार्यवाही की जाएगी। उद्यमियों द्वारा औद्योगिक इकाइयों के प्रवेश द्वार पर अतिक्रमण की शिकायत की गईए जिस पर जिलाधिकारी द्वारा उप जिलाधिकारी व क्षेत्राधिकारी के संयुक्त टीम बनाकर औद्योगिक क्षेत्र के अतिक्रमण को हटाये जाने के निर्देश दिये गये। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी के द्वारा औद्योगिक क्षेत्र जैनपुर में सीवेज ट्रीटमेन्ट प्लान्ट, औद्योगिक क्षेत्र में जलभराव, औद्योगिक क्षेत्र में रोड लाइट, मजदूरों हेतु हॉस्पिटल आदि के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों को विस्तृत दिशा निर्देश दिये गये। डीएम ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र में होने वाले जल भराव की समस्या जल्द दूर कर ली जाएगी, टीम बनाकर सर्वे पूर्ण कर लिया गया है, शीघ्र ही नाले का निर्माण कार्य कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त डीएम ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि औद्योगिक क्षेत्र से सम्बन्धित सभी शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता पर किया जाये। जिलाधिकारी ने जीएमडीआईसी को निर्देशित किया कि औद्योगिक ईकाईयों में कार्यरत सभी मजदूरों का गोल्डन कार्ड बनवाये जाये तथा उनका श्रम कार्यालय में पंजीकरण भी कराया जाये जिससे मजदूरों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर सके। इस मौके पर उद्योग उपायुक्त मो. साउद, विभिन्न उद्यमी बंधु सहित विभागों के अधिकारीगण आदि उपस्थित रहे।

अप्राकृतिक संबंध बनाने से नाराज पत्नी ने पति का काटा प्राइवेट पार्ट

● रिपोर्ट दर्ज, महिला पुलिस हिरासत में

संवाददाता। हमीरपुर

हमीरपुर जिले में कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में बीती रात जबरन अप्राकृतिक संबंध बनाने से नाराज पत्नी ने पति का गुप्तांग दात से काट डाला, सोमवार को जिला अस्पताल में लहूलुहान हालत में भर्ती कराया गया जहा पर डाक्टरों ने कानपुर इलाज के लिये रिफर कर दिया है।

पुलिस ने पत्नी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस के मुताबिक गांव का पति अपनी पत्नी से अक्सर अप्राकृतिक संबंध बनाता था, हालाकि उसके तीन बच्चे है। कल रात उसने फिर से पत्नी से अप्राकृतिक संबंध बनाने के लिये जोर जबरदस्ती करने लगा जिससे पत्नी नाराज होकर दांत से प्रायवेट पार्ट काटकर लहूलुहान कर दिया। सोमवार को जब पति को जिला अस्पलात लाया गया तो पत्नी भी बच्चों को लेकर पुलिस के पास पहुच गयी और उसने पति के करतूतों को पुलिस के सामने बया किया। पत्नी ने बताया कि पति के इस करतूत को लेकर वह पुलिस से तीन साल से शिकायत कर रही है मगर उसकी कोई सुनवायी नही हो रही थी मगर उसने आजिज आकर यह कदम उठाना पड़ा। पति की तहरीर पर पुलिस ने पत्नी के खिलाफ धारा 324 के तहत रिपोर्ट दर्जकर ली गयी, महिला को वन स्टाप सेंटर में पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है।इस मामले में जिला अस्पताल के डा.एके सिंह का कहना है कि ऐसे लोग मानसिक रोगी होते है इन्हे सेक्सोलाजिस्ट से परामर्श लेने की जरुरत है।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने विकास कार्यों का किया शिलान्यास व लोकार्पण

● भारत संकल्प यात्रा में पौने तीन लाख आवेदन किए पंजीकृतः साध्वी

फतेहपुर। संसदीय क्षेत्र में सांसद निधि से निर्मित सीसी रोड व सामुदायिक मिलन केंद्र का शिलान्यास व लोकार्पण समारोह का आयोजन लोक निर्माण विभाग के डाक बंगले में किया गया जिसमें मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने हिस्सा लिया। साध्वी ने निधि से निर्मित 3 करोड़ 12 हजार की लागत 25 सीसी रोड, 2 करोड़ 38 लाख 1 हजार की लागत से 17 सामुदायिक मिलन केन्द्र का लोकार्पण किया। इसके साथ ही 2 करोड़ 82 लाख 62 हजार की लागत से 26 सीसी रोड व 4 करोड़ 49 लाख की लागत से 33 सामुदायिक मिलन केन्द्र का शिलान्यास किया। इसके अतिरिक्त नगर पालिका व नगर पंचायत क्षेत्र में जिला नगरीय विकास अभिकरण की निर्मित होने वाली 1 करोड़ 98 लाख 88 हजार कि लागत 9 सीसी रोड का शिलान्यास भी किया। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि सभी के सहयोग व टीम भावना से काम करने के कारण सारे कार्य सार्थक हुए हैं। कोविड के कारण सांसद निधि में धनराशि प्राप्त नहीं हुई थी। इसके बाद धनराशि मिलने के उपरांत ये कार्य करवाये गये हैं। जिले के लिये 17 सड़के प्रधानमंत्री सड़क योजना से स्वीकृति हुई हैं, जिसका शिलान्यास भी जल्द होगा। विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत पौने तीन लाख आवेदन पंजीकृत किये गये हैं, जिनको लाभान्वित किया जायेगा। चांदपुर में बायोगैस का प्लांट लगने जा रहा है। सीवर लाइन का कार्य शुरू होने वाला है। सीवर लाइन पड़ने के बाद शहर में जल निकासी की समस्या खत्म हो जाएगी। इसके लिये सात सौ करोड़ रुपये मिल गये हैं। पाँच सौ वर्ष संघर्ष करने के उपरांत 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्य प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ जिसको विश्व के देशों ने देखा। जनपद में गैस की समस्या भी हल होगी और मार्च में मेडिकल कॉलेज में ओपीडी भी शुरू हो जाएगी। जहानाबाद विधायक राजेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि वर्ष 14 से साध्वी निरंजन ज्योति केंद्रीय मंत्री बनी। तभी से लगातार जिले का चहुमुखी विकास हो रहा है। अंतिम पंक्ति में खड़े लाभार्थियो को केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। सीडीओ, एडीएम न्यायिक, जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका, भाजपा पदाधिकरी ज्योति प्रवीण, मंजू, मधुराज विश्वकर्मा, धनंजय कुमार, प्रदीप गर्ग, ब्लॉक प्रमुख तेलियानी, ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

क्विक न्यूज

केंद्रीय राज्यमंत्री व पूर्व विधायक ने विद्यालय का किया उद्घाटन

फतेहपुर। ज्योति पब्लिक स्कूल का मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति व पूर्व विधायक विक्रम सिंह ने फीता काटकर उद्घाटन किया। केंद्रीय राज्यमंत्री ने जनपद के बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए शिक्षा एवं स्कूलों के महत्व को बताया। मंगलवार को शहर के नऊवाबाग स्थित ज्योति पब्लिक स्कूल का मुख्य अतिथि एवं केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व सदर विधायक विक्रम सिंह ने फीता काटकर उद्धघाटन किया। उद्धघाटन से पूर्व ज्योति प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक देशराज गुप्ता व डायरेक्टर दिलीप कुमार गुप्ता ने केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति व पूर्व सदर विधायक समेत अन्य अतिथियों का बुके व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने देश के विकास के लिये शिक्षा के महत्व को बताया। विद्यालय प्रबंधक दिलीप कुमार गुप्ता ने बताया कि विद्यालय को केजी से लेकर कक्षा नौ तक की सीबीएसई मान्यता के साथ प्रवेश शुरू है।

आईपीएस बनकर नौकरी दिलाने के नाम पर ठगे 1.17 लाख

फर्रुखाबाद। दिल्ली पुलिस के आईपीएस बताकर युवक को नौकरी दिलानें के नाम पर एक लाख 17 हजार 200 रूपये की ठगी की गयी। एसपी को प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है। थाना कंपिल के नगला खजुन्ना सिबारा खास निवासी विवेक पुत्र चरन सिंह यादव नें एसपी से भेट कर उन्हें शिकायती पत्र दिया। उसनें बीते 6-7 महीने पूर्व दिल्ली पुलिस भर्ती के लिए आवेदन किया था। वह बीएससी प्रथम वर्ष का छात्र है। पुलिस भर्ती परीक्षा नोयडा में दी थी। बीते 25 जनवरी को एसपी संदीप मिश्रा की डीपी लगे नंबर से फोन आया। फोन करनें वाले साइबर अपराधी नें बताया कि उसका चयन पुलिस में होना है। एक लाख 50 हजार रूपये लगेंगे। आरोपी नें विश्वास में लेनें के लिए कई फोटो पुलिस अधिकारियों के साथ के विवेक के पास भेजे। विश्वास होनें पर चार दिन के भीतर विभिन्य माध्यमों से 1 लाख 17 हजार 200 रूपये आ गये हैं। 33 हजार रूपये और देना हैं। बचे हुए रूपये देने के बाद एक व्यक्ति आयेगे और विवेक को वर्दी देनें के साथ ही ट्रेनिग सेंटर लेकर जायेगा। शक होनें पर बचा हुआ रुपया देनें से मना किया तो साइबर अपराधी गाली-गलौज कर जान से मारनें की धमकी दे रहा है। एसपी नें कार्यवाही का भरोसा दिया है।

दो ने लगाई फांसी, छात्रा ने जहर खाकर दी जान

फतेहपुर। जाफरगंज थाना क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों में जहां किशोरी समेत दो लोगों ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली वहीं कुरवल गांव में बीएससी की छात्रा ने संदिग्ध अवस्था में जहर खाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार कुरवल गांव निवासी रमेश निषाद की पुत्री सत्यवती ने रविवार की देर शाम संदिग्ध अवस्था में जहरीला पदार्थ खा लिया। कुछ समय बाद जब इसकी जानकारी परिजनों को हुई तो अस्पताल ले जा रहे थे तभी रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। इसी थाने के दलेलखेड़ा गांव निवासी रिजवान की 17 वर्षीय पुत्री गौसिया ने मां की डांट से क्षुब्ध होकर घर के अंदर अपनी ही चुनरी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, जबकि भारतपुर गांव निवासी कृष्ण कुमार के 22 वर्षीय पुत्र जीतू ने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने तीनों शवों को विच्छेदन गृह भेज दिया। वहीं जीतू के पिता कृष्ण कुमार ने बताया कि डेढ़ साल पूर्व उसकी प्रेमिका ने फांसी लगाकर आत्महत्या किया था जिस पर मृतका के पिता ने उसके खिलाफमुकदमा दर्ज करा दिया था। एक साल बाद वह जमानत पर छूटकर आया था और बीती रात प्रेमिका के वियोग में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

अचानक हालत बिगड़ने से सुरक्षा गार्ड समेत दो की मौत

फतेहपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के रस्तोगीगंज मुहल्ला निवासी राधेश्याम रस्तोगी का 57 वर्षीय पुत्र राकेश रस्तोगी आबकारी विभाग में सुरक्षा कर्मी के पद पर तैनात था। रविवार की रात लगभग दस बजे अचानक उसकी तबियत बिगड़ गई। जब तक मौजूद अन्य कर्मचारी कुछ समझ पाते उसकी घटनास्थल पर मौत हो गई। इसी प्रकार पुरानी बिंदकी निवासी अवधेश सिंह की पत्नी सीमा देवी की रात अचानक तबियत बिगड़ने पर परिजन उसे लेकर सीएचसी पहुंचे। जहां हालत गंभीर होने पर उसे कानपुर के लिए रेफर कर दिया। परिजन उसे लेकर कानपुर हैलट पहुंचे जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को विच्छेदन गृह भेज दिया।

कड़ाके की ठंड में आग से जलकर वृध्द महिला की मौत

फर्रूखाबाद। आदर्श मऊ दरवाजा थाना क्षेत्र में आज कड़ाके की ठंड में आग से जलकर 85 वर्षीय वृद्ध महिला की मौत हो गई। थाना क्षेत्र के मोहल्ला हाता रोशन खा की निवासिनी राम बेटी उम्र करीब 85 वर्ष कड़ाके की ठंड से निजात पाने के लिए एक तसले में आग जलाकर चारपाई के नीचे रखकर अपना कमरा बंद करके सोई हुई थी। अचानक चारपाई के कपड़ों मेंआग लगने से उठे धुआ से घर में अफरा तफरी बच गई। जल कर दम घुटने से मृत हुई वृध्द महिला के शब का बरामद कर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पातल फतेहगढ़ को भिजवाया गया।

सड़क हादसों में दो की मौत, एक गंभीर

फतेहपुर। अलग-अलग थाना क्षेत्रों के अंतर्गत हुए सड़क हादसों के दौरान जहां दो लोगों की मौत हो गई वहीं एक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया जहां से परिजन उसे रेफर कराकर लखनऊ ले गये। गाजीपुर थाना क्षेत्र के अहमदपुर गांव निवासी बच्छराज का 38 वर्षीय पुत्र महेश कुमार अपने साथी कामता पुत्र गोवर्धन के साथ बाइक से किसी काम से जा रहा था। जब यह लोग मलवां थाना क्षेत्र के अंतर्गत एनएच-2 पर पहुंचे तभी पीछे से आ रहे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया जिससे महेश की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं कामता गंभीर रूप से घायल हो गया। इसी प्रकार गाजीपुर कस्बा निवासी नन्हे शाह का 39 वर्षीय पुत्र अली अहमद बाइक से जैसे ही घर से कुछ दूर पहुंचा तभी अज्ञात वाहन की टक्कर लग जाने से बुरी तरह घायल हो गया। परिजन उसे लेकर निजी अस्पताल पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे कानपुर के लिए रेफर कर दिया। परिजन उसे लेकर कानपुर पहुंचे जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस मुठभेड़ में अवैध हथियार के साथ शातिर बदमाश गिरफ्तार

फर्रूखाबाद। कंपिल थाना पुलिस ने मुठभेड़ के वाद अवैध हथियार के साथ आज एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कपिल थानाध्यक्ष दिलीप कुमार कंचन द्वाराअपने दल बल के साथ आज रात्रि करीब 2रू20 बजे तड़के शादनगर वैरियर पर चेकिंग अभियान शुरू था। इसी दौरान थाना क्षेत्र के ग्राम सूरजपुर चमरौआ निवासी विपिन उर्फ पवन बिना नंम्वर की मोटर साइकिल लेकर चेकिंग स्थल से गुजरा ।

पुलिस द्वारा रोके जाने से जाने पर इस शातिर बदमाश ने पुलिस पर फायर किया, पुलिस ने मुठभेड़ में अपना बचाव करते हुए इस शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के समक्ष इस पकड़े गए बदमाश ने वताया कि मेरी काफी लोगों से रंजिश है, सुरक्षा के लिए तमंचा रखता हूं, पकड़े जाने के डर से मैंने फायर किया ,भविष्य में ऐसी गलती नहीं करूंगा । पुलिस ने इस बदमाश के पास से 315 बोर का एक देसी तमंचा चार जिंदा कारतूस, एक खाली खोखा और काले रंग की बिना नंबर वाली एक मोटरसाइकिल बरामद की।

राम का नाम नहीं आचरण जीवन में आवश्यकः पूर्णिमा

रूरा में आयोजित विष्णु यज्ञ में प्रवचन करती मानस कोकिला पूर्णिमा तिवारी

कानपुर देहात। रूरा कस्बे के थाना ग्राउण्ड में आयोजित श्री विष्णु महायज्ञ के तीसरे दिन तिर्वा से पधारी रामचरित मानस कोकिला पूर्णिमा तिवारी ने भगवान मर्यादा पुरूषोत्तम श्री राम द्वारा अपने जीवन काल में कर्तव्यों के पालन के दौरान जो उदाहरण आमजनमानस के सामने प्रस्तुत किये उनका आचरण जीवन में किया जाना आवश्यक है, राम के नाम से नहीं आचरण से ही जीवन सुधारा जा सकता है। इससे पहले श्रीमदभागवत की अमृतमयी व मोक्षदायिनी कथा का वर्णन राकेश तिवारी द्वारा किया गया व रामचरित मानस की कथा का प्रभावी वर्णन रामबिहारी तिवारी जालौन द्वारा किया गया।

मानस कोकिला ने बताया कि भगवान राम ने शबरी के झूठे बेर खाकर, निषादराज को गले लगाकर, वानरराज सुग्रीव की मित्रता सहित अनेकों उदाहरण प्रस्तुत किये, अपने कर्तव्यों के पालन में वह अपनी धर्मपत्नी मॉ सीता को भी छोड दिया, भगवान राम आर्दश पुत्र, आर्दश भाई, आर्दश पति व आर्दश पिता के रूप में उन्होंने नये प्रतिमान गढे है जिनको जनमानस को अपने जीवन में उतारना चाहिये। इससे पूर्व श्रीमदभागवत कथा में व्यास राकेश तिवारी ने मोक्षदायिनी व अमृतमयी कथा का संगीतमय शैली में वर्णन किया, जालौन से पधारे रामचरित मानस के उदभट विद्वान राम बिहारी तिवारी ने भी धाराप्रवाह शैली में भगवान राम के चरित्र का प्रभावी वर्णन किया। यज्ञाचार्य द्वारा तैंतीस करोड देवीदेवताओं को आहुतियॉ यज्ञजजमान के माध्यम से यज्ञशाला में अर्पित की गयी। इस दौरान प्रमुख रूप से अध्यक्ष केजी पाण्डेय, सॅचालक जगदीशनारायण शुक्ला, जनकजी,अवधेश पाण्डेय, मिण्टू पाण्डेय, शिवा पाण्डेय सहित समिति के अन्य लोग मौजूद रहे।

शिवजी मंदिर और मनसा देवी मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा आज

● वरिष्ठ समाजसेवी एवं पालिकाध्यक्ष नें प्रतिमाओं की पूजा अर्चना की

संवाददाता। गुरसहायगंज (कन्नौज)

सती माता मंदिर में पूजा अर्चना करते समाजसेवी व पालिकाध्यक्ष।

नगर के फर्रुखाबाद रोड स्थित माता मनसा देवी के भव्य मंदिर सहित गांधीनगर स्थित प्राचीन शिवाजी मंदिर में जीर्णोद्धार के बाद भव्य मंदिर भवन में प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व नगर के सती माता मंदिर में वरिष्ठ समाजसेवी अशोक गुप्ता एवं पालिकाध्यक्ष मुन्नी देवी गुप्ता, प्रतिनिधि मयंक गुप्ता से आचार्यों नें विधि विधान से दुर्गा माता, गौरी मैया, शिवजी, नंदी महाराज, राम दरबार, राधा कृष्ण, हनुमान जी, सहित अन्य देवी देवताओं की प्रतिमाओं का पूजन करवाया।

इस दौरान वरिष्ठ समाजसेवी ने बताया कि मंगलवार को सुवह से ही प्रतिमाओं को सजीव झांकी के साथ नगर के समस्त मंदिरों एवं देवलियों में ले जाया जायेगा। जहां पूजा अर्चना के बाद कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर विधि विधान से हवन पूजन के पश्चात प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान सम्पन्न होगा। इसके बाद भक्तों को प्रसाद वितरित किया जाएगा।

प्राण प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या पर आयोजन को पूर्ण करने के लिए कारीगरों द्वारा मंदिर को रंग बिरंगी झालरों से सजाकर भव्य रूप प्रदान किया गया है। वरिष्ठ समाजसेवी ने नगर सहित क्षेत्र के भक्तों को आयोजन स्थल पहुंचने एवं प्रसाद ग्रहण कर जीवन को कृतार्थ करने की अपील की है। इस दौरान अमन कठेरिया, मनोज गुप्ता, अजय दीक्षित, दीपक सिंह, गंगा सिंह कुशवाहा, कमल कुशवाहा, कुलदीप बाथम, राहुल कुमार आदि मौजूद रहे।

शीत लहर की चपेट में आई कक्षा 5 की छात्रा की हुई दुखःद मौत

कायमगंज फर्रुखाबाद। पूरा जनवरी महीना शीतलहर की चपेट में बीता। इस बीच भीषण सर्दी के कारण आम जनजीवन तक अस्त व्यस्त दिखाई दिया। हालांकि आज सूर्य की कुछ करने जमीन पर पड़ने के कारण लोग राहत महसूस कर रहे हैं । लेकिन इससे पहले अभी तक सर्दी का कहर जारी रहा। ऐसे में छोटे.छोटे बच्चों को बहुत अधिक परेशानी का सामना करना पड़ा। जिला प्रशासन द्वारा बीच.बीच में नर्सरी से लेकर कक्षा 8तक के बच्चों को सर्दी से बचाव के लिए स्कूल बंद करने के आदेश भी पारित कर दिए गए थे। अभी पिछले कुछ दिनों से स्कूल खुले लेकिन सर्दी का प्रकोप कम नहीं हुआ। भीषण सर्दी की चपेट में आकर विकासखंड कायमगंज के परिषदीय प्राथमिक विद्यालय कारवए कंपिलक्षेत्र की कक्षा पांच की छात्रा अंशिका की ठंड लगने मृत्यु हो गई। अंशिका के पिता विक्रम सिंह यादव ने बताया कि बच्ची को ठंड लगी।

1085 जोड़ों ने थामा एक दूजे का हाथ, खाईं साथ जीने मरने की कसमें

● केंद्रीय गृह राज्यमंत्री ने गिफ्ट के साथ दिया आशीर्वाद, बरसाए फूल

● खीरी में गूंजी सद्भाव की शहनाईए एक ही मंडप पर शादी और निकाह कुबूल

लखीमपुर खीरी। समाज कल्याण विभाग द्वारा सोमवार को जीआईसी ग्राउंड में आयोजित हुए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 1085 जोड़ों ने एक दूसरे जीवन भर के लिए हाथ थाम लिया। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र ष्टेनीष्ए विधायक योगेश वर्माए विनोद अवस्थीए डीएम महेंद्र बहादुर सिंहए एसपी गणेश प्रसाद साहाए सीडीओ अनिल कुमार सिंह ने सांसद प्रतिनिधि अरविंद सिंह संजयए जीतेंद्र त्रिपाठी ष्जीतूष्ए अंबरीश सिंहए अन्य जनप्रतिनिधियों संग दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। केंद्रीय मंत्री ने सभी नवदंपतियों को आशीर्वाद प्रदान किया।

सामूहिक विवाह योजना के तहत सोमवार जिले में खुशियों की शहनाई गूंजी। शहर में जीआईसी ग्राउंड में हुए कार्यक्रम में 1085 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। जिसमें 1006 हिंदू तथा 79 मुस्लिम जोड़े शामिल रहे। हिंदू जोड़ों का विवाह वैदिक रीति रिवाज एवं मंत्रोच्चार के साथ व मुस्लिम जोड़ों का मुस्लिम रीति रिवाज से निकाह संपन्न कराया। केंद्रीय गृहराज्यमंत्री की अगुवाई में मौजूद जनप्रतिनिधियोंए अफसरो ने सभी वर.वधू से को उपहार.शगुन किट व आशीर्वाद दिया। जोड़ों के पास पहुंचकर आत्मीय संवाद करते हुए उनका परिचय पूछाए बातचीत कर नए दांपत्य जीवन की शुरूआत के लिए शुभकामना दी। नवविवाहित जोड़ों को प्रमाण पत्र के अलावा सरकार की और से दिये जाने वाला जरूरी सामान भी दिया।

केंद्रीय गृहराज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी ने सभी नव दंपतियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना गरीब परिवार की बेटियों के लिए वरदान साबित हो रही है। उन्होंने सामूहिक विवाह के कार्यक्रम को आनंद का अद्भुत क्षण बताया। किसी एक शादी में समय निकाल पाना मुश्किल होता है, लेकिन आज का यह आयोजन ऐसा शुभ व बड़ा कार्यक्रम है, जहां मंत्री, विधायक, पार्टी पदाधिकारी और जिले के आला अधिकारी वर.वधु पक्ष के लोगों का स्वागत करनेए नवयुगलों को शुभाशीष देने आए हैं। उन्होंने उनके सुखमय जीवन की कामना की।

विधायक योगेश वर्मा ने कहा कि सीएम सामूहिक विवाह का कार्यक्रम डबल इंजन सरकार के प्रयासों और सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार का आयोजन है। दहेज की कुरीति से कई गरीब परिवार विवाह के पवित्र यज्ञ से वंचित हो जाते थे। बाल विवाह से पूरी तरह छुटकारा पाने के साथ दहेज के अत्याचार को समाप्त करने की दिशा में यह आयोजन अभिनव प्रयास है। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि यह योजना लोगों के जीवन में खुशहाली ला रही है। दांपत्य जीवन में खुशहाली व गृहस्थी की स्थापना के लिए 35 हजार की धनराशि कन्या के बैंक खाते में भेजी जा रही है।

न्यायालय ने अजित गुट के राकांपा विधायको की अयोग्यता संबंधी याचिका पर समय सीमा बढ़ाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट से जुड़े राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने का अनुरोध करने वाली याचिका पर फैसला करने के लिए राज्य विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को दी गई समयावधि सोमवार को 15 फरवरी तक बढ़ा दी। इससे पहले शीर्ष अदालत ने 30 अक्टूबर को राकांपा के शरद पवार गुट के नेता जयंत पाटिल की इस याचिका पर फैसला करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष को 31 जनवरी तक का समय दिया था। पाटिल की याचिका में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली राज्य सरकार का हिस्सा बनने के लिए पाला बदलने वाले राकांपा विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने का अनुरोध किया गया है।

न्यायालय ने उसी दिन नार्वेकर को निर्देश दिया था कि वह शिवसेना के प्रतिद्वंद्वी गुटों की ओर से दाखिल उन याचिकाओं पर भी 31 दिसंबर तक फैसला करें जिनमें दोनों ने एक-दूसरे के विधायकों को सदन की सदस्यता से अयोग्य ठहराने का अनुरोध किया है। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला व न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की इन दलीलों पर गौर किया कि याचिका पर आदेश पारित करने के लिए तीन और सप्ताह की आवश्यकता है।

मेहता ने शरद पवार गुट द्वारा दायर याचिका पर अध्यक्ष द्वारा हाल में पारित आदेश का उल्लेख किया और कहा कि प्रतिवादियों की जिरह अभी पूरी नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि यह 31 जनवरी तक पूरी हो जाएगी तथा आदेश पारित करने के लिए तीन सप्ताह का समय और दिए जाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष प्रतिद्वंद्वी शिवसेना गुटों द्वारा दायर याचिकाओं के निपटारे में व्यस्त थे। उन्होंने कहा कि राकांपा के मामले में कार्यवाही वैसे समाप्त हो चुकी है और अध्यक्ष को आदेश लिखने के लिए वास्तव में कुछ और समय की आवश्यकता है। शरद पवार गुट की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी ने कहा कि अध्यक्ष को प्रक्रिया पूरी करने के लिए उनके द्वारा मांगे गए तीन सप्ताह के बजाय एक सप्ताह का और समय दिया जा सकता है।

पीठ ने कहा, 25 जनवरी के (विधानसभा अध्यक्ष के) आदेश में अध्यक्ष ने संकेत दिया है कि प्रतिवादियों (राकांपा गुटों) के लिए गवाहों से जिरह पूरी नहीं की जा सकी है।... उसने कहा, हम (विधानसभा अध्यक्ष द्वारा) आदेश सुनाए जाने का काम पूरा करने के लिए 15 फरवरी, 2024 तक का समय देते हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के शरद पवार गुट के जयंत पाटिल ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर आग्रह किया है कि विधानसभा अध्यक्ष को अजित पवार और उनके प्रति वफादार विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने का अनुरोध करने वाली याचिकाओं पर शीघ्र निर्णय लेने का निर्देश दिया जाए।

कन्नूर अर्बन निधि धोखाधड़ी मामले में ईडी की छापेमारी

तिरुवनंतपुरम। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कन्नूर अर्बन निधि लिमिटेड द्वारा करोड़ों रुपए की कथित धोखाधड़ी से जुड़ी धन शोधन जांच के तहत सोमवार को केरल में कई स्थानों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि केंद्रीय एजेंसी त्रिशूर और मलप्पुरम में लगभग चार-पांच परिसरों की तलाशी ले रही है। जांच धोखाधड़ी के एक कथित मामले से संबंधित है जिसमें 12-13 प्रतिशत तक के उच्च रिटर्न का वादा करके जमा राशि एकत्र करके लोगों के साथ धोखाधड़ी की गई थी। सूत्रों ने कहा कि कन्नूर अर्बन निधि लिमिटेड के प्रवर्तकों पर जमा राशि को निकालने और इस धनराशि को निजी संपत्ति में निवेश करने का आरोप है। गफूर केएम, शौकत अली, एंथनी एस. और जशीना नामक महिला (वर्तमान में जेल में बंद) सहित प्रवर्तकों एवं निदेशकों के खिलाफ केरल पुलिस और आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की 150 से अधिक प्राथमिकी पर ईडी के संज्ञान लेने के बाद जांच एजेंसी ने धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत यह मामला दर्ज किया था। सूत्रों ने कहा कि लगभग 20 करोड़ रुपए के सार्वजनिक धन की कथित तौर पर धोखाधड़ी की गई और ईडी धोखाधड़ी मामले का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

न्यायालय ने एमबीबीएस दाखिले में जाति प्रमाणपत्र घोटाले से संबंधित याचिकाएं अपने हाथ में ली

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने एमबीबीएस की आरक्षित श्रेणी की सीट के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों को जाति प्रमाणपत्र जारी करने में कथित घोटाले से संबंधित सभी याचिकाओं को सोमवार को अपने हाथ में ले लिया। इससे पहले सीबीआई जांच कराने के मुद्दे पर कलकत्ता उच्च न्यायालय की दो पीठ में टकराव की स्थिति पैदा हो गई थी। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने मामले में पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ताओं को यह सलाह भी दी कि उच्च न्यायालय की दोनों पीठों में से किसी पर भी जातीय आक्षेप लगाने से बचने को कहा। सुनवाई शुरू होते ही प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि पीठ के सदस्यों ने अदालत कक्ष में पहुंचने से पहले विचार-विमर्श किया।

पीठ ने कहा, हम कार्यवाही को रिट याचिका और लेटर पेटेंट अपील (एलपीए) के माध्यम से उच्चतम न्यायालय को हस्तांतरित करेंगे। हम इसे कुछ समय बाद सूचीबद्ध करेंगे और इसे निपटाएंगे। पीठ में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस भी शामिल थे। किसी न्यायाधीश के फैसले के खिलाफ किसी याचिकाकर्ता द्वारा उसी अदालत की किसी दूसरी पीठ में की जाने वाली अपील लेटर पेटेंट अपील कहलाती है।

राज्य सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि मामले में अब तक 10 प्राथमिकी दर्ज हुई हैं और कई जाति प्रमाणपत्र निरस्त कर दिए गए हैं। पीठ ने उनसे कहा, हम प्राथमिकियों के संदर्भ में राज्य सरकार से हलफनामा लेंगे। पीठ ने कहा, हम याचिकाओं को ठीक तीन सप्ताह बाद सूचीबद्ध करेंगे। शीर्ष अदालत की पीठ पहले इस विवाद को निपटाने के लिए 27 जनवरी को अवकाश के दिन बैठी थी, जहां एक असहमत न्यायाधीश ने खंडपीठ के उस आदेश को खारिज कर दिया था जिसने उनके निर्देश को रद्द कर दिया था। खंडपीठ ने सीबीआई जांच का निर्देश देने के साथ केंद्रीय एजेंसी को जांच आगे बढ़ने के न्यायाधीश के निर्देश को रद्द कर दिया था।

विवादास्पद न्यायिक स्थिति को हल करने के प्रयास के तहत पीठ ने शनिवार को कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच को लेकर कलकत्ता उच्च न्यायालय की दो पीठों के बीच टकराव के मद्देनजर मामला अपने हाथ में लेने और सभी कार्यवाही पर रोक लगाने का फैसला किया। न्यायमूर्ति अभिजीत गंगोपाध्याय ने खंडपीठ के न्यायाधीश सौमेन सेन पर पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी के हितों के लिए सीबीआई जांच के उनके आदेश को खारिज करने का आरोप लगाया था।

समिति दो फरवरी को यूसीसी का मसौदा प्रदेश सरकार को सौंप देगी

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का मसौदा तैयार करने वाली विशेषज्ञ समिति अपनी रिपोर्ट दो फरवरी को सौंप देगी जिसके बाद उसे जल्द लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। सोशल मीडिया मंच एक्स पर यह जानकारी साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक भारत, श्रेष्ठ भारत के दृष्टिकोण और 2022 विधानसभा चुनाव से पूर्व उत्तराखंड की जनता के समक्ष रखे गए संकल्प तथा उनकी आकांक्षाओं के अनुरूप उनकी सरकार प्रदेश में यूसीसी लागू करने के लिए सदैव प्रतिबद्ध रही है।

उत्तराखंड के मूल स्वरूप को बनाए रखने के लिए राज्य सरकार के संकल्प को दोहराते हुए धामी ने कहा, 2022 में हुए उत्तराखंड के विधानसभा चुनावों में यूसीसी हमारा संकल्प था और उस संकल्प को पूरा करने के लिए जनता ने हमें आशीर्वाद दिया और सरकार में आने का मौका दिया। उन्होंने कहा कि सत्ता में आते ही हमने यूसीसी का मसौदा तैयार करने के लिए समिति गठित की। समिति ने हमें बताया है कि वह दो फरवरी को अपना मसौदा प्रदेश सरकार को दे देगी। हम आगामी विधानसभा सत्र में विधेयक लाकर यूसीसी को प्रदेश में लागू करेंगे। पांच फरवरी से प्रदेश में विधानसभा का सत्र आहूत किया गया है। फरवरी 2022 में विधानसभा चुनावों से ठीक पहले मुख्यमंत्री ने प्रदेश में यूसीसी लागू करने का वादा किया था। मार्च में राज्य मंत्रिमंडल की पहली बैठक में ही इसके लिए समिति गठित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

अगर मोदी फिर जीते, तो भारत में आ सकती है तानाशाही: खरगे

भुवनेश्वर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को दावा किया कि 2024 का लोकसभा चुनाव लोगों के लिए लोकतंत्र को बचाने का आखिरी मौका है, क्योंकि अगर भारतीय जनता पार्टी फिर से जीतती है, तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तानाशाही की तरफ बढ़ सकते हैं। उन्होंने लोगों से भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से दूरी बनाने का आग्रह किया और आरोप लगाया कि वे जहर के समान हैं। खरगे ने कांग्रेस की सभा में कहा, यह भारत में लोकतंत्र को बचाने के लिए लोगों के पास आखिरी मौका होगा। अगर नरेन्द्र मोदी एक और चुनाव जीतते हैं, तो देश में तानाशाही होगी। भाजपा भारत में उसी तरह शासन करेगी जैसे पुतिन रूस में कर रहे हैं।

खरगे ने भाजपा और आरएसएस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मोदी के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार राज्यों और विपक्ष के नेताओं को डरा-धमका कर चल रही है। उन्होंने दावा किया, नेताओं को नोटिस भेजे जा रहे हैं और ईडी तथा आयकर विभाग राजनीतिक विरोधियों को कुचलने के हथियार बन गए हैं। लोगों को भाजपा और आरएसएस की विचारधाराओं के बारे में पता होना चाहिए।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस की विचारधारा का विरोध करने पर नेताओं को अपनी पार्टियां और गठबंधन छोड़ने की धमकी दी जाती है। खरगे ने दावा किया राहुल गांधी को अक्सर डराने-धमकाने की कोशिश की जाती है, क्योंकि वह भाजपा और आरएसएस का विरोध करते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, हालांकि, राहुल गांधी उनके दबाव में नहीं आए और ऐसी ताकतों के खिलाफ लड़ते रहे, जो देश को बांटना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भारतीय जनता पार्टी के साथ जाने का आगामी चुनाव पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा, महागठबंधन से एक व्यक्ति के जाने से हम कमजोर नहीं होंगे। हम भाजपा को हरा देंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी पर आदतन झूठ बोलने का आरोप लगाया। उनके मुताबिक, प्रधानमंत्री ने हर साल दो करोड़ नौकरियां और हर भारतीय के बैंक खाते में 15 लाख रुपए का आश्वासन देकर लोगों को गुमराह किया गया। पिछले 70 वर्षों के दौरान कांग्रेस की उपलब्धियों पर प्रधानमंत्री मोदी के तंज का जिक्र करते हुए खरगे ने कहा, आप (मोदी) गुजरात के मुख्यमंत्री और अब प्रधानमंत्री बन गए, क्योंकि कांग्रेस ने लोकतंत्र और संविधान को ऊंचा रखा था। लेकिन अब आप लोकतंत्र और संविधान की बुनियादी बातों को नष्ट कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने संविधान को सही ढंग से लागू कर महिलाओं, दलितों, आदिवासियों और वंचितों को अधिकार दिया।

ओडिशा की राजनीतिक परिस्थिति का उल्लेख करते हुए खरगे ने दावा किया कि सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) और विपक्षी भाजपा के बीच प्रेम विवाह हुआ है। खरगे ने आरोप लगाया कि दोनों पार्टियां ओडिशा को लूट रही हैं और राज्य के गरीब लोगों पर अत्याचार कर रही हैं। उन्होंने दावा किया कि जहां भाजपा और बीजद केवल अमीर लोगों के साथ हैं, वहीं कांग्रेस हमेशा गरीबों के साथ खड़ी है।

खरगे ने कहा कि चिटफंड घोटाले में लोगों ने अपनी मेहनत की कमाई गंवा दी और राज्य में खनन की आड़ में लूट एक नियमित घटना है। उन्होंने दावा किया कि बीजद और भाजपा एक-दूसरे से मिली हुई हैं, इसलिए अपराधी पकड़े नहीं जाते। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपने जीवन का आखिरी कांग्रेस अधिवेशन 1964 में भगवान जगन्नाथ की इस भूमि पर किया था। खरगे ने कहा, पंडित नेहरू जी और बीजू पटनायक जी बहुत अच्छे दोस्त थे। वह (बीजू) नेहरू जी की विचारधारा में विश्वास करते थे। लेकिन आज के पटनायक (नवीन) भाजपा की विचारधारा में विश्वास करते हैं। बीजू पटनायक नवीन पटनायक के पिता और ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री थे। खरगे ने किसी का नाम लिए बगैर पटनायक के करीबी सहयोगी और पूर्व आईएएस अधिकारी वीके पांडियन पर भी निशाना साधा।

क्विक न्यूज

सीजेआई ने 12 बजे तत्काल सुनवाई के लिए गैर-सूचीबद्ध मामले का उल्लेख करने पर वकील को लगाई फटकार

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड़ ने सूचीबद्ध नही की गई एक याचिका का 12 बजे तत्काल सुनवाई के लिए उल्लेख किए जाने पर एक युवा वकील को सोमवार को फटकार लगाते हुए कहा कि यह कोई रेलवे प्लेटफार्म नही है कि जो भी ट्रेन आ गई बस चढ़ जाएं। वकील चाहते थे कि न्यायिक सुधारो के लिए अनुरोध करने वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई हो। प्रधान न्यायाधीश ने पूछा, आप (दोपहर) 12 बजे इस तरह से कैसे उल्लेख कर सकते है। सीजेआई के साथ न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा नियमित सूचीबद्ध मामलो की सुनवाई कर रहे थे। सीजेआई चंद्रचूड़ ने रूखे अंदाज मे कहा, यह कोई प्लेटफॉर्म नही है कि जो भी ट्रेन आ गई बस चढ़ जाएं। उनकी पीठ पूर्वाह्न साढ़े 10 बजे दिन की कार्यवाही शुरू होने पर उच्चतम न्यायालय की पीठो के समक्ष तत्काल सूचीबद्ध किए जाने के लिए मामलो का उल्लेख किए जाने की सुनवाई कर रही थी। वकील जब अपने अनुरोध पर अड़े रहे, तो न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने उन्हे फटकार लगाते हुए कहा, आप इस तरह से कैसे उल्लेख कर सकते है? क्या आप उच्चतम न्यायालय मे वकालत करते है? बस खड़े हो गए और उल्लेख करने लगेउ हम अदालत खर्च लगाएंगे...। वकील ने कहा कि वह दिल्ली उच्च न्यायालय मे वकालत करते है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, क्या दिल्ली उच्च न्यायालय मे ऐसा होता है कि वकील किसी भी वक्त खड़े हो जाते है और मामले का उल्लेख करते है? उन्होने वकील को शीर्ष अदालत की कार्यप्रणाली समझने के लिए किसी अधिवक्ता से संपर्क करने की सलाह दी।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा ने बिहार में प्रवेश किया

किशनगंज (बिहार)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा ने सोमवार को किशनगंज के रास्ते बिहार मे प्रवेश किया। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओ ने बिहार मे राहुल गांधी का स्वागत किया। यह 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान के बाद गांधी की पहली बिहार यात्रा है। न्याय यात्रा ने ऐसे समय मे राज्य मे प्रवेश किया जब कांग्रेस के पूर्व सहयोगी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एकदिन पहले फिर से पाला बदलकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) मे वापस चले गए। कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान ने बताया कि गांधी का किशनगंज मे एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करने का कार्यक्रम है, जिसके बाद मंगलवार को निकटवर्ती जिले पूर्णिया मे एक बड़ी रैली और एकदिन बाद कटिहार मे एक और रैली होगी। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने बताया कि राहुल गांधी बृहस्पतिवार को अररिया जिले के रास्ते पश्चिम बंगाल रवाना होगे और कुछ दिनो बाद झारखंड के रास्ते फिर बिहार लौटेगे। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के नेताओ के अनुसार, बिहार मे पार्टी के गठबंधन सहयोगियो राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य को पूर्णिया की रैली मे आमंत्रित किया गया है। कांग्रेस नेता प्रेम चंद्र मिश्रा ने 22 जनवरी को बताया था कि जनता दल-यूनाइटेड (जद-यू) अध्यक्ष नीतीश कुमार भी पूर्णिया मे आयोजित रैली के दौरान राहुल गांधी के साथ मंच साझा करेंगे लेकिन न्याय यात्रा के बिहार मे प्रवेश करने से एकदिन पहले ही नीतीश राज्य मे महागठबंधन और राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) से नाता तोड़कर राजग मे चले गए।

उच्चतम न्यायालय ने याचिकाकर्ता-वकील को कुछ कानून सीखने की सलाह दी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने केंद्र, राज्यो और केंद्र शासित प्रदेशो को न्यायिक आदेशो का पालन करने के लिए निर्देश देने का अनुरोध करने वाली एक जनहित याचिका (पीआईएल) सोमवार को खारिज कर दी तथा याचिकाकर्ता-वकील को कुछ कानून सीखने की सलाह दी। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने जनहित याचिका खारिज करते हुए कहा कि अदालत के सभी आदेशो का पालन करना होता है। पीठ ने कहा, न्यायालय के आदेश से शासित होने वाले सभी पक्ष इसका पालन करने के लिए कर्तव्यबद्ध है, जो अपील आदि पर निर्भर करता है। रिट याचिका नही दायर की जा सकती। पीठ मे न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल है। न्यायालय ने आश्चर्य जताते हुए कहा, किसी रिट याचिका पर विचार करते हुए एक सामान्य आदेश कैसे पारित किया जा सकता है? पीठ ने तमिलनाडु के मदुरै निवासी याचिकाकर्ता-वकील केके रमेश को वरिष्ठ अधिवक्ता से कुछ कानून सीखने की सलाह दी। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, आपके पास कुछ खाली समय है। मुझे लगता है कि आप किसी वरिष्ठ के साथ जुड़ सकते है और कुछ कानून सीख सकते है। हमने पिछली बार भी आपसे कहा था कि ऐसी याचिकाएं दायर न करें। न्यायालय के आदेशो का पालन करने का निर्देश नही दिया जा सकता। अनुपालन नही होने पर निर्देश दिए जाते है। कानून यह है कि आपको पारित किए गए आदेशो का पालन करना होगा।

राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

बाराबंकी। इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज, श्री राम स्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी बाराबंकी एवं जस कार्पस लीगल प्लेटफार्म के संयुक्त तत्वावधान में डायरेक्टर रोहित पी साबरन के निर्देशन में सेमिनार हाल, आई एल एस में ऑफ लाइन एवं आनलाइन मोड पर बेसिक आफ पब्लिकेशन प्रजेंटेशन, जर्नल एन्ड राइटिंग नामक राष्ट्रीय कार्यशाला सम्पन्न हुई। इसमें मुख्य वक्ता आयुष पांडेय एवं उनकी सदस्य टीम रही। कार्यक्रम का सफल आयोजन संयोजक रजत सक्सेना, अम्बुज मिश्र, सहायक प्रवक्ता इन्स्टीट्यूट ऑफलीगल स्टडीज के द्वारा संपादित किया गया। प्रतिभागियों ने अपने प्रश्नों के संतोषजनक उपायों को भी पाकर अपने को लाभान्वित महसूस करते हुए धन्यवाद अर्पित किया। इस अवसर पर छात्र छात्राओं एवं अन्य आयोजकों को प्रशंसा युक्त बधाई चांसलर पंकज अग्रवाल, प्रो. चांसलर पूजा अग्रवाल तथा बाइस चांसलर डॉ. डीके शर्मा सर के द्वारा किया गया और कार्यक्रमो के सफल श्रृंखलाओं के लिए विभाग की सराहना की गई।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास ने उत्सवों की सूची तैयार की

अयोध्या (उप्र)। अयोध्या स्थित नवनिर्मित राम मंदिर में आगामी 14 फरवरी को बसंत पंचमी उत्सव को भव्य स्तर पर मनाने के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास ने विभिन्न हिन्दू पर्वों की एक सूची तैयार की है जिन्हें साल की 12 महत्वपूर्ण तिथियों पर मंदिर में मनाया जा सकता है। न्यास के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। न्यास के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने बताया कि रामलला के मंदिर में विराजमान होने के बाद अब सभी धार्मिक आयोजनों और त्योहारों को हिंदू परंपराओं के अनुसार मनाने की तैयारी की जा रही है। ट्रस्ट ने त्योहारों की एक विस्तृत सूची तैयार की है। उन्होंने बताया कि रामनवमी अयोध्या के लिए एक महत्वपूर्ण त्योहार है और उससे पहले बसंत पंचमी का पर्व आता है। यह त्योहार क्षेत्र के आधार पर अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है। इस दिन सरस्वती पूजा भी होती है।

गिरि ने बताया कि इसके अलावा सीता नवमी, नरसिम्हा जयंती, सावन झूला उत्सव, जन्माष्टमी, विजयादशमी, शरद पूर्णिमा और फिर दीपावली भव्य स्तर पर मनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि साथ ही विवाह पंचमी और मकर संक्रांति जैसे त्योहारों को भी भव्यता के साथ मनाया जाएगा। इस बीच, मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद मंदिर के रुके हुए कार्यों को फिर से शुरू करने की तैयारी की जा रही है। मंदिर के पश्चिमी हिस्से में दो टावर खड़े किए जा रहे हैं। आगामी 15 फरवरी से निर्माण कार्य के लिए श्रमिक भी यहां पहुंचेंगे। इसके लिए निर्माण कंपनी एलएंडटी ने भी तैयारी शुरू कर दी है।

राम मंदिर निर्माण से जुड़े मार्बल विशेषज्ञ रोहित भाटिया ने बताया कि 15 फरवरी के बाद सभी श्रमिक अपने काम पर लौट आएंगे। राम जन्मभूमि परिसर में लगी मशीनों को दोबारा व्यवस्थित करने का काम शुरू कर दिया गया है ताकि श्रमिकों के आने के बाद काम शुरू हो सके।

विद्यालय का खाली ईडब्ल्यूएस सीटों पर अगले वर्ष दाखिला देना आरटीई कानून का उल्लंघन नहीं: कोर्ट

भाषा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) या वंचित समूह (डीजी) श्रेणियों के तहत खाली सीटों पर अगले वर्ष अगली कक्षा में दाखिला देने वाले स्कूल शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम या किसी अन्य कानूनी प्रावधान का उल्लंघन नहीं करते हैं। उच्च न्यायालय ने कहा कि आरटीई अधिनियम की धारा 2(एन)(चार) के अंतर्गत आने वाले प्रत्एक स्कूल द्वारा प्रवेश स्तर की कक्षा में कुल क्षमता की कम से कम 25 प्रतिशत तक सीटों पर ईडब्ल्यूएसाडीजी छात्रों को प्रवेश देना वैधानिक दायित्व है। उसने कहा कि यदि कोई विद्यालय इसमें चूक करता है, तो उसे अगले वर्ष अगली उच्च कक्षा में उस कमी की भरपाई करने का निर्देश देने में कुछ भी अवैध नहीं है।

न्यायमूर्ति सी. हरि शंकर की खंडपीठ ने 40 पृष्ठ के फैसले में कहा, अदालत का मानना है कि एक वर्ष में किसी विशेष कक्षा में न भरी गई ईडब्ल्यूएसाडीजी श्रेणी की सीटों को उसी स्कूल में अगले वर्ष अगली कक्षा में ले जाने का सिद्धांत कानूनी और वैध है, जैसा कि पहले ही माना जा चुका है।

अदालत का यह फैसला पांच वर्ष की एक लड़की की मां की याचिका पर सुनवाई करते हुए आया, जिसे एक निजी स्कूल ने शैक्षणिक सत्र 2021-2022, 2022-2023 और 2023-2024 के लिए तीन बार ईडब्ल्यूएसाडीजी श्रेणी के तहत केजी या प्री-प्राइमरी कक्षा में प्रवेश से वंचित कर दिया था।

अदालत ने एक अंतरिम आदेश में गत सितंबर में स्कूल को याचिका के अंतिम परिणाम के अधीन, 2023-2024 शैक्षणिक सत्र में बच्ची को ईडब्ल्यूएस छात्र के तौर पर कक्षा एक में अस्थाई रूप से प्रवेश देने का निर्देश दिया था।

याचिका का निस्तारण करते हुए, अदालत ने कहा कि लड़की वर्तमान शैक्षणिक वर्ष के अंत तक उसी स्कूल में कक्षा एक में ईडब्ल्यूएस छात्रा के रूप में पढ़ती रहेगी क्योंकि उसे कक्षा से मध्य सत्र से बाहर निकालना पूरी तरह से उसके हितों के विपरीत होगा। इसने शिक्षा निदेशालय को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया कि उसे 2024-2025 में ईडब्ल्यूएसाडीजी श्रेणी उम्मीदवार के रूप में पड़ोस के विद्यालयों में से एक में कक्षा दो में प्रवेश दिया जाए। डीओई यह सुनिश्चित करेगा कि आरटीई अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार बच्ची 14 वर्ष की आयु तक उक्त स्कूल में शिक्षा प्राप्त करती रहे और वह कानून के अनुसार उसकी शिक्षा की फीस वहन करेगा।

पेज 1 का शेष

सोरेन, लालू...

को सीएम हाउस, राजभवन और केंद्र सरकार के कार्यालयों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई क्योंकि सोरेन के दक्षिणी दिल्ली स्थित घर से दृश्य दिन भर सामने आते रहे। रांची में संबंधित घटनाक्रम में ईडी पर सोरेन को निशाना बनाने का आरोप लगाते हुए झामुमो कार्यकर्ताओं ने सोमवार को रांची में एक विशाल रैली निकाली। पार्टी के झंडे, बैनर और सोरेन की तस्वीरें लेकर वे मोरहाबादी मैदान में एकत्र हुए, जहां से उन्होंने मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास, सीएम हाउस की ओर मार्च किया।

पीएम की...

यह सीखना अनिवार्य है। उन्होंने कहा, 'माता-पिता को परिवार में नियमों और विनियमों का एक सेट बनाना चाहिए जैसे कि रात के खाने के दौरान कोई इलेक्ट्रॉनिक गैजेट नहीं और घर में कोई गैजेट जोन नहीं बनाना चाहिए। आज की दुनिया में कोई भी तकनीक से भाग नहीं सकता है।' दसवीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं से पूर्व छात्रों के मानसिक तनाव को कम करने के उद्देश्य से मोदी ने छात्रों को दूसरों से नहीं बल्कि खुद से प्रतिस्पर्धा करने और अभिभावकों को अपने बच्चों में प्रतिस्पर्धा और प्रतिद्वंद्विता के बीज ना बोने का भी सुझाव दिया। अपने वार्षिक परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से बातचीत करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे बच्चों में दृढ़ता पैदा करना और दबावों से निपटने में उनकी मदद करना महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी ने छात्रों को हमेशा ऐसे दोस्त बनाने का सुझाव दिया जो अधिक बुद्धिमान हों और कड़ी मेहनत करते हों। उन्होंने कहा, आपको ऐसे दोस्तों से प्रेरित होना चाहिए। पढ़ाई और परीक्षा के दबाव को खुद पर हावी न होने दें। मोदी ने कहा कि भले ही प्रतिस्पर्धा और चुनौतियां प्रेरणा के रूप में काम करती हैं, लेकिन प्रतिस्पर्धा स्वस्थ होनी चाहिए। उन्होंने कहा, बहुत से माता-पिता अपने बच्चों को दूसरे बच्चों का उदाहरण देते रहते हैं। माता-पिता को इन चीजों को करने से बचना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा, हमने यह भी देखा है कि जो माता-पिता अपने जीवन में बहुत सफल नहीं रहे हैं, उनके पास कहने के लिए कुछ नहीं है या दुनिया को अपनी सफलताओं और उपलब्धियों के बारे में बताना चाहते हैं तो वह अपने बच्चों के रिपोर्ट कार्ड को अपना विजिटिंग कार्ड बना लेते हैं। उन्होंने कहा, जब भी वे किसी से मिलेंगे तो उन्हें अपने बच्चों की कहानी बताएंगे। आपको एक बच्चे की दूसरे के साथ तुलना नहीं करनी चाहिए क्योंकि यह उनके भविष्य के लिए हानिकारक हो सकता है। कुछ माता-पिता अपने बच्चों के रिपोर्ट कार्ड को अपने विजिटिंग कार्ड के रूप में लेते हैं, यह अच्छा नहीं है। प्रधानमंत्री ने बताया कि छात्रों पर तनाव तीन प्रकार का होता है। उन्होंने कहा कि यह कभी साथियों के दबाव से प्रेरित होता है तो कभी माता-पिता द्वारा और कभी स्वयं से भी प्रेरित होता है। उन्होंने कहा, हमें उन्हें किसी भी तरह का दबाव सहन करने में सक्षम बनाना चाहिए। उन्हें (छात्रों को) यह मानना चाहिए कि दबाव तो बनता रहता है लेकिन हमें खुद को तैयार करना होता है। उन्होंने कहा कि माता-पिता, शिक्षकों या रिश्तेदारों की रनिंग कमेंट्री और हर बार नकारात्मक तुलना एक छात्र की मानसिक भलाई के लिए हानिकारक है। मोदी ने कहा, यह भलाई के बजाय नुकसान ज्यादा करता है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शत्रुतापूर्ण तुलनाओं और वार्ताओं के माध्यम से छात्रों के मनोबल और आत्मविश्वास को कम करने के बजाय उनके साथ उचित और सौहार्द्रपूर्ण बातचीत के माध्यम से इस मुद्दे का समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि दबाव इतना नहीं होना चाहिए कि यह किसी की क्षमताओं को प्रभावित करे। उन्होंने कहा, कई बार बच्चे खुद पर दबाव बनाते हैं कि वे उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। मेरा सुझाव है कि आपको तैयारी के दौरान छोटे लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए और धीरे-धीरे अपने प्रदर्शन में सुधार करना चाहिए। इस तरह आप परीक्षा से पहले पूरी तरह से तैयार हो जाएंगे। प्रधानमंत्री ने शिक्षकों और छात्रों के बीच संबंधों पर चर्चा करते हुए कहा कि यह संबंध ऐसा होना चाहिए कि छात्रों को शिक्षक के साथ विषय से संबंधित बंधन से परे कुछ महसूस हो। उन्होंने कहा, यह बंधन गहरा होना चाहिए, यह रिश्ता ऐसा होना चाहिए कि छात्र अपने तनाव, समस्याओं और असुरक्षा के बारे में अपने शिक्षकों से खुलकर चर्चा कर सकें। उन्होंने कहा कि जब शिक्षक अपने छात्रों को अच्छी तरह से सुनेंगे और उनके मुद्दों को पूरी ईमानदारी से संबोधित करेंगे, तभी छात्र बेहतर करेंगे। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि शिक्षक का काम सिर्फ नौकरी करना या उसे बदलना नहीं है बल्कि उसका काम जिंदगी को संवारना है तथा जिंदगी को सामर्थ्य देना है। उन्होंने कहा, ऐसे ही शिक्षक परिवर्तन लाते हैं। छात्रों को भारत के भविष्य को आकार देने वाला बताते हुए मोदी ने कहा कि परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम उनके लिए भी एक परीक्षा की तरह है। परीक्षाओं से पहले छात्रों के साथ अपने संपर्क कार्यक्रम की सातवीं कड़ी में उन्होंने कहा कि छात्र पहले से कहीं अधिक नवाचारी हो गए हैं।मोदी ने कहा, हमारे छात्र हमारे भविष्य को आकार देंगे। प्रधानमंत्री ने इस संवाद के दौरान यह खुलासा भी किया कि कि वह बिस्तर पर जाने के 30 सेकंड के भीतर सो जाते हैं। उन्होंने छात्रों को स्क्रीन टाइम के प्रति आगाह किया, जिससे नींद में खलल पड़ती है। उन्होंने कहा, संतुलित जीवनशैली बनाए रखने के लिए हर चीज की अधिकता से बचना चाहिए। स्वस्थ दिमाग के लिए एक स्वस्थ शरीर महत्वपूर्ण है और इसके लिए कुछ दिनचर्या, सूरज की रोशनी में समय बिताना और नियमित और पूरी नींद लेना आवश्यक है। उन्होंने कहा, स्क्रीन टाइम जैसी आदतें आवश्यक नींद के समय को खा रही हैं, जिसे आधुनिक स्वास्थ्य विज्ञान द्वारा बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। स्क्रीन टाइम शब्द आम तौर पर उस समय को संदर्भित करता है, जो कोई व्यक्ति मोबाइल और टेलीविजन के स्क्रीन का उपयोग करके बिताता है। मोदी ने कहा, मैंने बिस्तर पर जाने के 30 सेकंड के भीतर गहरी नींद में जाने की दिनचर्या बनाए रखी है। जागते समय पूरी तरह जागना और सोते समय गहरी नींद लेना एक संतुलन है, जिसे हासिल किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने अभिभावकों को घरों में नो गैजेट जोन और रात्रि भोजन के दौरान कोई गैजेट नहीं जैसे कुछ नियम और कानून बनाने का सुझाव दिया और साथ ही पारदर्शिता स्थापित करने के लिए अपने घर के सभी मोबाइल फोन का पासवर्ड प्रत्येक सदस्य के साथ साझा करने की भी सलाह दी। उन्होंने कहा, माता-पिता को परिवार में कुछ नियम और कायदे बनाने चाहिए। जैसे रात के खाने के दौरान कोई इलेक्ट्रॉनिक गैजेट का इस्तेमाल न करें। इसी प्रकार ऐसा जोन बनाना चाहिए जहां पर इलेक्ट्रानिक गैजेट प्रतिबंधित हो। आज की दुनिया में, कोई भी प्रौद्योगिकी से दूर नहीं भाग सकता है। इसे बोझ नहीं माना जाना चाहिए, बल्कि इसके प्रभावी उपयोग को सीखना अनिवार्य है। प्रधानमंत्री ने छात्रों को अपने माता-पिता को शिक्षा के लिए प्रौद्योगिकी के संसाधन के बारे में शिक्षित करने का सुझाव दिया और परिवार के भीतर फोन के पासवर्ड साझा करने की भी सिफारिश की। उन्होंने कहा, यह बहुत सारी बुराइयों को रोक देगा। शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित परीक्षा पे चर्चा में पिछले छह वर्षों से छात्र, अभिभावक और शिक्षक शामिल होते रहे हैं। कोरोना महामारी के कारण चौथा संस्करण ऑनलाइन आयोजित किया गया था जबकि पांचवां और छठा संस्करण टाउन-हॉल प्रारूप में संपन्न हुआ था।

मुश्किल में...

मोहम्मद असलम और डिप्टी स्पीकर अहमद सलीम के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव जमा किए थे। दोनों एमडीपी पार्टी से ताल्लुक रखते हैं। द सन डॉट कॉम की खबर के अनुसार इससे पहले आज दिन में संसद ने आवास मंत्री अली हैदर अहमद, इस्लामिक मंत्री मोहम्मद शहीम अली सईद और अटॉर्नी जनरल अहमद उशाम को मंजूरी से इनकार करने के लिए मतदान किया, वहीं अर्थव्यवस्था मंत्री मोहम्मद सईद इस प्रक्रिया में बाल-बाल बच गए।

मिजोरम में...

संसाधनों के विकास और सतत उपयोग पर अंतर-संस्थागत कार्यक्रम समर्थन के तहत मंजूरी दी गई है। 'हम सेब की कम ठंडक देने वाली किस्मों के अलावा उच्च मूल्य वाली सुगंधित फसलों शिटाके और ऑयस्टर मशरूम की खेती को बढ़ावा देने में भी लगे हुए हैं।' आइजोल जिले के खानपुई जैसे गांवों में वैज्ञानिक स्ङ्कस्ज्ञङ्घ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. डेवी लालरुआटलियाना की मदद से स्थानीय सेब किसानों से सीधे जुड़ रहे हैं। गहन प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से उन्हें सेब की खेती, छंटाई तकनीक, प्रशिक्षण विधियों, पोषक तत्व प्रबंधन और सिंचाई बेसिनों और गड्ढों के सावधानीपूर्वक निर्माण में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान की जा रही है। वैज्ञानिक ने बताया, 'इस रणनीतिक पहल का उद्देश्य किसानों को कम ठंडक वाले सेब की सफल खेती के लिए आवश्यक नवीनतम ज्ञान और कौशल से लैस करना है।'

सप्ताह के भीतर लागू होगा सीएए : शांतनु

भाषा। कोलकाता

केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर ने सोमवार को दावा किया कि नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) एक सप्ताह के भीतर देशभर में लागू कर दिया जाएगा। दूसरी तरफ पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने इस दावे को चुनावी बयानबाजी कहकर खारिज कर दिया और राज्य में सीएए के क्रियान्वयन को रोकने का संकल्प जताया।पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के मटुआ समुदाय बहुल बोंगांव से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद ठाकुर ने कहा कि विवादास्पद कानून को सात दिन के भीतर तेजी से कार्यान्वित किया जाएगा। वर्ष 2019 में केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा लाए गए सीएए का उद्देश्य 31 दिसंबर 2014 से पहले बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आकर भारत में बसे हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाइयों सहित प्रताड़ना झेल चुके गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करना है। दक्षिण 24 परगना जिले के काकद्वीप में रविवार शाम एक जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री ठाकुर ने कहा, राम मंदिर का उद्घाटन हो गया है। अगले एक सप्ताह में न केवल पश्चिम बंगाल में बल्कि पूरे देश में सीएए को लागू कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, इस राज्य की सरकार दावा करती है कि अगर आपके पास मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड हैं तो आप इस देश के नागरिक हैं और वोट डाल सकते हैं। अगर ऐसा है तो हजारों लोगों को उनके मताधिकार से वंचित क्यों रखा गया है? मुख्यमंत्री को जवाब देना होगा कि इन लोगों को वंचित क्यों रखा गया। कोलकाता में सोमवार को संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने दोहराया, मैंने कल जो कहा था, उस पर कायम हूं। सात दिन के अंदर सीएए को लागू किया जाएगा। यह मेरी गारंटी है। राज्य की अनुसूचित जाति की आबादी में मटुआ समुदाय का एक बड़ा हिस्सा है। 1950 के दशक से यह समुदाय मुख्य रूप से तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान (अब के बांग्लादेश) में धार्मिक उत्पीड़न के कारण पश्चिम बंगाल की ओर पलायन करता रहा है। ठाकुर का यह दावा इस महीने इन खबरों के बीच आया है कि लोकसभा चुनाव की घोषणा से काफी पहले इस कानून के नियम अधिसूचित कर दिए जाएंगे। उनकी टिप्पणी पर राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया आई जिसने सीएए का पुरजोर विरोध किया और इसे विभाजनकारी करार दिया। प्रदेश सरकार की मंत्री शशि पांजा ने कहा, भाजपा हमेशा की तरह सीएए का इस्तेमाल करने की पुरानी चाल अपना रही है। हमारी पार्टी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्पष्ट कहा है कि पश्चिम बंगाल में सीएए लागू नहीं किया जाएगा। राज्य में रहने वाले लोग पहले ही इस देश के नागरिक हैं। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा भाजपा नेता लोकसभा चुनाव से पहले सीएए के मुद्दे को उठा रहे हैं जो महज चुनावी बयानबाजी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कूच बिहार जिले में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा पर चुनाव से पहले फायदा उठाने के मकसद से सीएए के मुद्दे को उठाने का आरोप लगाया।

अमेरिका ने वर्ष 2023 में भारतीयों को रिकॉर्ड 14 लाख वीजा जारी किए

नई दिल्ली। अमेरिका ने 2023 में रिकॉर्ड 14 लाख भारतीयों को वीजा जारी किए और आगंतुक वीजा प्राप्त करने के प्रतीक्षा समय में 75 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। अमेरिकी दूतावास ने सोमवार को यह जानकारी दी।अमेरिकी दूतावास के मुताबिक, 2022 की तुलना में भारतीयों द्वारा वीजा आवेदन में 60 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। दूतावास ने एक बयान में बताया कि प्रक्रिया में सुधार और कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने से आगंतुक वीजा प्राप्त करने के प्रतीक्षा समय औसतन एक हजार दिन से घटकर केवल 250 दिन रह गए हैं, जो अन्य सभी श्रेणियों में सबसे कम प्रतीक्षा समय है। दूतावास के मुताबिक, वर्ष 2023 में भारत में अमेरिकी दूतावास और वाणिज्य दूतावासों ने रिकॉर्ड तोड़ 14 लाख वीजा जारी किए। वहीं आगंतुक वीजा प्राप्त करने के लिए प्रतीक्षा समय में 75 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

क्विक न्यूज

मुंडा ने कृषि क्षेत्र में कार्बन बाजार को बढ़ावा देने के लिए रूपरेखा की शुरुआत की

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने सोमवार को कृषि क्षेत्र मे स्वैच्छिक कार्बन बाजार (वीसीएम) को बढ़ावा देने के लिए एकरूपरेखा की शुरुआत की। उन्होने इस मौके पर कहा कि इससे छोटे और मझोले किसानो को कार्बन क्रेडिट का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।मंत्री ने कहा कि किसानो को कार्बन बाजार से परिचित कराने से न केवल उन्हे लाभ होगा बल्कि पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियो को अपनाने मे भी तेजी आएगी। एक सरकारी बयान के अनुसार, उन्होने यहां कृषि क्षेत्र मे स्वैच्छिक कार्बन बाजार के लिए रूपरेखा और कृषि वानिकी नर्सरी के मान्यता प्रोटोकॉल का शुभारंभ किया। उन्होने किसानो के हित मे कार्बन बाजार को बढ़ावा देने के लिए केंद्र और राज्यो के संबंधित मंत्रालयो और अन्य संगठनो से सहयोग का अनुरोध किया। मंत्री ने कहा, ग्लोबल वार्मिंग जैसी वैश्विक चुनौतियां हम सभी के सामने है, इसलिए हमे सावधानी से आगे बढ़ना होगा। मुंडा ने कहा कि कृषि वानिकी नर्सरी का मान्यता प्रोटोकॉल देश मे कृषि वानिकी को बढ़ावा देने के लिए बड़े पैमाने पर रोपण सामग्री के उत्पादन और प्रमाणीकरण के लिए संस्थागत व्यवस्था को मजबूत करेगा। उन्होने सभी अंशधारकों से प्रोटोकॉल अपनाने को कहा ताकि गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री सुनिश्चित लाभ प्रदान कर सके। मुंडा ने कहा कि देश मे कृषि क्षेत्र अर्थव्यवस्था और करोड़ो लोगो की आजीविका मे महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होने कहा कि देश का 54.6 प्रतिशत कार्यबल कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की गतिविधियो में लगा हुआ है। सकल घरेलू उत्पाद मे कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी 18.6 प्रतिशत है, जबकि बुवाई का रकबा 13.93 करोड़ हेक्टेयर है।

महरम के बिना हज पर जाएंगी 5162 महिलाएं, सबसे अधिक केरल से

नई दिल्ली। भारत से इस साल 5,162 महिलाएं महरम (पुरुष रिश्तेदार) के बिना हज के लिए जाएंगी और इनमे सबसे अधिक 3584 महिलाएं केरल से है। भारत से महरम के बिना हज पर जाने वाली महिलाओ की यह अब तक की सर्वाधिक संख्या है। भारतीय हज समिति ने हज-2024 के लिए सोमवार को कम्प्यूटरीकृत लॉटरी के जरिए हज यात्रियो का चयन किया। हज समिति की ओर से जारी विज्ञप्ति मे कहा गया है, हज-2024 मे 70 वर्षीय और उससे अधिक आयु के 6370 और बिना महरम वाली 5162 महिलाए के आवेदन प्राप्त हुए। ए संख्या पिछले वर्षो की तुलना मे बहुत अधिक है। इन दोनो श्रेणियो मे सभी आवेदकों का चयन बिना लॉटरी किया गया। हज समिति के मुख्य कार्यकारी अधिकारी लियाकत अली अफाकी बताया कि बिना महरम वाली महिलाओ के सर्वाधिक 3584 आवेदन केरल से प्राप्त हुए, जबकि तमिलनाडु से 378, कर्नाटक से 249, महाराष्ट्र से 166, उत्तर प्रदेश से 141, तेलंगाना से 130, जम्मू-कश्मीर से 82, मध्य प्रदेश से 72, गुजरात से 64 और दिल्ली से 50 आवेदन मिले थे। उन्होने कहा कि आंध्र प्रदेश से 44, पश्चिम बंगाल से 40, राजस्थान से 33, बिहार से 30, असम से 29, पुडुचेरी से 19, छत्तीसगढ़ से 14, उत्तराखंड से 10, झारखंड से 9, गोवा और ओडिशा से 5-5, लद्दाख से 3, लक्षद्वीप से 2, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और पंजाब से एक आवेदन प्राप्त हुए है। अफाकी ने कहा, 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सर्वाधिक 1306 आवेदन महाराष्ट्र से प्राप्त हुए है, जबकि केरल से 1250, उत्तर प्रदेश से 586, जम्मू-कश्मीर से 530, कर्नाटक से 514, तेलंगाना से 376, गुजरात से 292, हरियाणा से 274, तमिलनाडु से 214, मध्य प्रदेश से 204, राजस्थान से 190, बिहार से 136, असम से 104, दिल्ली से 80, पश्चिम बंगाल से 84, झारखंड से 56, उत्तराखंड से 44, आंध्र प्रदेश से 42, छत्तीसगढ़ से 34, मणिपुर से 32, उड़ीसा से 12, लद्दाख से 4, पुडुचेरी, लक्षद्वीप और अंडोमान एंड निकोबार से 2-2 आवेदन प्राप्त हुए है। गौरतलब है कि हज समिति का।,40,020 का कोटा निर्धारित है, जबकि,74,000 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए।

हिजाब को लेकर विधायक के बयान पर विवाद, छात्राओं का थाने के बाहर प्रदर्शन

जयपुर। जयपुर के एक सरकारी स्कूल मे पढ़ने वाली मुस्लिम छात्राओं ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक बालमुकुंद आचार्य के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर सोमवार को सुभाष चौक पुलिस थाने के सामने प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि विधायक ने स्कूल मे एक कार्यक्रम के दौरान छात्राओ के हिजाब पहनने पर आपत्ति जताई थी। कई स्कूली छात्राओ ने आज सुभाष चौक थाने के बाहर सड़क पर जाम लगा दिया और स्थानीय भाजपा विधायक के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होने विधायक से माफी मांगने और नेता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। प्रदर्शनकारी छात्राओ ने संवाददाताओ से कहा, विधायक वार्षिक समारोह मे भाग लेने के लिए हमारे स्कूल आए थे। हमने उनका स्वागत किया। हमे बताया गया कि हिजाब की अनुमति नही है। विधायक ने हमसे पूछा कि हिजाब पहने बच्चियां सांस कैसे लेती है। बाबा को माफी मांगनी चाहिए। आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक रफीक खान ने इस मुद्दे को सदन मे उठाने की भी कोशिश की, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष ने उन्हे बोलने की अनुमति नही दी और इस बारे मे उनकी टिप्पणी को विधानसभा की कार्यवाही से हटाने को कहा। हवामहल सीट से भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य ने मुस्लिम छात्राओ के प्रदर्शन के सवाल पर संवाददाताओ से कहा, मैने विद्यालय की प्राचार्य से पूछा था कि सरकारी विद्यालय मे जब 26 जनवरी का कार्यक्रम हो या वार्षिक उत्सव हो तो दो प्रकार की पोशाक का प्रावधान है क्या? प्राचार्य ने कहा नही है.. मानते नही है। उन्होने कहा, विद्यालय मे कार्यक्रम के दौरान छोटी बच्चियां और आठवी, दसवी कक्षा की सभी बच्चियां या तो हिजाब मे थी या बुर्के मे। वहां दो तरह का माहौल नजर आ रहा था तो मैने प्राचार्य से पूछा था कि विद्यालय का ड्रेस कोड बना हुआ है?

अभिनेत्री मौनी रॉय बनीं एंबेसडर

नई दिल्ली। मशहूर भारतीय अभिनेत्री मौनी रॉय के ब्लैकज़ोन की ब्रांड एंबेसेडर होंगी। इस साझेदारी से अपनी अनोखी डिज़ाइनों, तकनीकी इनोवेशन और किफायती कीमतों के लिए लोकप्रिय ब्रैंड की बढ़ती लोकप्रियता को और गति मिली है। ब्लैकज़ोन मेक इन इंडिया को सफल बनाने की दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है और इसके लिए मेट्रो शहरों से निकलकर छोटे भारतीय शहरों और कस्बों तक अपनी पहुंचा का विस्तार कर रहा है। अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक दिलचस्प रील शेयर करते हुए रॉय ने अपने दर्शकों के लिए ब्लैकज़ोन ब्रैंड को पेश किया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह सिर्फ एक फोन ब्रैंड नहीं है, बल्कि यह आपके स्टाइल को दर्शाता है जिसके हर फोन की अपनी अलग खासियतें हैं और वे बहुत ही शानदार रंगों में उपलब्ध हैं। अपने प्रशंसकों से हिंदी में बात करते हुए और ब्लैकज़ोन द्वारा बनाए हुए एक फीचर फोन को दिखाते हुए रॉय ने कहा, दोस्तो, आज मैं आपके सामने ब्रैंड ब्लैकज़ोन पेश कर रही हूं जो हमारे अपने ब्रैंड्स में से ही एक है। यह सिर्फ एक फोन नहीं है, बल्कि एक स्टाइल स्टेटमेंट है। ब्लैकज़ोन के सभी फोन अलग-अलग रंगों और अलग-अलग खूबियों के साथ आते हैं। उन्होंने कहा, ब्लैकज़ोन आपके लिए लेकर आया 4जी फीचर फोन जो न सिर्फ किफायती हैं, बल्कि उनका साइज़ भी बहुत छोटा है। सबसे अच्छी बात यह है कि इन फोन को भारत में बनाया गया है। इसके अलावा उन्होंने ब्रैंड की खूबियों और भारतीय अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में योगदान देने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के बारे में भी बताया। ब्लैकज़ोन को न सिर्फ इसकी चिक डिज़ाइन और बेहतरीन खूबियों के लिए जाना जाता है,।

असली दुश्मनों की पहचान करने का समय आ गया है: मुख्यमंत्री

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने सोमवार को कहा कि राज्य कठिन दौर से गुजर रहा है और अब समय आ गया है कि लोग एकजुट हो और पहचाने कि असली दुश्मन कौन है। इंफाल रिंग रोड परियोजना के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, हम आज एक कठिन दौर से गुजर रहे है। यह पहली बार नही है कि हम कठिन दौर का सामना कर रहे है। 1992-1993 के जातीय संघर्ष के दौरान।,000 से अधिक लोगो की जान चली गई थी। आज हम संघर्ष कर रहे है। हम उन तत्वो से निपट रहे है जो 2,000 साल से अधिक के इतिहास वाले राज्य को तोड़ना चाहते है। उन्होने कहा, राज्य पिछले नौ महीने से अधिक समय से सोया नही है। सिंह ने कहा, हम उन्हे कभी भी जीतने या उनके मंसूबो मे कामयाबी हासिल करने की अनुमति नही देंगे। सीमा क्षेत्रो मे 3,000 से अधिक राज्य बलो को तैनात किया गया है। उन्होने लोगो से अपील की कि वे इंफाल घाटी मे अशांति न फैलाएं। घाटी को शांतिपूर्ण रहने दे।

इनोवेशन अवार्ड्स 10 फरवरी को मिलेंगे

नई दिल्ली। इग्नाइट टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन अवार्ड्स 2023 को मिले जबरदस्त रिस्पांस को देख बेहद रोमांचित है, इस अवॉर्ड के लिए ग्रेड 8-12 तक के स्टूडेंट्स के 19,000 से अधिक रजिस्ट्रेशन और 4,000 से अधिक इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स का पार्टिसिपेशन देखने को मिला। देश भर से स्टूडेंट्स ने पॉजिटिव सोशल इम्पैक्ट के लिए के लिए अपनी प्रॉब्लम सॉल्विंग अप्रोच का प्रदर्शन करते हुए टेक फॉर गुड थीम के तहत व्यक्तिगत/ग्रुप एंट्रीज जमा की। वीवो इंडिया के कॉरपोरेट स्ट्रेटजी के हेड गीताज चन्नाना ने जबरदस्त रिस्पांस पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, हम पूरे भारत से 19,000 से अधिक स्टूडेंट्स की प्रतिक्रिया में यंग क्रिएटिव माइंड्स के असाधारण उत्साह को देखकर प्रसन्न हैं। पिछले साल, लगभग 3000 स्टूडेंट्स ने अवॉर्ड्स में भाग लिया था। वीवो इग्नाइट के प्रसार में हुई जबरदस्त वृद्धि देखना खुशी की बात है। इंडिया के यंग माइंड्स द्वारा प्रदर्शित पैशन और क्रिएटिविटी वास्तव में प्रेरणादायक है। वीवो में, हम इग्नाइट अवार्ड्स जैसी पहल के माध्यम से भारत के युवाओं को सपोर्ट देने, उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने और इनोवेशन के वाइब्रेंट कल्चर में योगदान करने के लिए एक प्लेटफार्म प्रदान करने में बहुत गर्व महसूस करते हैं।ग्रेड 8-12 के लिए ओपन इस प्रतियोगिता में दो फेज और एक ग्रैंड फिनाले का आयोजन किया जाएगा।

तिरुपति मंदिर के बोर्ड ने 2024-25 के लिए 5,142 करोड़ रुपए के बजट को मंजूरी दी

भाषा। तिरुपति

तिरुपति में श्री वेंकटेश्वर मंदिर के आधिकारिक संरक्षक तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने वर्ष 2024-25 के लिए 5,142 करोड़ रुपए के बजट अनुमान को सोमवार को मंजूरी दे दी। टीटीडी चेयरमैन बी करुणाकर रेड्डी की अध्यक्षता में हुई बोर्ड की बैठक में यह निर्णय लिया गया। यह बजट अनुमान 2023-24 के 5,123 करोड़ रुपए से कुछ ज्यादा है। भाषा से साझा किए गए बजट के प्रमुख बिंदुओं के अनुसार, हुंडी कनुका (श्रद्धालुओं का चढ़ावा)1,611 करोड़ रुपए के साथ धन संग्रह का सबसे बड़ा स्रोत बनकर उभरा है। विश्व प्रसिद्ध मंदिर में पिछले साल भी इतना ही चढ़ावा आया था। ब्याज के रूप में 1,167 करोड़ रुपए की प्राप्ति कोष का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत रहेगा। यह 2023-24 से 100 करोड़ रुपए ज्यादा है। इसके बाद प्रसादम रसीदें 600 करोड़ रुपए (2023-24 के 550 करोड़ रुपए की तुलना में) और बैंक खाते में 347 करोड़ रुपए का शेष आता है। शुरुआती नकदी और बैंक शेष 2023-24 के बजट अनुमान की तुलना में 180 रुपए कम रहने का अनुमान है। बजट अनुमान के अनुसार, दर्शनम रसीदों से 338 करोड़ रुपए (पिछले साल 328 करोड़ रुपए), कर्मियों को कर्ज एवं अग्रिम के साथ-साथ प्रतिभूति जमा व अन्य से 246 करोड़ रुपए (पिछले साल 146 करोड़ रुपए) का लक्ष्य रखा गया है।

सेंसेक्स में 1241 अंक का उछाल, निफ्टी 21,700 अंक के ऊपर

भाषा। मुंबई

स्थानीय शेयर बाजार में सोमवार को तेजी लौटी और दोनों मानक सूचकांक में जोरदार उछाल आया। एशिया के अन्य बाजारों में तेजी के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज में भारी लिवाली के साथ बीएसई सेंसेक्स जहां।,241 अंक मजबूत हुआ, वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 21,700 अंक के आंकड़े को पार कर गया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स।,240.90 अंक यानी 1.76 प्रतिशत की बढ़त के साथ 71,941.57 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह।,309.55 अंक तक उछल गया था। निफ्टी भी 385 अंक यानी 1.80 प्रतिशत उछलकर 21,737.60 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर करीब सात प्रतिशत चढ़ गया। बाजार में तेजी में इसका सबसे ज्यादा योगदान रहा। इसके अलावा टाटा मोटर्स, पावर ग्रिड, लार्सन एंड टुब्रो, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी, टाइटन और अल्ट्राटेक सीमेंट भी प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ आईटीसी, इन्फोसिस, जेएसडब्ल्यू स्टील, टेक महिंद्रा और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज नुकसान में रहे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, हाल की बिकवाली तथा एशिया के अन्य बाजारों में तेजी के बाद प्रमुख कंपनियों के शेयरों में लिवाली से घरेलू बाजार में तेजी लौटी। शेयरों के अधिक मूल्यांकन के बावजूद अंतरिम बजट को लेकर निवेशकों के बीच भरोसा बना हुआ है...। उन्होंने कहा, वैश्विक स्तर पर अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की आगामी मौद्रिक नीति समीक्षा महत्वपूर्ण है। नीतिगत दर में कटौती की संभावना कम है लेकिन निवेशकों को एफओएमसी (फेडरल ओपेन मार्केट कमेटी) की टिप्पणियों पर नजर होगी।

कर्नाटक में हनुमान ध्वज हटाने को लेकर विवाद हुआ तेज, कुमारस्वामी भी सड़क पर उतरे

भाषा। मांड्या (कर्नाटक)

केरागोडु में अधिकारियों द्वारा 108 फुट ऊंचे ध्वज स्तंभ पर फहराए गए भगवान हनुमान की छवि वाले भगवा झंडे को हटाने को लेकर हुआ विवाद सोमवार को गहरा गया। ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं ने अपना विरोध जारी रखा और ध्वज को एक बार फिर फहराने की मांग की। जनता दल (सेक्युलर) के प्रदेश अध्यक्ष एच.डी. कुमारस्वामी सोमवार को मांड्या के निकट केरागोडू गांव से भगवान हनुमान की छवि वाला भगवा ध्वज हटाने के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल हुए। केरागोडु गांव में हनुमान ध्वज को हटाए जाने के बाद जोरदार विरोध प्रदर्शन और पुलिस कार्रवाई के एक दिन बाद स्थिति तनावपूर्ण किंतु नियंत्रण में है। इस घटना के बाद राजनीतिक खींचतान शुरू हो गई है और विपक्षी भाजपा-जनता दल (सेक्युलर) और कांग्रेस सरकार के बीच वाकयुद्ध छिड़ गया है। पुलिस ने रविवार को भीड़ को तितर-बितर करने और स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए हल्का लाठीचार्ज किया। पुलिस एवं प्रशासन ने हनुमान ध्वज उतारकर उसकी जगह तिरंगा फहरा दिया। प्रदर्शनकारियों ने आज सुबह जय श्री राम के नारों के बीच केरागोडु से मांड्या जिला मुख्यालय में भगवा झंडे लेकर उपायुक्त कार्यालय तक मार्च निकाला। उन्होंने कांग्रेस सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस मार्च में भाग लेने वालों में भाजपा नेता सी टी रवि और प्रीतम गौड़ा भी शामिल थे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जैसे ही मार्च मांड्या शहर पहुंचा, पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्का लाठीचार्ज किया क्योंकि कुछ प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और अन्य कांग्रेस नेताओं की तस्वीर वाले एक पोस्टर को निशाना बनाने की कोशिश की थी। एहतियात के तौर पर पुलिस बल की एक बड़ी टुकड़ी तैनात की गई है, क्योंकि केरागोडु और आसपास के गांवों के लोग, भाजपा, जद(एस) और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं और अन्य संगठनों के कार्यकर्ताओं ने झंडे को हटाने का विरोध जारी रखा और मांग की कि इसे एक बार फिर फहराया जाए। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने सोमवार को विपक्षी भाजपा और जद(एस) पर आगामी लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए झंडा हटाने के मुद्दे पर लोगों को भड़काने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने स्पष्टीकरण दिया कि अधिकारियों को हस्तक्षेप करना पड़ा क्योंकि अनुमति केवल राष्ट्रीय और कन्नड़ ध्वज फहराने के लिए ली गई थी। मुख्यमंत्री ने उन्हें हिंदू विरोधी कहने के लिए भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) पर भी पलटवार किया और कहा, वह एक ऐसे हिंदू हैं, जो सभी धर्मों के लोगों से प्यार करते हैं। विपक्ष के नेता आर अशोक (भाजपा) और राज्य जद(एस) प्रमुख एचडी कुमारस्वामी के विरोध में शामिल होने पर सिद्धारमैया ने कहा कि वे लोगों को भड़काने में लगे हुए हैं। विरोध प्रदर्शन में केरागोडु और आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में महिलाएं हिस्सा ले रही हैं. सबसे आगे रहने वाले नेताओं ने कहा कि जब तक भगवा झंडा दोबारा नहीं फहराया जाता तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। विरोध प्रदर्शन करते हुए लोगों ने "जय श्रीराम" के नारे के साथ जिला प्रशासन और कांग्रेस सरकार के खिलाफ भी नारे लगाए गए। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि केरागोडु में, पुलिस ने ध्वजस्तंभ के चारों ओर अवरोधक लगाए हैं और जगह को सुरक्षित करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई अप्रिय घटना न हो।

भाजपा विधायक ने हिंदू जनाक्रोश सभा में कहा-पुलिस की चिंता न करें, फडणवीस हैं न

पुणे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक नितेश राणे ने सोलापुर में हिंदू जनाक्रोश सभा से कहा कि वह उनकी आक्रामकता का भरपूर समर्थन करेंगे और वे पुलिस की चिंता न करें क्योंकि उनके बॉस सागर बंगला में बैठे हैं। सागर बंगला महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री, गृह मंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस का सरकारी आवास है। रविवार को पंढरपुर में रैली के दौरान राणे ने सभा से कहा कि वह हिंदू समुदाय के साथ खड़े हैं और उन्हें पुलिस कार्वाई के डर के बिना काम करना चाहिए। राणे ने कहा, हम यहां किसी के काम में दखल देने नहीं आए हैं। मैं सभी जिहादियों से कहना चाहता हूं कि आप जहां हैं वहीं रहें और हमसे न भिड़ें क्योंकि हमारे धर्म में हमें सिखाया गया है कि आपको कैसे मिटाना है। कणकवली से विधायक राणे ने कहा, "अगर कोई पुलिसकर्मी सिर्फ इसलिए आपको परेशान करता है क्योंकि आप हिंदू हैं, तो उसके चेहरे पर थप्पड़ मार दीजिए। मैं आपको आश्वासन दे रहा हूं कि हम आपके साथ हैं। सरकार आपके साथ है। राणे ने फडणवीस का जिक्र करते हुए कहा, मैं आपको पुलिस के सामने यह विश्वास दिला सकता हूं ।

केंद्र सरकार ने आतंकवादी समूह सिमी पर प्रतिबंध पांच वर्ष के लिए बढ़ाया

भाषा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने देश में आतंकवाद को बढ़ावा देने और शांति व सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने में संलिप्तता के लिए आतंकवादी समूह स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) पर लगा प्रतिबंध को सोमवार को पांच वर्ष के लिए बढ़ा दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आतंकवाद को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने (जीरो टॉलरेंस) के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को मजबूत करते हुए, सिमी को गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के तहत पांच साल की अवधि के लिए विधि विरुद्ध संगठन घोषित किया गया है। कम से कम 10 राज्य सरकारों आंध्र प्रदेश, गुजरात, झारखंड, केरल, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश ने यूएपीए के प्रावधानों के तहत सिमी को विधि विरुद्ध संगठन घोषित करने की सिफारिश की है। सिमी पर पहली बार अटल बिहारी वाजपेई की सरकार में 2001 में प्रतिबंध लगाया गया था। तब से हर पांच साल में प्रतिबंध बढ़ाया जाता रहा है। सिमी पर पिछला प्रतिबंध 31 जनवरी, 2019 को लगाया गया था। शाह ने कहा, "सिमी को भारत की संप्रभुता, सुरक्षा और अखंडता को खतरे में डालने के लिए आतंकवाद को बढ़ावा देने, शांति व सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने में शामिल पाया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि सिमी अपनी गैरकानूनी गतिविधियों को जारी रखे हुए है और अपने कार्यकर्ताओं को फिर से संगठित कर रहा है, जो अब भी फरार हैं। अधिसूचना में कहा गया है कि यह समूह साम्प्रदायिकता, वैमनस्य पैदा करके, राष्ट्र-विरोधी भावनाओं के प्रचार, उग्रवाद का समर्थन करके देश की अखंडता व सुरक्षा के लिए हानिकारक गतिविधियों को अंजाम दे रहा है और धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को नुकसान पहुंचा रहा है। अधिसूचना में कहा गया है, सिमी ऐसी गतिविधियों में लिप्त रहा है, जो देश की सुरक्षा के लिए हानिकारक हैं और शांति व सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने तथा देश के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को बाधित कर सकती हैं। उपर्युक्त कारणों से केंद्र सरकार का मानना है कि सिमी की गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए, समूह को तत्काल प्रभाव से पांच साल के लिए गैरकानूनी संगठन घोषित करना आवश्यक है। गृह मंत्रालय ने पिछले कुछ वर्षों में लगभग 17 आतंकी मामलों का भी हवाला दिया, जिनमें सिमी कार्यकर्ता कथित रूप से शामिल थे। अधिसूचना में पूर्व सिमी कार्यकर्ता एआर कुरैशी के खिलाफ एनआईए मामले का उल्लेख किया गया है, जिसने "इस्लामिक जिहाद के लिए" अपने सहयोगियों के साथ आईएसआईएस में शामिल होने और भारत में लक्षित हत्याओं को अंजाम देने की साजिश रची थी।

नीतीश के पाला बदलने को लेकर सोशल मीडिया उपयोगकर्ता ले रहे मजे

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एक बार फिर पाला बदलने को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा गर्म है। किसी ने नीतीश के इस अंदाज के लिए उनके नाम पर एक नया शब्द ईजाद किया तो किसी ने उन्हें पलटू चाचा करार दिया। सोशल मीडिया पर कई मीम छाए हुए हैं, जिनमें किसी में नीतीश को पलटू चाचा , किसी में पलटू पुत्र तो किसी में पलटू राम कहा गया है। एक ओर जहां राजनीतिक जानकार जदयू प्रमुख नीतीश के ताजा फैसले का विश्लेषण करने में जुटे हैं तो दूसरी ओर व्हाट्सऐप, एक्स , फेसबुक और इंस्टाग्राम पर लोग उनपर चुटकुले और मीम बना रहे हैं। व्हाट्सऐप पर एक पोस्ट में उसने मुझे धोखा किया का अंग्रेजी अनुवाद ही नीतीश्ड मी ही लिख दिया गया है।सोशल मीडिया मंच एक्स पर कुंगफू पांडे नामक हैंडल से पोस्ट किया गया, जिसमें काम के बारे में पांच सबक सिखाए गए हैं। पोस्ट में कहा गया है, 5. हमेशा लचीला रुख रखो। 4. सही समय पर नौकरी बदलो। 3. पुरानी कंपनी से नाता मत तोड़ो। 2. दोबारा कंपनी में जाने का विकल्प खुला रखो। 1. दूसरी नौकरी हाथ में होने से पहले मौजूदा नौकरी मत छोड़ो। नीतीश ने रविवार को बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद कहा था कि महागठबंधन और विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया में उनके लिए चीजें ठीक नहीं चल रही थीं। क दशक में पांचवीं बार पाला बदलते हुए उन्होंने भाजपा के साथ नई सरकार बनाई है। भाजपा से 18 महीने पहले उन्होंने नाता तोड़ लिया था और महागठबंधन के समर्थन से मुख्यमंत्री बने थे। पत्रकार माधवन नारायणन ने एक्स पर लिखा, बीसीसीआई राजस्व बढ़ाने और खेल की व्यापक अपील के लिए एक नया क्रिकेट टूर्नामेंट प्रारूप शुरू करने के बारे में सोच रहा है। मैच के बीच में कप्तान को पाला बदलने की अनुमति होगी। इसे नीतीश कप कहा जाएगा। एक्स पर एक यूजर ने बिहार की राजनीति को बयां करने के लिए अंदाज अपना अपना फिल्म के एक दृश्य का वीडियो साझा किया। वीडियो में परेश रावल को नीतीश कुमार, सलमान खान को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और आमिर खान को कांग्रेस के तौर पर दिखाया गया है, जो एक ही बाइक पर बैठने का प्रयास कर रहे हैं। अंत में नीतीश कुमार अपने पूर्व गठबंधन सहयोगी राजद और कांग्रेस को छोड़कर बाइक से चले जाते हैं।

नीतीश जल्द करेंगे मंत्रिमंडल विस्तार, विस अध्यक्ष पद के लिए गोलबंदी शुरू

भाषा। पटना

बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ गठबंधन कर सरकार बनाने के एक दिन बाद विधानसभा अध्यक्ष पद और अन्य विधायकों को मंत्रिपरिषद में शामिल करने के लिए जोरदार गोलबंदी शुरू हो गई है। कुमार ने विभागों के बंटवारे के लिए अपने नए मंत्रिमंडल की सोमवार को बुलाई गई बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के बाद विभागों के बंटवारे को लेकर राजग के घटक दलों के नेता चुप्पी साधे रहे। सूत्रों के मुताबिक कैबिनेट सचिवालय सोमवार शाम तक विभागों के बंटवारे से संबंधित अधिसूचना जारी कर सकता है। कैबिनेट बैठक में रविवार को शपथ लेने वाले सभी आठ मंत्री शामिल हुए। नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी तथा विजय कुमार सिन्हा के अलावा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रेम कुमार, जनता दल यूनाइटेड (जद-यू) के विजेंद्र यादव, श्रवण कुमार और विजय कुमार चौधरी, हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के संतोष कुमार सुमन और निर्दलीय विधायक सुमित कुमार सिंह ने मंत्री के तौर पर रविवार को शपथ ली थी। रिकॉर्ड नौवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद कुमार ने कहा था कि अब राजग को छोड़ने का कोई सवाल ही नहीं है। जद (यू) के शीर्ष नेता ने कहा था, मैं पहले भी उनके (राजग) साथ था। हम अलग-अलग रास्तों पर चले गए, लेकिन अब हम साथ हैं और रहेंगे। मैं जहां (राजग) था, वहां वापस आ गया और अब कहीं और जाने का सवाल ही नहीं उठता। इस बीच, भाजपा ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का प्रतिनिधित्व करने वाले अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी के खिलाफ विधानसभा सचिव को अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस सौंपा है। नोटिस में भाजपा नेताओं ने वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष में विश्वास की कमी व्यक्त की है क्योंकि नई सरकार सत्ता में आ गई है। प्रस्ताव पर भाजपा के साथ-साथ जद (यू) के विधायकों ने भी हस्ताक्षर किए। विश्वस्त सूत्रों से पता चला है कि विधानसभा अध्यक्ष का पद भाजपा के पास रहने की उम्मीद है। बिहार विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए जिन नामों की चर्चा चल रही है उनमें भाजपा के वरिष्ठ नेता नंद किशोर यादव और अमरेंद्र प्रताप सिंह का नाम भी शामिल है। भाजपा नेताओं ने सोमवार को संकेत दिया कि अन्य जातियों, अल्पसंख्यक समूहों और महिला विधायकों को जगह देने के लिए एक या दो दिन में आगे भी कैबिनेट का विस्तार किया जाएगा। जद(यू) के एक नेता ने नाम नहीं उजागर किए जाने की शर्त पर बताया, नीतीश कुमार मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले संभावित चेहरों में भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन, नितिन नवीन, रामप्रीत पासवान, जनक राम, श्रेयशी सिंह और जदयू नेता सुनील कुमार सिंह, मदन सहनी, लेसी सिंह, शीला मंडल, जयंत राज अशोक चौधरी और संजय झा के नाम की चर्चा है।

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 30 जनवरी 2024

दक्षिण सूडान में संघर्ष में 52 लोगों की मौत

तेल संपन्न क्षेत्र अबेई में हुई घटना : अधिकारी

भाषा। जुबा (दक्षिण सूडान)

सूडान और दक्षिण सूडान दोनों के दावे वाले तेल समृद्ध क्षेत्र अबेई में बंदूकधारियों ने ग्रामीणों पर हमला किया, जिसमें एक संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षक सहित कम से कम 52 लोग मारे गए और 64 घायल हो गए। क्षेत्र के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अबेई के सूचना मंत्री बुलिस कोच ने अबेई से टेलीफोन पर दिए साक्षात्कार में एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को बताया कि शनिवार शाम को हुए हमले का मकसद तुरंत स्पष्ट नहीं हुआ, लेकिन इसके भूमि विवाद से जुड़े होने का संदेह है। क्षेत्र में घातक जातीय हिंसा की घटनाएं आम रही हैं, जहां पड़ोसी वार्प राज्य के ट्विक डिंका जनजाति समुदाय का सीमा पर स्थित अनीत क्षेत्र को लेकर अबेई के नगोक डिंका के साथ भूमि विवाद है। कोच ने कहा कि शनिवार की हिंसा में हमलावर नुएर जनजाति के हथियारबंद युवक थे जो पिछले साल अपने क्षेत्रों में आई बाढ़ के कारण वार्प राज्य में चले गए थे। अबेई में तैनात संयुक्त राष्ट्र अंतरिम सुरक्षा बल (यूएनआईएसएफए) ने एक बयान में हिंसा की निंदा की जिसमें शांतिरक्षक की मौत हो गई। यूएनआईएफएसए ने पुष्टि की कि न्यिंकुआक, मजबोंग और खादियन क्षेत्रों में अंतर-सांप्रदायिक झड़पें हुईं जिससे लोग हताहत हुए और नागरिकों को यूएनआईएसएफए के केंद्रों पर पहुंचाया गया। बयान में कहा गया है, अगोक में यूएनआईएसएफए बेस पर एक सशस्त्र समूह ने हमला किया। मिशन ने हमले को विफल कर दिया लेकिन दुखद रूप से घाना का एक शांतिरक्षक मारा गया। वर्ष 2005 के शांति समझौते के बाद से उत्तर और दक्षिण सूडान के बीच दशकों से जारी गृह युद्ध समाप्त होने के बाद से अबेई क्षेत्र पर नियंत्रण को लेकर सूडान और दक्षिण सूडान में विवाद है। सूडान और दक्षिण सूडान, दोनों अबेई पर स्वामित्व का दावा करते हैं।

हूती विद्रोहियों ने अमेरिकी युद्धपोत पर हमले का दावा किया, अमेरिकी अधिकारी ने खारिज किया

यरूशलम। यमन के हूती विद्रोहियो ने कहा है कि उन्होंने सोमवार को समुद्र मे अमेरिकी नौसेना के एक चल केंद्र पर हमला किया जिसके लिए उन्होंने कोई सबूत पेश नही किया। अमेरिकी रक्षा विभाग के एक अधिकारी ने इस दावे को तुरंत खारिज कर दिया। यूएसएस लुईस बी पुलर जहाज पर निशाना साधने का दावा किया गया। यह जहाज तैरते हुए लैंडिग बेस के रूप मे काम करता है। लाल सागर और अदन की खाड़ी के माध्यम से वाणिज्यिक आवाजाही पर हूती हमलो को कम करने के अमेरिकी प्रयासो के तहत पुलर को पहले अरब सागर मे तैनात किया गया था। हूती सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याहिया सारी ने एक बयान मे कहा कि उसने अदन की खाड़ी मे पुलर पर मिसाइल दागी। उन्होंने इसके लिए कोई सबूत पेश नही किया। उन्होंने एक बयान मे कहा कि जब तक गाजा पट्टी मे फलस्तीन के लोगो पर आक्रमक कार्वाई रूक नही जाती, तब तक हूतियो के हमले जारी रहेगे। वही अमेरिकी रक्षा विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि पुलर पर किसी तरह के हमले की खबर नही है।

इस्लामिक स्टेट ने इस्तांबुल में गिरजाघर पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली

इस्तांबुल। आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट ने यहां एक रोमन कैथलिक गिरजाघर में रविवार को प्रार्थना सभा के दौरान हुए हमले की जिम्मेदारी ली। इस हमले में एक व्यक्ति की जान चली गई थी।इस्लामिक स्टेट ने रविवार देर शाम एक बयान जारी कर कहा कि उसने रविवार को इस्तांबुल के बुयुकडेरे में सैंटा मारिया गिरजाघर के अंदर ईसाई विधर्मियों पर उनके बहुदेववादी कार्यक्रम के दौरान हमला किया। गृहमंत्री अली एरलिकाया ने रविवार देर रात कहा कि इस हमले के सिलसिले में इस्लामिक स्टेट के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है जिनमें एक ताजिकिस्तान और दूसरा रूस का रहने वाला है।जिम्मेदारी संबंधी इस्लामिक स्टेट का यह बयान उसकी मीडिया शाखा अमाक ने प्रकाशित किया है और इस बयान के साथ हाथ में बंदूक लिए दो नकाबपोश लोगों की तस्वीर भी छापी गई है।

क्विक न्यूज

नशेड़ी ने हथौड़े से वार कर भारतीय छात्र की हत्या की

न्यूयॉर्क। अमेरिका मे जॉर्जिया के लिथोनिया शहर मे एक बेघर नशेड़ी ने उसकी मदद करने वाले 25 वर्षीय भारतीय छात्र के सिर पर करीब 50 बार हथौड़े से हमला किया जिससे उसकी मौत हो गई। दिल दहला देने वाली यह घटना कैमरे मे कैद हो गई है जिसमे हमलावर जूलियन फॉकनर हाल मे एमबीए करने वाले भारतीय छात्र विवेक सैनी के सिर पर हथौड़े से करीब 50 बार बेरहमी से वार करते नजर आ रहा है। एम9 न्यूज चैनल ने रविवार को बताया कि सैनी, फॉकनर को शरण देने वाले स्टोर मे अंशकालिक क्लर्क के तौर पर काम करता था। चैनल ने कहा कि सैनी ने फॉकनर की मदद करते हुए उसे चिप्स, कोक, पानी और ठंड से बचने के लिए एक जैकेट भी दी थी लेकिन बाद मे सुरक्षा संबंधी चिंता के कारण उसने फॉकनर से जाने का अनुरोध किया और कहा कि अन्यथा वह पुलिस की मदद लेगा। सैनी 16 जनवरी को अपने घर जा रहा था तभी फॉकनर ने उस पर हमला कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल पर फॉकनर को सैनी के शव पर खड़े पाया। बीटेक पूरा करने के बाद दो साल पहले अमेरिका आए सैनी ने हाल मे बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन मे स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की थी।हरियाणा मे रह रहा सैनी का परिवार इस निर्मम घटना के बाद से शोक मे है।

पाक व ईरान के सीमावर्ती क्षेत्रों में मौजूद आतंकवादियों को तीसरे देश का समर्थन प्राप्त है: ईरान

इस्लामाबाद। तालिबान की अगुवाई वाले अफगानिस्तान की ओर परोक्ष रूप से इशारा करते हुए ईरानी विदेश मंत्री हुसैन आमिर अब्दुल्लाहियान ने सोमवार को कहा कि इसमे कोई शक नही है कि पाकिस्तान और ईरान के सीमावर्ती क्षेत्रो मे मौजूद आतंकवादियो को तीसरे देशो का नेतृत्व एवं समर्थन प्राप्त है। कुछ दिन पहले दोनो पड़ोसी देशो ने एक दूसरे के यहां कथित आतंकवादी अड्डो पर सैन्य हमला किया था।अब्दुल्लाहियान इस माह के प्रारंभ मे किए गए सैन्य हमले के बाद दोनो देशो के बीच उत्पन्न हुए तनाव को दूर करने के लिए रविवार देर रात पाकिस्तान पहुंचे। पाकिस्तान के विदेश मंत्री जलील अब्बास जिलानी के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन मे अब्दुल्लाहियान ने कहा, इसमे कोई शक नही है कि ईरान और पाकिस्तान के साझा सीमावर्ती क्षेत्रो एवं उनके अपने-अपने क्षेत्रो मे मौजूद आतंकवादियो को तीसरे देशो का नेतृत्व एवं समर्थन प्राप्त है और वे ईरानी एवं पाकिस्तानी सरकारो एवं देशो के फायदे मे उठाए गए किसी भी अच्छे कदम का कभी समर्थन नही करते है। हालांकि उन्होने किसी देश का नाम नही लिया।

बातचीत के लिए पाकिस्तान की यात्रा पर पहुंचे ईरान के मंत्री

इस्लामाबाद। ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दोलाहियान सोमवार को यहां अपने पाकिस्तानी समकक्ष जलील अब्बास जिलानी के साथ गहन बातचीत करेंगे। कुछ दिन पहले ईरान ने पाकिस्तान के सीमा क्षेत्र में कथित आतंकवादी ठिकानो पर सैन्य हमले किए थे जिसका पाकिस्तान ने भी जैसे को तैसा जवाब दिया था। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अतिरिक्त विदेश सचिव (अफगानिस्तान और पश्चिम एशिया) राह हयात ने रविवार देर रात नूर खान हवाई अड्डे पर अब्दुल्लाहियान का स्वागत किया। एक बयान में कहा गया, यात्रा के दौरान विदेश मंत्री अब्दुल्लाहियान विदेश मंत्री जिलानी के साथ गहन बातचीत करेंगे और प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकड़ से मुलाकात करेंगे। यह यात्रा ईरान द्वारा पाकिस्तान सीमा क्षेत्र पुंजगुर के अंदर आतंकवादियों के कथित ठिकानो को एकतरफा निशाना बनाए जाने के बाद दोनों देशो के सशस्त्र संघर्ष से बाल-बाल बचने के बाद हो रही है। स्थिति तब बिगड़ने से बच गई जब इस कार्वाई के जवाब मे पाकिस्तान द्वारा जवाबी हमले शुरू करने के बाद ईरान ने खुद को जवाबी कार्वाई करने से रोक लिया। इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तान ने ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में आतंकवादी ठिकानो के खिलाफ निशाना बनाकर सैन्य हमले किए जिसमें नौ लोग मारे गए। इस हमले में ईरानी मिसाइल और ड्रोन हमलो का इस्तेमाल देखा गया जिसमे पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में सुन्नी बलूच आतंकवादी समूह जैश अल-अदल के दो ठिकानो को निशाना बनाया गया था।

पेरिस में किसानों के प्रर्दशन को देखते हुए की गई सुरक्षाबलों की तैनाती

पेरिस। फ्रांस के गृह मंत्रालय ने नाराज किसानो की पेरिस की ओर बढ़ने की चेतावनी के मद्देनजर देश की राजधानी के चारो ओर बड़ी संख्या मे सुरक्षा बलो की तैनाती का रविवार को आदेश दिया। इससे पहले फ्रांस मे रविवार को दो जलवायु कार्यकर्ताओ ने लौवर संग्रहालय मे मोना लिसा की तस्वीर के आगे लगे शीशे पर सूप फेंका और एक स्थाई खाद्य प्रणाली की वकालत करते हुए नारे लगाए। जलवायु कार्यकर्ताओं ने फ्रांस के उन किसानो के प्रति समर्थन जताया, जो फसल के बेहतर दाम और अन्य समस्याओ के खिलाफ कई दिन से देशभर मे विरोध-प्रदर्शन कर रहे है।फ्रांस के किसान उपज के लिए बेहतर पारिश्रमिक दिए जाने समेत अन्य मांगो को लेकर कई दिनो से पूरे देश मे चक्का जाम कर विरोध-प्रदर्शन कर रहे है। फ्रांस के गृह मंत्री गेराल्ड डर्मैनिन ने कहा कि मुख्य रूप से पेरिस क्षेत्र मे 15,000 पुलिस अधिकारियो को तैनात किया जा रहा है।

रूस: निर्वाचन आयोग ने पुतिन का नाम उम्मीदवार के रूप में पंजीकृत किया

मॉस्को। रूस के निर्वाचन आयोग ने मार्च मे होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए मौजूदा राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का नाम उम्मीदवार के रूप मे सोमवार को औपचारिक रूप से पंजीकृत किया। आगामी चुनाव के बाद पुतिन का छह और साल के लिए सत्ता मे आना तय माना जा रहा है।पुतिन (71) निर्दलीय उम्मीदवार के रूप मे चुनाव लड़ रहे है, लेकिन रूस की राजनीतिक व्यवस्था पर उनका पूरा नियंत्रण है, जिसे उन्होने 24 साल की अपनी सत्ता मे स्थापित किया है। पुतिन को चुनौती दे सकने वाले उनके प्रमुख आलोचक या तो जेल मे है या विदेश मे रह रहे है। देश मे स्वतंत्र मीडिया पर मुख्य रूप से प्रतिबंध है। ऐसे मे 15 मार्च से 17 मार्च के बीच होने वाले चुनाव मे पुतिन की जीत निश्चित लग रही है। पुतिन ने 2012 मे यूनाइटेड रशिया पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा था लेकिन 2018 मे वे निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनावी मैदान मे उतरे थे।

म्यांमा और दक्षिण चीन सागर संघर्ष को लेकर चिंतित हैं दक्षिण पूर्व एशियाई देश

लुआंग प्रबांग (लाओस)। दक्षिण चीन सागर मे चीन के बढ़ते आक्रामक रुख और म्यांमा मे बढ़ती हिंसा सोमवार को लाओस मे दक्षिण पूर्व एशियाई राजनयिको की बैठक के दौरान एजेंडे मे शीर्ष पर थी। लाओस के विदेश मंत्री सेलुमक्से कोमासिथ ने उम्मीद जताई कि इस वर्ष चिंता वाले इन दोनो मुद्दो पर प्रगति हो सकती है। उन्होने संवाददाताओ से कहा कि थाईलैंड म्यांमा को अधिक मानवीय सहायता प्रदान करने की योजना के साथ आगे बढ़ रहा है, जहां गृह युद्ध के कारण 26 लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए है।उन्होने कहा कि यह एक अच्छा संकेत है कि फरवरी 2021 मे लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई आंग सान सू ची सरकार से म्यांमा का नियंत्रण छीनने वाले सैन्य नेताओ ने पहली बार आसियान विदेश मंत्रियो की बैठक मे भाग लेने के लिए लाओस के ऐतिहासिक शहर लुआंग प्रबांग मे एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधि भेजा था। सेलुमक्से ने कहा, हम थोड़ा आशावादी महसूस करते है कि यह काम कर सकता है, हालांकि हमे यह स्वीकार करना होगा कि म्यांमा मे जो मामले चल रहे है वे रातोरात हल नही होंगे।

वेल्स की राजकुमारी केट को सर्जरी के बाद लंदन के अस्पताल से मिली छुट्टी

लंदन। पेट की सर्जरी के लिए अस्पताल मे भर्ती होने के बाद वेल्स की राजकुमारी केट विंडसर स्थित अपने आवास लौट आई है। यह जानकारी केंसिंग्टन पैलेस ने दी। केंसिंग्टन पैलेस ने कहा, राजकुमार और राजकुमारी लंदन क्लीनिक की पूरी टीम, विशेष रूप से समर्पित नर्सिंग स्टाफ को उनके द्वारा प्रदान की गई देखभाल के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहते है। परिवार दुनिया भर से मिली शुभकामनाओ के लिए आभारी है।

सऊदी रॉयल कमीशन के प्रमुख को भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार किया गया

दुबई। सऊदी अरब के ऐतिहासिक अल-उला स्थल की देखभाल कर रहे इसके मुख्य कार्यकारी अधिकारी को ठेको मे करीब 5.5 करोड़ डॉलर के भ्रष्टाचार और धनशोधन के आरोपो मे गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारियो ने यह जानकारी दी। सऊदी अरब के निगरानी और भ्रष्टाचार रोधी प्राधिकार ने रविवार देर रात एक बयान मे कहा कि सरकार मे शामिल होने से पहले एक रिश्तेदार के माध्यम से एक निजी कंपनी को लाभ पहुंचाने के लिए अवैध तरीके से ठेके प्राप्त करने के मामले मे सीईओ आमिर बिन सालेह अब्दुलरहमान अल-मदनी को गिरफ्तार किया गया है। ठेके परमाणु और अक्षय ऊर्जा के लिए अब्दुल्ला सिटी से संबंधित है।

अमेरिका में भारतीय ने मादक पदार्थ बिक्री करने का दोष स्वीकार किया

वाशिंगटन। ब्रिटेन से प्रत्यर्पित किए गए 40 वर्षीय भारतीय नागरिक नें पूरे अमेरिका मे समुदायो को घातक और खतरनाक मादक पदार्थ बेचने के लिए एक वैश्विक डार्क वेब उद्यम संचालित करने का दोष स्वीकार किया है और लगभग 15 करोड़ अमेरिकी डॉलर पर अपना अधिकार छोड़ देगा जो क्रिप्टोकरेंसी मे है।अमेरिकी न्याय विभाग ने एक प्रेस विज्ञप्ति मे कहा कि अदालत के दस्तावेजो के अनुसार, उत्तराखंड के हलद्वानी के बनमीत सिंह ने फेंटेनाइल, एलएसडी, एक्स्टसी, जैनैक्स, केटामाइन और ट्रामाडोल सहित नियंत्रित पदार्थो को बेचने के लिए डार्क वेब मार्केटप्लेस पर विक्रेता विपणन साइट बनाईं। शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति मे कहा गया है कि ग्राहको ने इन साइट का उपयोग करके और क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से भुगतान करके सिंह से नियंत्रित पदार्थ का ऑर्डर दिया।

सिख श्रद्धालुओं को धमकाने के मामले की जांच कर रहे हैं अधिकारी

ओटावा। कनाडा के अधिकारी ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के एक गुरुद्वारे मे एक व्यक्ति द्वारा दो बड़ी तलवारो के साथ सिख श्रद्धालुओ को धमकाने के मामले की जांच कर रहे है। यह जानकारी मीडिया की एक खबर से मिली। ग्लोबलन्यूज.सीए की खबर के अनुसार, यह घटना पेंटिक्टन शहर मे सोमवार को गुरुद्वारे मे शाम के दौरान हुई।रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) के हवाले से खबर मे कहा गया है कि 23 वर्ष का एक व्यक्ति आक्रामक तरीके से दो बड़ी तलवार लहराते हुए कथित तौर पर अन्य आगंतुको को धमका रहा था। खबर के अनुसार, इस घटना मे कोई घायल नही हुआ, एक व्यक्ति को हिरासत मे लिया गया और बाद मे रिहा कर दिया गया। खबर मे कहा गया है कि जांच की जा रही है।गुरुद्वारे ने घटना के बारे मे एक बयान जारी करके कहा कि यहै गुरुद्वारे के अंदर गैर-समाज के सदस्यों का एक अनियंत्रित समूह था। पेंटिक्टन सिख गुरुद्वारे ने कहा, इसी समूह को हाल ही मे विधिवत निर्वाचित समिति ने पेंटिक्टन सिख गुरुद्वारे से प्रतिबंधित कर दिया गया था। पेंटिक्टन सिख टेम्पल सोसाइटी के जेसी गार्चा ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय किए गए है कि इस घटना की पुनरावृत्ति न हो।

जॉर्डन में ड्रोन हमले में तीन अमेरिकी सैनिकों की मौत का जवाब देगा अमेरिका : बाइडन

भाषा। कोलंबिया (अमेरिका)

जॉर्डन में ईरान समर्थित समूह के ड्रोन हमले में तीन अमेरिकी सैनिकों की मौत और कई सैनिकों के घायल होने से तिलमिलाए अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को कहा कि अमेरिका इसका जवाब देगा। इजराइल-हमास युद्ध की शुरुआत के बाद से पश्चिम एशिया में अमेरिकी बलों के खिलाफ ऐसे समूहों द्वारा महीनों से जारी हमलों में पहली बार हुई अमेरिकी सैनिकों की मौत के लिए बाइडन ने ईरान समर्थित मिलिशिया को जिम्मेदार ठहराया। दक्षिण कैरोलाइना की यात्रा के दौरान बाइडन ने बैपटिस्ट चर्च के बैंक्वेट हॉल में एक सभा में क्षणभर का मौन रखा। बाइडन ने कहा, पश्चिम एशिया में हमारे लिए पिछली रात मुश्किल थी। हमने अपने एक सैन्य अड्डे पर हुए हमले में तीन बहादुर सैनिकों को खो दिया। हम जवाब देंगे। डेर एजोर 24 मीडिया के प्रमुख और यूरोप के कार्यकर्ता उमर अबू लैला के अनुसार, पूर्वी सीरिया में ईरान समर्थित लड़ाकों ने अमेरिकी हवाई हमलों के डर से अपनी चौकी खाली करनी शुरू कर दी है। उन्होंने एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को बताया कि ए क्षेत्र मयादीन और बौकामल के गढ़ हैं। अमेरिका के मध्य कमान ने कहा कि एकतरफा ड्रोन हमले में से कम से कम 34 सैनिक घायल हो गए, जिनमें से आठ को उपचार के लिए जॉर्डन से बाहर भेजा गया। फिलहाल सभी आठ लोगों की हालत स्थिर है। एक बड़े आकार के ड्रोन ने जॉर्डन में टॉवर 22 के नाम से जाने जाने वाले लॉजिस्टिक सपोर्ट बेस पर हमला किया। मध्य कमान ने कहा कि लगभग 350 अमेरिकी सैनिकी और वायु सेना के कर्मियों को इस बेस पर तैनात किया गया था। कई अमेरिकी अधिकारियों ने नाम का खुलासा नहीं करने की शर्त पर बताया कि तीन सैनिक मारे गए और घायलों में भी अधिकतर सेना के जवान है। इस छोटे प्रतिष्ठान में अमेरिका के इंजीनियरिंग, विमानन एवं रसद विभाग के कर्मियों के अलावा सुरक्षा सैनिक तैनात थे। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा, अमेरिका अपने सैनिकों और अमेरिकी हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कार्वाई करेगा।

ईरान ने मोसाद के लिए काम करने के मामले में चार दोषियों को मृत्युदंड दिया

तेहरान। ईरान ने रक्षा मंत्रालय से जुड़ी एक फैक्टरी को निशाना बनाने का षड्यंत्र रचने और इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के लिए काम करने के दोषी चार लोगो को सोमवार को मौत की सजा दी।आधिकारिक आईआरएनए समाचार एजेंसी ने बताया कि इन लोगो को 2022 मे ईरान के रक्षा मंत्रालय से जुड़ी और इस्फहान शहर मे मिसाइल और रक्षा उपकरणो से संबंधित एक फैक्टरी को निशाना बनाने का षड्यंत्र रचने का दोषी ठहराया गया था। इन चारो की पहचान मोहम्मद फरामरजी, मोहसिन मजलूम, वफा अजरबार और पेजमान फतेही के रूप मे की गई है। ए चारो ईरानी नागरिक है। देश के उच्चतम न्यायालय ने सितंबर मे एक अन्य अदालत द्वारा उन्हे सुनाई गई मौत की सजा को बरकरार रखा था, जिसके बाद उन्हे मृत्युदंड दिया गया।

उत्तर कोरियाई क्रूज मिसाइल के परीक्षण ने उकसावे के साथ 2024 की शुरुआत की

सियोल। उत्तर कोरिया ने पनडुब्बी से दागी जाने वाली नई क्रूज मिसाइल का सप्ताहांत में परीक्षण कर 2024 की शुरूआत उकसावे की गतिविधि के साथ की है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने देश के पास परमाणु आयुध बढ़ने के मद्देनजर अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के साथ परमाणु टकराव की धमकी दी है। अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम के आगे बढ़ने और रूस के साथ संबंध मजबूत होने से किम का हौसला बढ़ा है क्योंकि वह कूटनीतिक रूप से देश के अलग-थलग पड़े होने की स्थिति खत्म होने की आशा कर रहे हैं। जनवरी में उत्तर कोरिया की सैन्य गतिविधियां और कड़े बयानों ने इस बारे में चिंता पैदा की है कि वह अमेरिका और दक्षिण कोरिया के चुनावी वर्ष में दबाव बढ़ा रहा है। साल के अंत में हुए राजनीतिक सम्मेलन में किम ने दक्षिण कोरिया पर शत्रुता का आरोप लगाया था। इसके कुछ दिनों बाद, उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया के साथ विवादित पश्चिमी समुद्री सीमा के पास लगातार तीन दिन तोपों से सैकड़ों गोले दागे, जिसके जवाब में सियोल ने भी इसी तरह की गोलाबारी की। हालांकि, गोलाबारी से दोनों पक्षों में कोई हताहत या किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन विवादित समुद्री सीमा संकट पैदा करने वाले एक स्थान के रूप में उभर सकती है। उत्तर कोरिया की संसद, सुप्रीम पीपुल्स असेंबली की 15 जनवरी की बैठक में किम ने एक बार फिर कहा था कि उनका देश उत्तरी सीमा रेखा को मान्यता नहीं देता है, जिसे 1950-53 के कोरियाई युद्ध के अंत में अमेरिका के नेतृत्व वाली संयुक्त राष्ट्र कमान द्वारा निर्धारित किया गया था। किम ने कहा कि अगर दक्षिण कोरिया उनकी भूमि, हवाई क्षेत्र और जल क्षेत्र के 0.001 मिलीमीटर का भी उल्लंघन करता है।

पाकिस्तान में आम चुनाव से पहले कराची में चुनावी हिंसा बढ़ी

कराची। पाकिस्तान में आठ फरवरी को होने वाले आम चुनावों से पहले देश के सबसे बड़े शहर कराची में तनाव बढ़ रहा है। राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानसभा चुनाव में एक-दूसरे को पटखनी देने में जुटे दलों के बीच पहले ही कई बार झड़प हो चुकी हैं। सोमवार को, नाजिमानाड में हिंसक झड़पें हुईं। झड़प के दौरान पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के कार्यकर्ताओं के साथ हुई गोलीबारी में मुत्तहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम पाकिस्तान) के एक कार्यकर्ता की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। एक दिन पहले रविवार को क्लिफ्टन इलाके में, जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी की एक चुनावी रैली के दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज किया, आंसू गैस के गोले दागे और कार्यकर्ताओं को जबरन तितर-बितर कर दिया। इस दौरान कुछ पुलिसकर्मियों समेत कम से कम 25 लोग घायल हो गए। दक्षिणी प्रांत सिंध, विशेष रूप से पाकिस्तान के आर्थिक केंद्र कराची में सियासी माहौल गर्म है और सभी दल एक दूसरे से जमकर प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। कराची पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) का गढ़ माना जाता है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों के अनुसार, सिंध और कराची में पीपीपी के स्थाई प्रभाव के बावजूद, मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य बदलने की संभावना है। पीपीपी, एमक्यूएम-पी, पीटीआई, जमात-ए-इस्लामी और कुछ निर्दलीय उम्मीदवार कराची में प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के नेतृत्व वाली पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) का शहर में सीमित प्रभाव है, और वह अन्य प्रांतों पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही है। इस चुनाव में पीएमएल-एन की जीत की संभावना जताई जा रही है।

भारत के साथ सीमा मुद्दे को राजनीतिक आम-सहमति से सुलझाना होगा: सऊद

भाषा। काठमांडू

नेपाल के विदेश मंत्री एन पी सऊद ने सोमवार को कहा कि नेपाल और भारत के बीच सीमा मुद्दे को राजनीतिक आम-सहमति के आधार पर सुलझाया जाना चाहिए। सऊद ने भारत के 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर यहां आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सीमा समस्या को सुलझाने के लिए तकनीकी प्रणालियों में आवश्यक तकनीकी कामकाज पूरा करने के बाद दोनों देशों को स्वीकार्य समाधान तलाशा जाना चाहिए। नेपाल-भारत मानव विकास और मित्र संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मंत्री ने कहा, हमारी इस संबंध में एक संयुक्त तकनीकी समिति भी है। इस प्रणाली को सक्रिय किया जाना चाहिए जिसके बाद दोनों देशों के नेताओं को तथ्यों के आधार पर कूटनीतिक तरीके से इस समस्या का समाधान निकालना चाहिए। हम इस दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, देश के सामने मौजूद आर्थिक समस्याओं के समाधान के लिए हमें और अधिक पनबिजली का उत्पादन करना होगा और भारत तथा बांग्लादेश दोनों के साथ विद्युत व्यापार बढ़ाना होगा। नेपाल और भारत ने हाल में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे जिसके तहत भारत ने नेपाल से अगले दस साल में 10,000 मेगावाट बिजली खरीदने पर सहमति जताई। सऊद ने रविवार को गणतंत्र दिवस से संबंधित एक अन्य कार्यक्रम में भाग लेते हुए कहा था कि नेपाल तथा भारत के मध्य सीमा मुद्दे को दोनों देशों के बीच बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाने के बजाय संवाद के जरिए सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा था, चूंकि नेपाल और भारत के बीच I,800 किलोमीटर से अधिक लंबी खुली सीमा है, इसलिए दोनों पड़ोसियों के बीच सीमा से संबंधित कुछ विवाद और बहस अपरिहार्य है। लेकिन दोनों देशों की संयुक्त तकनीकी समिति ने ज्यादातर विवादों को सुलझा लिया है। सुस्ता और कालापानी-लिपुलेख केवल दो सीमा बिंदु ऐसे हैं, जिन्हें हल करने की आवश्यकता है।

6 जनवरी अमेरिकी इतिहास को हमेशा के लिए दागदार कर देगा : कोलोराडो के मतदाता

भाषा। कनेक्टिकट (अमेरिका)

कोलोराडो के 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के मतपत्रों से पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को हटाने की मांग करने वाले वादी ने 26 जनवरी, 2024 को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में अपना विवरण दाखिल किया। उन्होंने अदालत से कोलोराडो के उच्चतम न्यायालय के फैसले को बरकरार रखने के लिए कहा कि ट्रम्प अमेरिका के खिलाफ विद्रोह में शामिल थे और तदनुसार, उन्हें 14वें संशोधन की धारा 3 के तहत राष्ट्रपति चुनाव से अयोग्य ठहराया जाना चाहिए।नोर्मा एंडरसन और कई अन्य वादी द्वारा दायर संक्षिप्त विवरण में कहा गया है कि ट्रम्प ने आठ करोड़ से अधिक अमेरिकियों की इच्छा को स्वीकार करने से इनकार कर दिया, जिन्होंने उनके खिलाफ मतदान किया थाै इसमें कहा गया है कि शांतिपूर्वक सत्ता छोड़ने के बजाय, ट्रम्प ने जानबूझकर अपने खिलाफ डाले गए चुनावी वोटों की गिनती को रोकने के लिए एक हताश प्रयास में यूनाइटेड स्टेट्स कैपिटल पर हमला करने के लिए एक हिंसक भीड़ को संगठित किया और उकसाया। एंडरसन, एक रिपब्लिकन और कोलोराडो राज्य के पूर्व विधायक, और कई अन्य वादी ने ट्रम्प को 2024 कोलोराडो मतपत्रों से दूर रखने के लिए सितंबर 2023 में मुकदमा दायर किया था। ट्रम्प ने कोलोराडो सुप्रीम कोर्ट के इस निष्कर्ष के खिलाफ कि वह मतपत्र पर बने रहने योग्य नहीं हैं, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी।14वें संशोधन की धारा 3 उन लोगों को संघीय पद पर बने रहने से रोकती है जोै विद्रोह करते हैं या विद्रोह में शामिलै होते हैं।मामले का परिणाम संभवत: यह निर्धारित करेगा कि ट्रम्प देश भर के राज्यों में मतपत्रों पर बने रह सकते हैं या नहीं। तथ्य बनाम दावे: ट्रम्प के ब्रीफ के विपरीत, जिसे उन्होंने 18 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में दायर किया था, एंडरसन मुख्य रूप से तथ्यों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, यह बताते हुए कि ट्रम्प के ब्रीफ मेंै उनके खिलाफ सबसे हानिकारक सबूतै का कोई सार्थक खंडन नहीं है।एंडरसन के संक्षिप्त हाइलाइट्स में से कुछै सबसे हानिकारक सबूतै में शामिल हैं कि कैसे ट्रम्प नेै जानबूझकर डी.सी. में एक क्रोधित और सशस्त्र भीड़ को बुलाया जो लड़ने के लिए तैयार थौ और व्हाइट हाउस एलीप्स पर ट्रम्प के भाषण नेंै स्पष्ट रूप से और परोक्ष रूप से क्रोधित और सशस्त्र भीड़ को आसन्न अराजक हिंसा के लिए उकसायौ।

सोमाली समुद्री दस्युओं पर श्रीलंकाई नौका को जब्त करने, चालक दल के अपहरण का संदेह

कोलंबो। श्रीलंका की एक मछली पकड़ने की नौका और उसके चालक दल के छह सदस्यों के लापता होने के मद्देनजर श्रीलंका के राजनयिक सोमाली अधिकारियों से बात कर उनका पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। आशंका है कि सोमाली समुद्री दस्युओं ने दो दिन पहले इस नौका को जब्त कर लिया और उसके चालक दल के सदस्यों का अपहरण कर लिया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अपहरण की ए घटना ऐसे वक्त हुई है जब दो सप्ताह पहले श्रीलंका ने कहा था कि वह यमन स्थित हूती विद्रोहियों के हमलों के खिलाफ लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों की रक्षा के लिए अमेरिका के नेतृत्व वाले अभियान में शामिल होगा। सोमालिया के समुद्री क्षेत्र में अपहरण की अन्य संदिग्ध घटनाओं ने चिंता बढ़ा दी है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय नौवहन में अराजकता पैदा करने के एक दशक बाद सोमाली समुद्री दस्युओं की फिर से गतिविधि शुरू हो गई हैं।

इज़राइल-फ़लस्तीनी संघर्ष: क्या दो-राज्य समाधान अब ख़त्म हो गया है?

भाषा। कैनबरा

गाजा में इजराइल के युद्ध को लेकर बाइडेन प्रशासन और नेतन्याहू सरकार के बीच बढ़ती दरार अब खुलकर सामने आ गई है, संघर्ष के दो-राज्य समाधान की व्यवहार्यता पर उनके बीच सार्वजनिक असहमति है।7 अक्टूबर को दक्षिणी इज़राइल में हमास के भीषण हमले के कुछ ही दिनों के भीतर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को सचमुच गले लगा लिया था और अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में इज़राइल के हितों की दृढ़ता से रक्षा की।लेकिन तनाव बढ़ गया है क्योंकि गाजा में इजराइल की व्यापक जवाबी कार्वाई में मरने वाले नागरिकों की संख्या 25,000 से अधिक हो गई है - जिनमें से 70ु महिलाएं और बच्चे हैं।इसे संदर्भ में रखने के लिए, यूक्रेन में लगभग दो वर्षों के युद्ध की तुलना में गाजा में चार महीने से भी कम समय में अधिक गैर-सैनिक मारे गए हैं, जहां हाल ही में नागरिकों की मौत की संख्या 10,000 से अधिक हो गई है। बाइडेन ने दिसंबर में चेतावनी दी थी कि गाजा परै अंधाधुंध बमबारौ के कारण इजराइल अंतरराष्ट्रीय समर्थन खो रहा है। प्रशासन ने पर्दे के पीछे से मीडिया ब्रीफिंग के माध्यम से अपनी चिंता भी स्पष्ट कर दी कि नेतन्याहू के पास गाजा पर शासन के लिए युद्धोपरांत कोई योजना नहीं है।और इस पिछले सप्ताहांत में इज़राइल के खिलाफ नरसंहार मामले में अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय द्वारा जारी प्रारंभिक आदेश के बाद, व्हाइट हाउस की टिप्पणी ने स्पष्ट कर दिया कि अदालत के आदेश अमेरिकी नीति के अनुरूप हैं। विशेष रूप से, अदालत ने कहा कि इज़राइल को नागरिक क्षति को कम करने और गाजा में मानवीय सहायता के प्रवाह को बढ़ाने के लिए हर संभव कदम उठाना चाहिए।वैश्विक मंच पर इज़राइल की बढ़ती आलोचना के साथ, बाइडेन प्रशासन ने इजरायल-फ़लस्तीन संघर्ष के दो-राज्य समाधान के लिए अमेरिका के लंबे समय से चले आ रहे समर्थन को शामिल किया है।जवाब में, नेतन्याहू ने एक अलग फ़लस्तीनी राज्य के निर्माण को स्पष्ट रूप से अस्वीकार कर दिया है।

भावी फ़लस्तीनी राज्य का विसैन्ईकरण

और यरूशलेम इजराइल की संयुक्त राजधानी बना रहेगा। इनमे से कोई भी फ़लस्तीनियों को स्वीकार्य होने की संभावना नहीं थी।रेमनिक की टिप्पणी है कि भाषण एक बड़े लक्ष्य को ध्यान मे रखते हुए एक सामरिक कदम था। वह इज़राइल मे तत्कालीन अमेरिकी राजदूत मार्टिन इंडिक की प्रतिक्रिया को उद्धृत करते हैःै हम भाषण के एक या दो दिन बाद मिले।। नेतन्याहू बहुत फूले हुए थे, और उन्होंने मुझसे कहा, ठीक है, मैंने यह कहा था, क्या हम ईरान से निपटने के लिए वापस आ सकते है?

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 30 जनवरी 2024

जडेजा व राहुल के बाहर होने से भारत को झटका

● सरफराज का लंबा इंतजार खत्म

भाषा। हैदराबाद

भारतीय ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और बल्लेबाज लोकेश राहुल विशाखापत्तनम में दो फरवरी से इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे जिससे मेजबान टीम को यहां श्रृंखला के पहले टेस्ट में हार के बाद दोहरा झटका लगा है। जडेजा को रविवार को पहले टेस्ट के दौरान तेजी से रन लेते हुए पैर की मांसपेशियों में चोट लगी थी जबकि राहुल ने दाईं जांघ में दर्द की शिकायत की है। राहुल को पिछले साल मई में आईपीएल के दौरान भी दाईं जांघ में चोट लगी थी और उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी जिसके कारण वह चार महीने तक क्रिकेट से दूर रहे थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, रविंद्र जडेजा और लोकेश राहुल इंग्लैंड के खिलाफ विशाखापत्तनम में दो फरवरी 2024 से होने वाले दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे। विज्ञप्ति के अनुसार, बीसीसीआई की मेडिकल टीम दोनों खिलाड़ियों की प्रगति पर नजर रख रही है। चयन समिति ने मुंबई के बल्लेबाज सरफराज खान, बाएं हाथ के स्पिनर सौरभ कुमार और ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम में शामिल किया है। घरेलू क्रिकेट में ढेरों रन बनाने वाले सरफराज को पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने हाल में इंग्लैंड लॉयन्स के खिलाफ भी शानदार प्रदर्शन किया। विराट कोहली निजी कारणों से शुरुआती दो टेस्ट के लिए अनुपलब्ध हैं जबकि जडेजा और राहुल की चोट ने भारत की मुसबीत बढ़ा दी है जो 2013 से घरेलू सरजमीं पर अपना चौथा टेस्ट गंवाने के बाद दबाव में है। पहले टेस्ट में राहुल और जडेजा दोनों ने प्रभावी प्रदर्शन किया था लेकिन बाद में इंग्लैंड ने वापसी करते हुए 28 रन की जीत के साथ पांच मैच की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बनाई। जडेजा ने पांच विकेट चटकाने के अलावा पहली पारी में 87 रन बनाए जबकि राहुल ने 86 रन की पारी खेली। जडेजा की ऑलराउंड क्षमता टीम के लिए काफी अहम है। अपने चार टेस्ट के करियर के दौरान प्रभावित करने वाले ऑफ स्पिनर वाशिंगटन अंतिम एकादश में जडेजा की जगह ले सकते हैं। पिछले साल सितंबर में एशिया कप में में चोट के बाद वापसी करते हुए राहुल ने एकदिवसीय और टेस्ट प्रारूप में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप और हाल में दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट श्रृंखला में विकेटकीपर की भूमिका भी निभाई जिससे उन पर काम का बोझ बढ़ा। सरफराज टीम में जगह पाने के हकदार हैं लेकिन विशाखापत्तनम में रजत पाटीदार के पदार्पण करने की संभावना अधिक है जो पहले ही भारत की 15 सदस्ईय टीम का हिस्सा हैं। अहमदाबाद में इंग्लैंड लॉयन्स के खिलाफ गुरुवार से होने वाले तीसरे और अंतिम बहुदिवसीय मुकाबले के लिए वाशिंगटन सुंदर के विकल्प के तौर पर सारांश जैन को भारत ए टीम में शामिल किया गया है।

भारत डब्ल्यूटीसी रैंकिंग में पांचवें स्थान पर

दुबई। इंग्लैड के हाथो हैदराबाद मे पहले टेस्ट मे मिली हार के बाद भारत विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप रैंकिंग मे खिसककर पांचवे स्थान पर आ गया है। दक्षिण अफ्रीका से दो टेस्ट मैचो की श्रृंखला ड्रॉ खेलने के बाद भारत शीर्ष पर था लेकिन पाकिस्तान को हराकर आस्ट्रेलिया शिखर पर पहुंच गया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के बाद भारत के 54 . 16 रैंकिंग अंक थे जो अब घटकर 43 . 33 हो गए है। आस्ट्रेलिया 55 अंक के साथ शीर्ष पर है। वेस्टइंडीज के हाथो रविवार को आठ रन से मिली हार का भी उसकी रैंकिंग पर असर नही हुआ है। दक्षिण अफ्रीका , न्यूजीलैड और बांग्लादेश के 50 फीसदी अंक है और वे क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर है। भारत के बाद पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, इंग्लैड और श्रीलंका है। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2023 . 2025 चक्र मे टीम को एक जीत पर 12 अंक, ड्रॉ पर चार और टाई पर छह अंक मिलते है।

यूपी ने मुंबई को दो विकेट हराया

जुयाल 76 रन

रणजी ट्रॉफी राउंडअप

मुंबई। आर्यन जुयाल (76) और करण शर्मा (नाबाद 67) के अर्धशतक से उत्तर प्रदेश ने सोमवार को ग्रुप बी मैच में 41 बार के चैंपियन मुंबई को दो विकेट से हरा दिया। अंतिम दिन मुंबई की टीम दूसरी पारी में आठ विकेट पर 303 रन से आगे खेलते हुए 320 रन पर सिमट गई। मुंबई के 195 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उत्तर प्रदेश के दो विकेट जल्दी गिर गए जिसके बाद जुयाल और करण ने तीसरे विकेट के लिए 104 रन की साझेदारी करके पारी को संवारा। दूसरे छोर पर लगातार विकेट गिरते रहे लेकिन करण ने 173 गेंद में सात चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 67 रन की पारी खेलकर उत्तर प्रदेश का स्कोर आठ विकेट पर 195 रन तक पहुंचाकर टीम को जीत और छह अंक दिलाए। मुंबई की ओर से ऑफ स्पिनर तनुष कोटियान ने 58 रन देकर पांच विकेट चटकाए। एक अन्य मैच में रायपुर में आंध्र ने छत्तीसगढ़ को एकतरफा मुकाबले में 126 रन से हराया। आंध्र के 320 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान छत्तीसगढ़ की टीम सलामी बल्लेबाज एकनाथ केरकर की 199 गेंद में 76 रन की पारी के बावजूद 193 रन पर सिमट गई। कप्तान अमनदीप खरे ने भी 55 गेंद में सात चौकों और दो छक्कों से 67 रन की पारी खेलकर मैच का अपना दूसरा अर्धशतक जड़ा।

दिल्ली ने उत्तराखंड को सात रन से हराया

मोहाली। कप्तान हिम्मत सिंह की 194 रन की साहसिक पारी के बाद हिमांशु चौहान और रितिक शौकीन की शानदार गेंदबाजी की बदौलत दिल्ली ने सोमवार को यहां रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी के रोमांचक मैच मे उत्तराखंड पर सात रन से जीत दर्ज की। मौजूदा रणजी सत्र मे यह दिल्ली की पहली जीत है। हिम्मत की शानदार पारी के बाद हिमांशु (39 रन पर पांच विकेट) और शौकीन (81 रन पर तीन विकेट) ने आपस मे आठ विकेट साझा किए जिससे उत्तराखंड की दूसरी पारी 165 रन पर सिमट गई।इस जीत से छह अंक मिलने के बाद भी दिल्ली की टीम ग्रुप तालिका मे कुल आठ अंक के साथ सातवे पायदान पर है।मैच के आखिरी दिन उत्तराखंड को जीत के लिए 77 रन की जरूरत थी और उसके चार विकेट बचे थे। एक छोर से शानदार बल्लेबाजी कर रहे अखिल रावत (185 गेंद मे 63 रन) के आउट होने के बाद उत्तराखंड की पारी लड़खड़ा गई। दिल्ली की पहली पारी मे 147 रन के जवाब मे उत्तराखंड ने 239 रन बनाए थे। दिल्ली ने दूसरी पारी मे 11 रन पर पांच विकेट गंवाने के बावजूद नौ विकेट पर 264 रन बनाकर पारी घोषित की। उत्तराखंड को जीत के लिए 173 रन का लक्ष्य मिला था। ओडिशा ने कटक मे खेले गए ग्रुप के अन्य मैच मे हिमाचल प्रदेश को 238 रन से हराया। ओडिशा के राजेश मोहांती (33 रन पर पांच विकेट) की शानदार गेंदबाजी के सामने हिमाचल प्रदेश ने आखिरी नौ विकेट 88 रन के अंदर गंवा दिए।

खेल मंत्रालय ने साबले और पारुल के अमेरिका में प्रशिक्षण को मंजूरी दी

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने एशियाई खेलो के पदक विजेता लंबी दूरी के धावक अविनाश साबले और पारुल चौधरी के अमेरिका के कोलोराडो मे प्रशिक्षण के अनुरोध को सोमवार को मंजूरी दे दी। सरकार ने इसके साथ ही पहलवानो अंशू मलिक और सरिता मोर को क्रमशः जापान और अमेरिका मे प्रशिक्षण के लिए भी हामी भर दी। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक साबले और पारुल कोच स्कॉट सिमंस की देख रेख मे कोलोराडो स्प्रिंग्स मे उच्च ऊंचाई वाले केंद्र मे अभ्यास करेंगे। सरिता अमेरिका के युनाइटेड स्टेट्स ओलंपिकपैरालंपिक ट्रेनिंग सेंटर (यूएसओपीटीसी) मे अभ्यास करेंगी। इस केंद्र मे ओलंपिक सहित बड़े टूर्नामेंटो विजेता कई शीर्ष पहलवान अभ्यास करते है।

गुकेश मास्टर्स में संयुक्त दूसरे स्थान पर रहे, मेंडोंका ने खिताब जीता

विज्क आन जी (नीदरलैंड्स)। ग्रैंडमास्टर डी गुकेश चीन के वेई ई के खिलाफ अंतिम टाई-ब्रेकर में हार का सामना करने के बाद यहां टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट मे संयुक्त दूसरे स्थान पर रहे। भारतीय ग्रैंडमास्टर लियोन ल्यूक मेंडोंका ने हालांकि 13वे और अंतिम दौर मे हमवतन दिव्या देशमुख को हराकर चैलेंजर्स वर्ग का खिताब अपने नाम किया। यह गुकेश के लिए यह मुश्किल दिन रहा। फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए उन्हे 13वे गेम मे ईरान के परहम माघसूदलू के खिलाफ काले मोहरों से खेलते हुए जीत दर्ज करने के बाद पिछले साल के विजेता अनीश गिरी के खिलाफ तीन टाई-ब्रेक गेम मे बेहतर साबित होना था। उन्होने इन दोनो खिलाड़ियो को शिकस्त देने के बाद खिताबी मैच मे वेई ई के साथ पहला मुकाबला ड्रा खेला।

खेल के खालिस प्रारूप के रक्षक हो सकते हैं जोसेफ : वॉ

ब्रिसबेन। वेस्टइंडीज को आस्ट्रेलिया पर 27 साल मे पहली टेस्ट जीत दिलाने वाले युवा क्रिकेटर शामार जोसेफ की तारीफ करते हुए स्टीव वॉ ने कहा कि वह खेल के खालिस प्रारूप के रक्षक हो सकते है। दो टेस्ट मैचो के पहले टेस्ट के जरिए पदार्पण करने वाले 24 वर्ष के जोसेफ ने 11 . 5 ओवर मे 68 रन देकर सात विकेट लिए। उनके इस प्रदर्शन के दम पर वेस्टइंडीज ने आस्ट्रेलिया को आठ रन से हराया। कुछ समय पहले सुरक्षाकर्मी के तौर पर काम करने वाले जोसेफ ने अंगूठे की चोट से उबरकर यह प्रदर्शन किया। , खेलो मे सिंड्रेला की कहानी नही होती लेकिन इस युवा खिलाड़ी की कहानी वाकई आकर्षक है जिसने अकेले दम पर वेस्टइंडीज और पूरी दुनिया की टेस्ट क्रिकेट मे रुचि जगा दी। गेंदबाजी मे ऐसे प्रदर्शन से पहले बल्लेबाजी करते हुए जोसेफ को मिचेल स्टार्क की गेंद अंगूठे मे लगी थी।

इराक को हराकर जोर्डन एशियाई कप के क्वार्टर फाइनल में

अल रेयान (कतर)। जोर्डन ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे इराक के खिलाफ जोरदार वापसी करते हुए इंजरी टाइम मे दागे दो गोल की बदौलत 3-2 की जीत के साथ एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। यजान अल अरब ने खलीफा अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम मे इंजरी टाइम के पांचवे मिनट मे जोर्डन को बराबरी दिलाई और फिर दो मिनट बाद निजार अल राशदान ने विजई गोल दागा। इससे पहले इराक को 76वे मिनट मे 2-1 की बढ़त दिलाने के बाद आमेन हुसैन को जरूरत से अधिक जश्न मनाने के लिए दूसरा पीला कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर कर दिया गया। जोर्डन को पहले हाफ के इंजरी टाइम मे यजान अल नेमात ने बढ़त दिलाई थी जिसके बाद 68वे मिनट मे साद नातिक ने इराक को बराबरी दिलाई।

भारतीय बल्लेबाजों के लिए मानसिकता, तकनीकी बदलाव जरूरी

● विशाखापत्तनम मे चार दिन बाद शुरू होगा दूसरा टेस्ट मैच

भाषा। हैदराबाद

इंग्लैंड के यहां पहले टेस्ट में 28 रन की ऐतिहासिक जीत के बाद भारत अब विशाखापत्तनम में चार दिन बाद शुरू होने वाले दूसरे मैच से पहले खुद को मानसिक और तकनीकी रूप से मुश्किल स्थिति में देख रहा है। आशावादी लोग अब मौजूदा दौरे की समानता तीन साल पहले इंग्लैंड के भारत दौरे से करने का प्रयास करेंगे। तुलना यहीं खत्म नहीं होती। चिदंबरम स्टेडियम की पिच काफी तेजी से खराब हुई। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 329 रन बनाए और जीत दर्ज की। उस समय भारत के पास मध्यक्रम में कोहली, अजिंक्य रहाणे और ऋषभ पंत थे जो स्पिन से प्रभावी ढंग से निपट सकते थे। इन तीनों में से कोई भी अलग-अलग कारणों से विशाखापत्तनम में नहीं खेलेगा जबकि शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर स्पिनरों के खिलाफ परेशानी का सामना कर रहे हैं। इसमें भी गिल पिछले कुछ समय से प्रभावी प्रदर्शन करने में नाकाम रहे हैं। विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट के लिए पिच की प्रकृति यहां आरजीआई स्टेडियम में इस्तेमाल की गई पिच से पूरी तरह से अलग नहीं हो सकती है और इसने टीम को वापसी दिलाने की जिम्मेदारी भारतीय बल्लेबाजों के कंधों पर डाल दी है। शीर्ष अधिकारी ऐसी पिच नहीं बनवाना चाहेंगे जो पूरी तरह से तैयार नहीं हो। पिछली दौरे के दौरान अहमदाबाद में ऐसी पिच दिखी थी जब अक्षर पटेल ने 11 विकेट लेकर मेहमान टीम को ध्वस्त कर दिया था। इस तरह की पिचों पर हालांकि भारतीय बल्लेबाज भी मुश्किल में फंस सकते हैं। भारतीय बल्लेबाजों के लिए इंग्लैंड के स्पिनरों के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना होगा। ऑफ स्पिनर शोएब बशीर भी वीजा समस्या हल होने के बाद अब टीम से जुड़ गए हैं। एक पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने बताया, मुझे नहीं पता कि वहां (दूसरे टेस्ट के लिए) किस तरह की पिच होगी। जो भी हो उन्हें जल्दी से फिर से संगठित होने की जरूरत है क्योंकि इंग्लैंड के मुंह में खून लग गया है। इंग्लैंड की यह टीम पिछली बार हमने जो देखी थी उससे अलग है। स्टोक्स और मैकुलम के नेतृत्व में इंग्लैंड ने टेस्ट क्रिकेट के प्रति दृष्टिकोण को फिर से परिभाषित किया है और वे मानसिक रूप से भी एक साहसी टीम हैं जो जोखिम लेने से नहीं डरते हैं। इससे कुछ बुरे परिणाम आ सकते हैं लेकिन इससे उनके जीतने की अधिक संभावना बनती है। पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने कहा, इनमें से कई युवा बल्लेबाजों के साथ समस्या यह है कि वे बड़े शॉट खेलकर स्पिनरों पर हावी होने की कोशिश करते हैं।

गिल के पास जो सुरक्षा, वह पुजारा के पास भी नहीं थी दूसरे टेस्ट में अच्छा खेलना होगा : कुंबले

हैदराबाद। भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का मानना है कि खराब फॉर्म से जूझ रहे शुभमन गिल के पास टीम मे जिस तरह की सुरक्षा है, वह कभी चेतेश्वर पुजारा को नही मिली और इस युवा बल्लेबाज को इंग्लैड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मे अच्छा प्रदर्शन करना होगा वरना काफी दबाव मे आ जाएगा। कुंबले ने जियो सिनेमा से कहा , गिल को जो सुरक्षा मिली हुई है वह चेतेश्वर पुजारा को भी नही मिली थी जबकि उसने (पुजारा) 100 से अधिक टेस्ट खेले है। मै बार बार पुजारा की बात करता हूं क्योकि वह कुछ समय पहले तक तीसरे नंबर पर उतरते थे। पुजारा ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल खेला और उसके बाद से शुभमन गिल तीसरे नंबर पर उतर रहा है। कुंबले ने कहा कि गिल को अपनी मानसिकता पर काम करना होगा और तकनीक मे भी सुधार करना होगा। अगर आप भारत मे तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करना चाहते है तो तकनीक पर काम करना होगा। उसके पास हुनर है और वह युवा है , सीख रहा है लेकिन उसे दूसरे टेस्ट मे अच्छा खेलना होगा वरना उस पर दबाव आ जाएगा। लेकिन अगले टेस्ट से चार दिन पहले क्या वह अपनी शैली मे बदलाव कर सकते है, यह पूछने पर कुंबले ने कहा , यह मानसिकता की बात है। उसके पास बताने के लिए सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति कोच (राहुल द्रविड़) के रूप मे है। भारतीय बल्लेबाजो को स्पिन को बेहतर ढंग से खेलना होगा। कुछ बल्लेबाजो का रवैया सकारात्मक नही था और फुटवर्क भी खराब था।

हैदराबाद टेस्ट में आचार संहिता के उल्लंघन पर बुमराह को लगी फटकार

दुबई। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को हैदराबाद टेस्ट के दौरान रन लेते समय इंग्लैंड के बल्लेबाज ओली पोप के रास्ते में आने और उसकी वजह से अनुचित शारीरिक संपर्क के कारण फटकार और एक डिमेरिट अंक लगाया गया है। बुमराह का अपराध आईसीसी आचार संहिता के तहत लेवल एक का अपराध है। उनके अनुशासन रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी लगाया गया क्योंकि 24 महीने में यह उनका पहला अपराध है। आईसीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा , यह घटना इंग्लैंड की दूसरी पारी के 81वें ओवर की है जब बुमराह जान बूझकर ओली पोप के रास्ते में आ गए जब वह रन ले रहे थे जिससे अनुचित शारीरिक संपर्क भी हुआ। बुमराह को अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी की आचार संहिता की धारा 2 . 12 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। बुमराह ने सजा स्वीकार कर ली जिससे मामले की औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। मैदानी अंपायरों पॉल रीफेल और क्रिस गाफानी , तीसरे अंपायर मराइस इरास्मस और चौथे अंपायर रोहन पंडित ने बुमराह पर आरोप लगाया था।

भारतीय डेविस कप टीम को राष्ट्र प्रमुख जैसी सुरक्षा

इस्लामाबाद। डेविस कप मुकाबले के लिए लगभग 60 साल मे पहली बार पाकिस्तान दौरे पर गई भारतीय टेनिस टीम को इस देश की यात्रा करने वाले राष्ट्र अध्यक्ष जैसी सुरक्षा मुहैया कराई गई है। खिलाड़ियो को सुरक्षित महसूस कराने के लिए लागू सुरक्षा योजना के तहत एक बम निरोधक दस्ता हर सुबह इस्लामाबाद स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की जांच करेगा और यात्रा के दौरान भारतीय टीम दो एस्कॉर्ट वाहन की निगरानी मे रहेगी। पाकिस्तान टेनिस महासंघ (पीटीएफ) सुरक्षा पहलू पर कोई समझौता नही करना चाहता है। भारतीय खिलाड़ी ज्यादातर आयोजन स्थल और होटल तक ही सीमित रहेगे। खिलाड़ियों के लिए यह स्थिति हालांकि थोड़ी कठिन हो सकती है। पीटीएफ अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आईटीएफ) द्वारा अनुमोदित सुरक्षा योजना का पालन कर रहा है। पीटीएफ के महासचिव कर्नल गुल रहमान ने कहा, भारतीय टीम 60 साल के बाद पाकिस्तान आई है, इसलिए हम अतिरिक्त सावधानी बरत रहे है।

अंडर 19 विश्व कप : आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारत की नजरें जीत की लय कायम रखने पर

ब्लोमफोंटेन। लगातार तीन जीत दर्ज करने के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत गत चैम्पियन भारतीय टीम अंडर 19 विश्व कप मे सुपर सिक्स चरण के मुकाबले मे मंगलवार को न्यूजीलैड के खिलाफ उतरेगी तो नजरे जीत की लय कायम रखने पर लगी होंगी। ग्रुप ए मे शीर्ष पर रहकर सुपर सिक्स मे पहुंची भारतीय टीम के लिए अच्छी बात यह है कि इसी मैदान पर अगला मैच खेलना है जहां उसने तीनो मैच जीते है। वही न्यूजीलैड टीम ईस्ट लंदन से आई है और उसे हालात के अनुरूप ढलना होगा। भारत ने बांग्लादेश, आयरलैड और अमेरिका को हराया है। पहले मैच मे बांग्लादेश के खिलाफ परेशानी आई लेकिन बाकी दोनो मैचो मे भारत ने शानदार जीत दर्ज की।

कोहली ने डिविलियर्स के कहने पर माफी मांगी: एल्गर

केपटाउन। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान डीन एल्गर ने दावा किया है कि भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने एक टेस्ट मैच के दौरान उन पर थूका था और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर टीम के साथी एबी डिविलियर्स के कहने पर दो साल बाद उन्होने माफी मांगी थी। एल्गर ने दिसंबर मे घरेलू मैदान पर भारत के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के समापन के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया। नियमित कप्तान तेम्बा बावुमा की गैरमौजूदगी मे उन्होने इस मैच मे टीम की कमान संभाली थी। उन्होने हालांकि उस श्रृंखला का उल्लेख नहीं किया जिसमे यह घटना घटी थी लेकिन अनुमान लगाया जा रहा है कि यह वाक्या 2015 मे दक्षिण अफ्रीका का भारत दौरा हो सकता है। एल्गर ने एक पॉडकास्ट पर इस जानकारी साझा करते हुए यह भी कहा कि उनकी कोहली और रविचंद्रन अश्विन के साथ झड़प हुई थी। एल्गर ने बैटर विद द बॉयज पॉडकास्ट पर यह बाते कही। इस कार्यक्रम मे उनके साथ दक्षिण अफ्रीका के पूर्व हरफनमौला क्रिस मौरिस और रग्बी खिलाड़ी जीन डिविलियर्स भी मौजूद थे।

सैफ अंडर-19 महिला फुटबॉल चैंपियनशिप के लिए भारत ने 23 सदस्यीय टीम घोषित की

नई दिल्ली। भारत के मुख्य कोच शुक्ला दत्ता ने शुक्रवार से ढाका मे होने वाली सैफ अंडर-19 महिला फुटबॉल चैंपियनशिप के लिए सोमवार को 23 सदस्ईय टीम घोषित की। भारतीय टीम मंगलवार को बांग्लादेश के लिए रवाना होगी और अपना पहला मैच दो फरवरी को भूटान के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद टीम चार फरवरी को बांग्लादेश जबकि छह फरवरी को नेपाल से भिड़ेगी। फाइनल आठ फरवरी को खेला जाएगा। टूर्नामेंट के सभी मैच ढाका के बीएसएसएस मुस्तफा कमाल स्टेडियम मे होंगे। भारत इस प्रतियोगिता मे कुल पांचवी और अंडर-19 प्रारूप में दूसरी बार हिस्सा ले रहा है। पिछली बार 2021 मे अंडर-19 प्रारूप मे हुए टूर्नामेंट मे भारत फाइनल मे बांग्लादेश के खिलाफ शिकस्त के बाद उप विजेता रहा था। भारत ने एकमात्र बार यह टूर्नामेंट 2022 मे अंडर-18 प्रारूप मे जीता था जब अपनी मेजबानी मे उसने फाइनल मे बांग्लादेश को हराया था।

पूर्व व्यावसायिक साझेदारों द्वारा दायर मानहानि याचिका सुनवाई योग्य नहीं: धोनी ने अदालत से कहा

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेट कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष कहा कि उनके दो पूर्व व्यावसायिक साझेदारो द्वारा उनके खिलाफ दायर मानहानि याचिका सुनवाई के योग्य नही है। उच्च न्यायालय ने फिलहाल धोनी , कई मीडिया घरानो और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के खिलाफ कोई भी अंतरिम आदेश पारित करने से इनकार कर दिया ताकि उन्हे किसी भी मंच पर वादी के खिलाफ किसी भी कथित झूठी मानहानिकारक सामग्री को पोस्ट करने या प्रकाशित करने से रोका जा सके जो उनकी साख और प्रतिष्ठा को धूमिल कर सकती है। वादी और पूर्व व्यावसायिक साझेदार मिहिर दिवाकर और उनकी पत्नी सौम्या दास ने धोनी, कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और मीडिया घरानो के खिलाफ स्थाई रोक और क्षतिपूर्ति की मांग करते हुए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। उन्हे मानहानि कारक, झूठी बाते बनाने, प्रकाशित करने, प्रसारित करने से रोकने की मांग की है। धोनी के वकील अदालत मे पेश हुए और कहा कि उनके खिलाफ दायर याचिका सुनवाई योग्य नही है और उन्होने हाल ही मे रांची की एक अदालत मे दंपति के खिलाफ मामला दायर किया है। उनके वकील ने आगे कहा कि उन्हे वादपत्र और संबंधित दस्तावेजो की प्रति नही मिली है और उन्हे मामला दायर करने के बारे मे केवल उच्च न्यायालय रजिस्ट्री द्वारा सूचित किया गया था।

भारत के पास सोच-विचार करने के लिए बहुत कुछ है, हमारे लिए टर्निंग विकेट तय नहीं: वुड

हैदराबाद। तेज गेंदबाज मार्क वुड का मानना है कि स्पिन की अनुकूल पिच पर इंग्लैड का परेशान होना पहले से तय निष्कर्ष नही है और पहले टेस्ट मे हार ने भारतीय टीम को दूसरे टेस्ट से पहले सोच-विचार करने के लिए काफी कुछ दिया है। इंग्लैड ने उप कप्तान ओली पोप के शानदार 196 रन और बाएं हाथ के नवोदित स्पिनर टॉम हार्टले के चौथी पारी मे सात विकेट की बदौलत रविवार को यहां शुरुआती टेस्ट मे 28 रन की यादगार जीत दर्ज की। वुड ने ईएसपीएनक्रिकइंफो से कहा, मुझे नही पता कि वे (दूसरे टेस्ट के लिए) कैसी (पिच) तैयार करेंगे। भारत के पास यहां कोई भी विकेट बनाने की क्षमता है। मैने विश्व कप के मुकाबले और आईपीएल के मैच खेले है जहां तेज गेंदबाजी की अनुकूल, सपाट पिच, स्पिन के अनुकूल विकेट होते है। उनमे अपनी इच्छानुसार किसी भी तरह का विकेट तैयार करने की क्षमता है। लेकिन अब हमने उन्हे सोचने के लिए कुछ दिया है। यह कोई पहले से तय निष्कर्ष नही है कि हम यहां आने वाले है और वे हमे स्पिन से पछाड़ देंगे। पोप ने इंग्लैड की दूसरी पारी मे रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल की भारतीय स्पिन तिकड़ी के खिलाफ दबदबा बनाया। ओली पोप ने शानदार पारी खेली है, उन्हे अब विश्लेषण करना होगा, जैसे हम तब करते है जब चीजे अच्छी नही होती और विश्लेषण करना होगा कि वे कैसे मुकाबला करेंगे। हमने एक मैच जीता है। यह एक बड़ी उपलब्धि है लेकिन मुझे नही लगता कि हमे काफी आगे के बारे मे सोचने की जरूरत है। चौंतीस साल के वुड पहले टेस्ट की इंग्लैड की अंतिम एकादश मे एकमात्र तेज गेंदबाज थे और उन्होने कहा कि जब कप्तान बेन स्टोक्स ने उन्हे सूचित किया कि वह संक्षिप्त स्पैल डालेंगे तो उन्हे अजीब लगा। जब हम मैदान पर थे तो उन्होने (स्टोक्स) शायद एक या दो कहा।

भारतीय मुक्केबाज मंदीप ने अमेरिका में इंटरकांन्टिनेंटल खिताब पर जमाया कब्जा

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय मुक्केबाज मनदीप जांगड़ा ने वाशिंगटन के टॉप्पेनिश सिटी में गेरार्डो एसक्विवेल को हराकर अमेरिका स्थित नेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन (एनबीए) का इंटरकांन्टिनेंटल सुपर फेदरवेट खिताब जीता। अपने पेशेवर करियर में अब तक अपराजित रहने वाले 30 साल के जांगड़ा ओलंपिक के पूर्व रजत पदक विजेता रॉय जोन्स जूनियर के मार्गदर्शन में अभ्यास करते हैं। उन्हें अमेरिका के मुक्केबाज के खिलाफ शुक्रवार को प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपने पिछले 75 किलोग्राम भार वर्ग को छोड़ कर कम भार वर्ग में उतरना पड़ा। यह जीत सिर्फ मेरी नहीं है, बल्कि हर उस व्यक्ति की है, जिसने इस पूरी यात्रा में मेरा साथ दिया। इसमें मेरे कोच, परिवार, प्रशंसक और मेरे साथ खड़े रहने वाले शामिल हैं। मैं यह खिताब अपने देश को समर्पित करता हूं। मैं देश के लिए भविष्य में भी इसी तरह का सम्मान और खिताब हासिल करने की कोशिश करूंगा। जांगड़ा ने 2021 में पेशेवर मुक्केबाजी में पदार्पण किया था। एसक्विवेल को हराने से पहले जांगड़ा ने अपने छह मुकाबलों में से चार में नॉकआउट जीत दर्ज की है।

मासकर को पदार्पण करते हुए विश्व कप में रजत, सिमरनप्रीत पांचवें स्थान पर

काहिरा। सोनम मासकर ने आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप में पदार्पण करते हुए सोमवार को यहां महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में रजत पदक जीत लिया। सोनम ने आठ महिलाओं के फाइनल में 252 . । स्कोर किया। वह जर्मनी की अन्ना जांस्सेन से 0 . 9 अंक पीछे रही। पोलैंड की अनेता स्टानकीविच को कांस्य पदक मिला। सोनम ने 633 . । और नैंसी ने 632 . 7 के स्कोर के साथ पांचवां और चौथा स्थान लेकर फाइनल में प्रवेश किया था। इससे पहले दिव्यांश सिंह पंवार ने विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ पुरूष वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। एक अन्य स्पर्धा में पदार्पण कर रही सिमरनप्रीत कौर बरार महिला 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहीं। पहली बार इस स्तर पर व्यक्तिगत स्पर्धा में हिस्सा ले रही सिमरनप्रीत क्वालीफिकेशन में 586 अंक के साथ शीर्ष पर रहीं थी। सिमरनप्रीत ने क्वालीफाइंग में जर्मनी की गत विश्व चैंपियन डोरीन वेनेकैंप और पूर्व ओलंपिक चैंपियन यूनान की अन्ना कोराकाकी जैसी निशानेबाजों को पछाड़ा। स्पर्धा में हिस्सा ले रही दो अन्य भारतीय रिदम सांगवान और मनु भाकर 582 और 580 अंक के साथ क्रमश: नौवें और 14वें स्थान पर रहते हुए आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहीं। डोरीन और अन्ना ने फाइनल में क्रमश: 39 और 37 अंक के साथ स्वर्ण और रजत पदक जीता। हंगरी की वेरोनिका ने कांस्य पदक हासिल किया। भारत सत्र के शुरुआती विश्व कप में तीन दिन की स्पर्धाओं के बाद दो स्वर्ण पदक और तीन रजत पदक के साथ शीर्ष पर चल रहा है।

लखनऊ ओवरऑल चैंपियन आगरा को दूसरा स्थान

लखनऊ। मेजबान लखनऊ के खिलाड़ियों ने चतुर्थ भारत रत्न स्व.अटल बिहारी बाजपेई स्मारक राज्य ताइक्वांडो प्रतियोगिता में दम दिखाते हुए 19 स्वर्ण सहित 71 पदक जीतते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी जीत ली। उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो संघ के तत्वावधान में लखनऊ जिला ताइक्वांडो द्वारा केडी सिंह बाबू स्टेडियम के बैडमिंटन हाल में संपन्न प्रतियोगिता में आगरा की टीम उपविजेता रही जबकि प्रयागराज को तीसरा स्थान मिला। लखनऊ ने 19 स्वर्ण, 21 रजत व 31 कांस्य पदक 227 अंक के साथ पहला स्थान हासिल किया। आगरा 5 स्वर्ण 4 रजत व 3 कांस्य सहित 12 पदक ;50 अंकद्ध के साथ दूसरे व प्रयागराज 2 स्वर्ण 4 रजत व 3 कांस्य सहित 9 पदक 29 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहा। समापन समारोह में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने विजेता व उपविजेता टीमों में शामिल खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित किए। समापन समारोह की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन के अध्यक्ष शैलेश कुमार सिंह शैलू ने की।

द क्रिएटर्स क्लब की जीत में राहुल गोंड के पांच विकेट

लखनऊ। मैन ऑफद मैच राहुल गोंड ;पांच विकेटद्ध की गेंदबाजी से द क्रिएटर्स क्रिकेट क्लब ने द्वितीय तारा देवी मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के सोमवार को खेले गए लीग मैच में इंडियन क्रिकेट क्लब को 55 रन से पराजित किया। गियर क्रिकेट ग्राउंड पर द क्रिएटर्स क्रिकेट क्लब निर्धारित 35 ओवर के मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 26. 1 ओवर में 146 रन का स्कोर ही बना सका। टीम से शिवांश त्रिपाठी ने सबसे ज्यादा 38 रन का योगदान किया। प्रत्यूष ने 23 सुंदरम ने 18 व अदवित्य शुक्ला ने 16 रन की पारी खेली। हिमांशु यादव ने तीन विकेट हासिल किए। जवाब में लक्ष्य का पीछा करते हुए इंडियन क्रिकेट क्लब 30.5 ओवर में 91 रन पर ही सिमट गया।

यूपी ग्रेस व राउंडग्लास क्वार्टर फाइनल में

लखनऊ। मेजबान यूपी ग्रेस ने 34वीं आल इंडिया केडी सिंह बाबू सब जूनियर बालक अंडर-14 प्राइजमनी हॉकी टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। दूसरी ओर यूपी करम, राउंडग्लास पंजाब हॉकी अकादमी और नवल टाटा ओडिशा भी दो-दो जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी। इन तीनों टीमों को अभी एक.एक मैच और खेलने है। केडी सिंह बाबू स्मारक सोसायटी के तत्वावधान में गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज के मेजर ध्यानचंद सिंथेटिक टर्फ स्टेडियम पर खेले जा रहे टूर्नामेंट में सोमवार को यूपी ग्रेस ने भास्करन हॉकी अकादमी तमिलनाडु को 11-0 से हराया। वहीं पिछली उपविजेता राउंडग्लास पंजाब हॉकी अकादमी ने सन्नी जोशी की हैट्रिक सहित चार गोल की सहायता से ध्यानचंद हॉकी अकादमी आंध्र प्रदेश के खिलाफ 11-0 से जीत दर्ज की। यूपी ग्रेस की जीत में ऋषभ सिंह

ने अकेले चार गोल दागे। ऋषभ सिंह ने चौथे मिनट में पहला गोल दागाए फिर 21वें व 24वें मिनट में मैदानी गोल ओर 29वें मिनट में पेनाल्टी कार्नर पर गोल दागा। शुभम पटेल ने 10वेंए 49वें मिनट में मैदानी गोल और 60वें मिनट में पेनाल्टी कार्नर पर गोल कया। वहीं देवांश चौरसिया 14वां, 27वां ने दो गोल किए। आयुष यादव व दर्शील केसरवानी को एक-एक गोल करने में सफलता मिली। वहीं राउंडग्लास पंजाब हॉकी अकादमी ने ध्यानचंद हॉकी अकादमी को 11-0 से हराया।

यूपी पावर सेक्टर के विकास चौधरी ने 555 किग्रा वजन उठाकर जीता स्वर्ण

लखनऊ। मेजबान यूपी पावर सेक्टर के विकास चौधरी ने 45वीं अखिल भारतीय विद्युत परिषद पावरलिफ्टिंग एवं बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता के दूसरे दिन स्वर्णिम सफलता हासिल की। उत्तर प्रदेश पावर सेक्टर द्वारा केडी सिंह बाबू स्टेडियम के वेटलिफ्टिंग हाल में आयोजित इस प्रतियोगिता में विकास ने 120 किग्रा से अधिक भार वर्ग में 555 किग्रा टोटल वजन उठाकर पदक जीता। मेजबान के लिए धीरज कुमार शर्मा ने 83 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता। यूपी पावर सेक्टर के ही शक्ति कुमार जायसवाल,अमित राठी व गणेश को कांस्य पदक मिले। वहीं केपीटीसीएल के लिए आज रोशन फरेरो, लोहित सिंह व रंगा रेड्डी ने तीन स्वर्ण जीत टीम के पदकों की संख्या 6 कर ली। पावरलिफ्टिंग के 83 किग्रा वर्ग में केपीटीसीएल के रोशन फरेरो ने 615 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण, यूपी पावर सेक्टर के धीरज कुमार शर्मा ने 517.5 किग्रा टोटल वजन उठाकर रजत पदक जीता।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।